@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 5 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 360 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## एमवीए में सीएम चेहरे की अटकलों पर कांग्रेस का जवाब

नई दिल्ली, 4 नवंबर। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान महाविकास अघाड़ी में चल रही सीएम चेहरे की अटकलों को लेकर कांग्रेस की ओर जवाब आया है। कांग्रेस ने कहा कि यह कौन बनेगा मुख्यमंत्री प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि महाविकास अघाड़ी की सरकार बनाने की लड़ाई है। चुनाव के नतीजे आने के बाद गठबंधन मिलकर सीएम पद को लेकर फैसला करेगा। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हमें महाराष्ट्र और झारखंड में पूर्ण जनादेश मिलने का भरोसा है, लेकिन हरियाणा जैसी अंतिम समय की शरारतों से बचने के लिए हम भाजपा और प्रशासन को लेकर अधिक सतर्क हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में परिणाम अप्रत्याशित थे, लेकिन महाराष्ट्र और झारखंड में हमारा गठबंधन काफी मजबूत है। हमें खुद पर पूरा विश्वास है, लेकिन हम अतिरिक्त सतर्क भी हैं। हम नहीं चाहते कि हरियाणा जैसी स्थिति दोबारा हों। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि झारखंड में हमारा एजेंडा सकारात्मक है। यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस सरकार ने पूरे पांच साल तक शासन किया है। महाराष्ट्र में भी एमवीए की सरकार बनी, लेकिन भाजपा ने इसे गिरा दिया और तीन साल तक महायुति सरकार ने शासन किया। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि महायुति सरकार ने महाराष्ट्र के लोगों के साथ धोखा किया है। इसलिए हम पूरे विश्वास में हैं, लेकिन सतर्क हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हम कौन बनेगा मुख्यमंत्री के लिए नहीं लड़ रहे हैं। हम सरकार बनाने के लिए लड़ रहे हैं। हम महाविकास अघाड़ी के लिए बहुमत चाहते हैं। चुनाव के बाद सुचारू तरीके से मुख्यमंत्री के चेहरे का चयन किया जाएगा।

# अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत

**सिम्मी कौर बब्बर**

अल्मोड़ा, 4 नवंबर। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के मार्चुला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई। बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने अल्मोड़ा सड़क हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा, उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है। बस नैनीडांडा के किनाथ से रामनगर जा रही थी। जैसे ही बस मार्चुला के पास पहुंची तो सारड बैंड के पास नदी में गिर गई। बस के नदी में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बस से छिटककर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य चलाया। घायलों को अस्पताल ले जाने का काम किया। बस सवार 36 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मो?ा विनीत पाल ने बताया कि 36 यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या ब? सकती है। टीम रेस्क्यू में जुटी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने के निर्देश दिए। सीएम ने मृतक परिजनों को 4-4 लाख रूपये और घायलों को 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि देने का निर्देश दिया है। आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए गए हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा में बस हादसे पर सचिव आपदा प्रबंधन,आयुक्त कुमाऊं मंडल और डीएम अल्मोड़ा से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली और बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए। डीएम देहरादून को भी रेस्क्यू ऑपरेशन की देखरेख के लिए विशेष रूप से वहां भेजा जा रहा है। एसडीआरएफ के साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई हैं।रेस्क्यू और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए भी निर्देश दिए हैं। अल्मोड़ा में हुए हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताया। उन्होंने लिखा कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

# शीर्ष न्यायालय ने कहा बच्चों के लिए कुछ हरे-भरे मैदानों की जरूरत: सुप्रीम कोर्ट

**नरेश मल्होत्रा**

नई दिल्ली, 4 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) की याचिका खारिज कर दी, जिसमें नवी मुंबई में एक खेल परिसर के लिए निर्धारित भूमि को निजी बिल्डरों को पुन: आवंटित करने के महाराष्ट्र सरकार के कदम के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने नवी मुंबई जैसे शहरी क्षेत्रों में हरित स्थानों को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। शहरी विस्तार के बीच खुले क्षेत्रों की घटती उपलब्धता को रेखांकित करते हुए सीजेआई ने टिप्पणी की, हमें अपने बच्चों के लिए कुछ हरित स्थानों की आवश्यकता है, खासकर मुंबई जैसे शहरों में।सीजेआई ने आगे कहा, ये कुछ बचे हुए हर-भरे जगह हैं, और हमें इन्हें संरक्षित करना चाहिए। सिडको के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहिए। उन्होंने बताया कि मॉल और आवासीय परिसरों के निर्माण के लिए बिल्डरों को हरित क्षेत्र दिए गए थे। सीजेआई ने कहा कि नवी मुंबई के बच्चों को स्कूल से लौटने के बाद खेल खेलने के लिए पड़ोसी रायगढ़ जिले में कई किलोमीटर की यात्रा नहीं करनी चाहिए। राज्य सरकार ने खेल परिसर को रायगढ़ जिले के मानगांव में स्थानांतरित करने का भी फैसला किया था, जो मौजूदा साइट से 115 किलोमीटर दूर है। पीठ ने पहले मुंबई और नवी मुंबई जैसे शहरों में बचे हुए कुछ हरित क्षेत्रों के संरक्षण पर जोर दिया था, जो केवल ऊर्ध्वाधर विकास देख रहे थे। नवी मुंबई में भूमि 2003 और 2016 में खेल परिसर के लिए निर्धारित की गई थी, लेकिन योजना प्राधिकरण ने इसका एक हिस्सा आवासीय और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए एक निजी डेवलपर को आवंटित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान कहा था, सरकार बची हुई हरित जगहों पर घुसपैठ करती है और उन्हें बिल्डरों को दे देती है। सीजेआई ने आगे कहा, मुंबई और नवी मुंबई जैसे शहरों में बहुत कम हरित क्षेत्र बचे हैं। आपको उन्हें संरक्षित करना होगा और बिल्डरों को निर्माण, निर्माण, निर्माण और निर्माण करने के लिए नहीं देना होगा। पीठ को यह जानकर प्रथम दृष्टया आश्चर्य हुआ कि राज्य स्तरीय खेल परिसर के लिए बनाई गई भूमि को विकास के लिए आवंटित किया जा रहा था और प्रस्तावित सुविधाओं को रायगढ़ जिले में स्थानांतरित किया जाना था। पीठ ने आश्चर्य जताया कि खेल परिसर की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए 115 किलोमीटर की यात्रा कौन करेगा, जिससे कुछ वर्षों बाद उस भूमि का भी यही हश्र होने की आशंका है। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि नवी मुंबई में खेल परिसर के लिए बनाई गई भूमि का कोई हस्तांतरण नहीं होगा। जुलाई में, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने राज्य के निर्णय को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि खेलों ने लोगों और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोर्ट ने कहा था कि, यह सही समय है कि सरकार इसे व्यावसायीकरण और कंक्रीटीकरण मंत्र के बराबर महत्व दे। महाराष्ट्र सरकार का उपक्रम सिडको, जिसकी स्थापना 1970 में मुंबई के लिए एक उपग्रह शहर विकसित करने के लिए की गई थी, ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि जिस निजी बिल्डर को जमीन आवंटित की गई थी, वह रिफंड मांग सकता है। सिडको की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हाईकोर्ट जनहित याचिका पर फैसला सुनाते समय सरकारी जमीन बांटने का काम नहीं कर सकता। उच्च न्यायालय के फैसले को खारिज करने का आग्रह करते हुए जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश शहर नियोजन गतिविधियों को चलाने के लिए था, जो राज्य के अधिकार क्षेत्र में आता है।

## यूपी, पंजाब और केरल की उपचुनाव की तारीख बदली

नई दिल्ली, 4 नवंबर। चुनाव आयोग ने सोमवार को त्योहारों के मद्देनजर उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में विधानसभा उपचुनावों की तारीख बदल दी। अब यहां 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को मतदान होगा। उत्तर प्रदेश में नौ, पंजाब में चार और केरल में एक सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान होना है। नतीजे 23 नवंबर को ही आएंगे। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) सहित कई दलों ने विभिन्न त्योहारों के मद्देनजर आयोग से चुनावों की तारीख पुनर्निर्धारित करने का आग्रह किया था। उनका कहना था कि 13 नवंबर को चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है। कांग्रेस ने कहा था कि केरल की पलक्कड़ विधानसभा सीट पर बड़ी संख्या में मतदाता 13 से 15 नवंबर तक कल्पती रथोत्सवम का त्योहार मनाएंगे। पार्टी ने कहा था कि पंजाब में श्री गुरु नानक देव का 555वां प्रकाश पर्व 15 नवंबर को मनाया जाएगा और 13 नवंबर से अखंड पाठ का आयोजन किया जाएगा। भाजपा, बसपा और रालोद ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा से तीन-चार दिन पहले लोग यात्रा करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर को होगी। जिन सीटों के उपचुनाव की तारीखों में बदलाव किया गया है, उनमें केरल की पलक्कड़ सीट शामिल है। इसके अलावा पंजाब की डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल, गिद्दरबाहा और बरनाला विधानसभा सीट पर चुनाव की तारीख बदल दी गई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुंडरकी, गाजियाबाद, खैर, करहल, सीशामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझगवां में मतदान की तारीख में बदलाव किया गया है।

## वे पुरानी बातें दोहराते हैं, लोग उनसे बोर हो गए: प्रियंका गांधी

**कौमी संवाददाता**

वायनाड, 4 नवंबर। वायनाड लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने सोमवार को पीएम मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि वह पुरानी बातें दोहराते हैं। लोग उनसे बोर हो गए हैं। यही बात रविवार को राहुल गांधी ने भी कही थी कि पीएम मोदी के बारे में क्या बात करना? अब उनसे लोग बोर होने लगे हैं। इसे लेकर प्रियंका गांधी ने भी कहा कि पीएम जो बातें कह रहे हैं वह अब पुरानी होती जा रही हैं। प्रियंका ने कहा कि आप लोगों को बांटना और डर फैलाना जारी रख सकते हैं। मगर लोगों के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान न देना, यह साफ दिख रहा है। प्रियंका ने कहा कि मैंने यहां के लोगों से पूछा कि उनके मुख्य मुद्दे क्या हैं। मुझे वास्तव में लगता है कि यहां कृषि के लिए सही तरह के प्रोत्साहन के साथ खाद्य प्रसंस्करण और मार्केटिंग के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है। यहां की भूमि में अपार संभावनाएं हैं। जरा सोचिए कि क्या इन फसलों के विपणन और पैकेजिंग के लिए उचित सुविधाएं और अच्छी रणनीतियां हों और यहां उचित फूड पार्क हों ताक कितना फर्क पड़ेगा? प्रियंका गांधी ने कहा कि कृषि और खाद्य प्रसंस्करण पर जोर देने से यहां और भी ज्यादा प्रगति हो सकती है। इसके बजाय वायनाड के किसानों को फसलों की कीमतों में भारी गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। वे कर्ज लेने को मजबूर हैं और चुकाने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि यहां के लोग मुझे बहुत प्यार और स्नेह दे रहे हैं। मैं इसे महसूस कर रही हूं और उनको निराश नहीं करूंगी। प्रियंका गांधी ने रविवार वायनाड में अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत की है और उनके चुनावी कार्यक्रम के अनुसार वे 7 नवंबर तक केरल में रहेंगी।

## आगरा में वायु सेना का मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त

आगरा, 4 नवंबर। आगरा में सोमवार को वायु सेना का विमान मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और को-पायलट ने कूदकर जान बचाई। वायुसेना की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान तकनीकि खराबी आने से ये हादसा हुआ। इस पूरा हादसे की जांच कराई जाएगी। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद पायलट और उसके साथी दो किलोमीटर दूर मिले हैं। गनीमत रही कि पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को कागारौल के सोनिगा गांव के पास खाली खेतों में गिराया। यदि आबादी वाले हिस्से में विमान क्रैश होता तो बड़ी क्षति हो सकती थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह मिग-29 विमान था, जो पंजाब के आदमपुर से उड़ा था। फिलहाल घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ है। मौके पर पुलिस बल भी पहुंच गया है।

## बेईमान अधिकारियों का नाम करें नोट, सरकार आने पर देख लेंगे: शिवपाल यादव

अंबेडकरनगर, 4 नवंबर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में सोमवार को सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव पहुंचे। यहां उन्होंने उपचुनावों को लेकर सरकार को घेरा। कहा कि उपचुनाव में हार तय देख भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से मतदान को आगे बढ़वा दिया है। इसके बाद भी हम घोषी सीट की तरह ही कटेहरी का उपचुनाव भी जीतेंगे। कटेहरी पहुंचे पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने सबसे पहले राम बाबा में आयोजित सभा को संबोधित किया। उन्होंने पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं से एक जुट रहने का आवाह्न किया। कहा कि मैं सब पर पैनी नजर रख रहा हूं। मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं व आम लोगों को पुलिस प्रशासन से डरना नहीं है। वह बुलाएं तो जाना भी नहीं है। कहा कि बेईमानी पर उतारू अधिकारियों का नाम नोट कर लें। सरकार आने पर उन्हें देखा जाएगा। कहा कि बेईमान अधिकारियों को गिड़गिड़ाते और पैरों पर गिरते देखा है। प्रशासन पर प्रधानों, कर्मचारियों व प्रमुखों आदि को धमकाने का आरोप लगाया। कहा कि इस सबकी शिकायत चुनाव आयोग से हो रही है। इतनी शिकायत कर देना है कि बेईमान लोग जवाब देते देते थक जाएं। सपा महासचिव ने कहा कि मतदान के दिन कोई गड़बड़ी प्रशासन न करने पाए। इसलिए, हम जिले के सीमाओं के पास डटे रहेंगे। कोई भी गड़बड़ी होते ही जिले में घुस जाएंगे। उन्होंने कहा कि कटेहरी में भले ही मंत्रियों की फौज लगाई गई है। लेकिन, घोषी की तरह हमें यहां भी जीत मिलेगी। उन्होंने बाद में पहितीपुर में आयोजित सभा में कहा कि भाजपा को हार का डर है।

# हमने किसी भी सियासी दल या उम्मीदवार को नहीं दिया समर्थन: मनोज जरांगे

**सौरभ शर्मा**

मुंबई, 4 नवंबर। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के लिए करीब दो हफ्ते का ही समय शेष है। इस बीच, विभिन्न सियासी दलों के नेता और निर्दलीय उम्मीदवार जनता का समर्थन जुटाने के लिए मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के पास पहुंच रहे हैं। हालांकि, जरांगे ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी राजनीतिक दल या निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन नहीं दिया है। यही नहीं, जरांगे ने अपने कार्यकर्ताओं को आदेश दिया है कि मराठा आरक्षण आंदोलन की तरह से जिन लोगों ने भी नामांकन दाखिल किया था, वह अपना नाम वापस लें। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता ने कहा, एक समाज के बल पर हम चुनाव नहीं लड़ सकते। मुस्लिम और दलित नेताओं से हमने उम्मीदवारों की सूची मांगी थी। लेकिन वह नहीं मिल पाई। इसलिए हम इस चुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। उन्होंने कहा, राजनीति हमारा खानदानी पेशा है। हमने किसी भी दल या नेता को समर्थन नहीं दिया है। जो 400 पार का नारा देते थे, उनका क्या हाल हुआ, आपने देखा है। इसमे कोई शक नहीं है कि मराठा समुदाय का दबदबा कायम रहेगा। आप सभी को चुपचाप जाना है और वोट करके वापस आना है। मराठा समाज ने अपनी लाइन समझ ली है। राज्य विधानसभा की 288 सीटों के लिए 20 नवंब को एक चरण में मतदान होगा। मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी। आंदोलन की अगुवाई कर रहे मनोज जारांगे पाटिल मूलत- बीड जिले के रहने वाले हैं। मटोरी गांव में जन्मे मनोज ने 12वीं तक पढ़ाई की है। आजीविका के लिए बीड से जालना आ गए। यहां एक होटल में काम करते हुए उन्होंने सामाजिक कार्य शुरू किए। इसी दौरान शिवबा नामक संगठन की स्थापना की। मनोज 2011 से मराठा आरक्षण के आंदोलन में सक्रिय हैं। 2014 में उन्होंने छत्रपति संभाजीनगर में डिविजनल कमिश्नरेट के खिलाफ अपने मार्च से सभी का ध्यान खींचा था। 2015 से 2023 के बीच उन्होंने 30 से ज्यादा आंदोलन किये। 2021 में उन्होंने जालना जिले के साष्टा पिंपलगांव में 90 दिनों की हड़ताल की थी। बताया जाता है कि मनोज जरांगे की आर्थिक स्थिति खराब है, लेकिन उन्होंने खुद को मराठा समुदाय के लिए समर्पित कर दिया है। उनके पास चार एकड़ जमीन थी जिसमें से दो एक? जमीन उन्होंने मराठा समुदाय के आंदोलन के लिए बेच दी थी।

## राज्य की स्थिति बहाल करने की इच्छा मजबूत: उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

श्रीनगर, 4 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि विधानसभा चुनावों में उच्च मतदान प्रतिशत लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों के स्थायी विश्वास को दर्शाता है, लेकिन स्टेटहुड की बहाली की आकांक्षा अभी भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की पहली विधायी सभा के उद्घाटन सत्र में कहा, यह मुझे बहुत खुशी देता है कि मैं सभी नव निर्वाचित सदस्यों का स्वागत कर रहा हूं। हम एक दशक में पहली बार सफल और शांतिपूर्ण चुनावों के बाद यहां एकत्र हुए हैं। सिन्हा ने कहा कि यह चुनाव, जो आर्टिकल 370 के निरसन और जम्मू-कश्मीर को एक केंद्र शासित प्रदेश में पुनर्गठन के बाद हुए थे, लोकतांत्रिक शासन की बहाली में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। यह उच्च मतदान प्रतिशत, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां पहले पूर्ण भागीदारी नहीं हो पाई थी, दर्शाता है कि जम्मू-कश्मीर के लोग चुनावी भागीदारी को अपनी चिंताओं और आकांक्षाओं की आवाज उठाने के एक साधन के रूप में देखते हैं। जम्मू-कश्मीर के लोग अब सरकार से कई आशाएं और अपेक्षाएं रखते हैं, और सरकार पूरी तरह से इन उम्मीदों को साकार करने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने स्टेटहुड की बहाली की आकांक्षा को मजबूत बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार इस प्रतिबद्धता का इजहार किया है। सिन्हा ने यह भी कहा कि उनकी सरकार कश्मीरी पंडितों के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक वापसी के प्रयास करेगी और उन्हें उचित आवास उपलब्ध कराने के लिए ट्रांजिट आवास परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जाएगा।

# जगदंबिका पाल पर विपक्षी सदस्यों ने एकतरफा फैसलों का लगाया आरोप

**तेजिन्दर कौर बब्बर**

नई दिल्ली, 4 नवंबर। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति में शामिल तमाम विपक्षी सदस्यों ने समीति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर एकतरफा फैसले करने और पूरी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। जिसके बाद उन सभी के इस समिति से खुद को अलग करने का संकेत मिल रहे हैं। जानकारी के मुताबिक ये विपक्षी सांसद मंगलवार को इस मामले पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात करने वाले हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के नाम लिखे पत्र में यह दावा भी किया कि समिति की कार्यवाही में उनको अनसुना किया गया और ऐसे में वे इस समिति से खुद को अलग करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। ओम बिरला को लिखे अपने पत्र में विपक्षी सदस्यों ने प्रस्तावित कानून के खिलाफ आपत्तियों समेत अपनी चिंताओं का उल्लेख किया है। वहीं विपक्ष से जुड़े सूत्रों का कहना था कि विपक्षी सदस्य ओम बिरला से मिलकर उनको यह पत्र को सौंपेंगे। बता दें कि द्रमुक सांसद ए. राजा, कांग्रेस के मोहम्मद जावेद और इमरान मसूद, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह और तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी समेत विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष के नाम पत्र लिखा है। विपक्षी सांसदों ने भाजपा के अनुभवी सांसद जगदंबिका पाल पर आरोप लगाया कि समिति के अध्यक्ष ने बैठकों की तारीखें तय करने और समिति के समक्ष किसे बुलाया जाए, यह तय करने में एकतरफा निर्णय लिया है। उनका कहना है कि वे कभी-कभी समिति की तीन दिनों की लगातार बैठक बुला देते हैं। उन्होंने कहा कि सांसदों के लिए बिना तैयारी के अपनी बात रखना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अपने पत्र में, विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह करेंगे कि वह जगदंबिका पाल को समिति के सदस्यों के साथ औपचारिक परामर्श करने का निर्देश दें ताकि देश को भरोसा दिलाया जा सके कि समिति स्थापित संसदीय प्रक्रियाओं से विचलित हुए बिना और बिना किसी पूर्वाग्रह के तथा स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से काम कर रही है। इस पत्र आगे में कहा गया है, अन्यथा, हम विनम्रतापूर्वक निवेदन करते हैं कि हमें समिति से हमेशा के लिए अलग होने के लिए विवश किया जा सकता है क्योंकि हमें अनसुना किया गया है। विपक्षी सांसदों ने भी विधेयक के खिलाफ अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है और दावा किया है कि सरकार का कदम 1995 और 2013 के पहले के कानूनों को कम करने का एक प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक में मौजूदा अधिनियम में 100 से अधिक संशोधन का प्रस्ताव है जबकि सरकार का केवल 44 संशोधनों का दावा है। जमात-ए-इस्लामी हिंद समेत कई मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधि विधेयक पर अपनी राय रखने के लिए सोमवार को समिति के सामने उपस्थिति हुए। वहीं समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने इन आरोप को खारिज कर दिया है कि उन्होंने विपक्षी सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति नहीं दी।

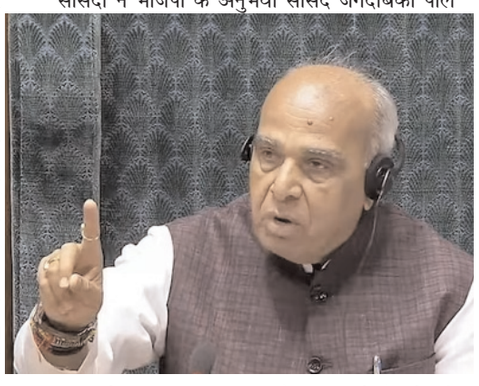

## इराक के मिलिशिया समूह ने इजरायल में तीन ड्रोन हमले करने का किया दावा

**एजेंसी**

**बगदाद।** इराक के शिया मिलिशिया समूह ने को इजरायली ठिकानों पर तीन ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली। समूह की ओर से जारी बयान के अनुसार समूह के लड़ाकों ने जॉर्डन घाटी में 'महत्वपूर्ण स्थलों' पर दो ड्रोन हमले किए, जो जॉर्डन की इजरायल और वेस्ट बैंक के साथ पश्चिमी सीमा से लगे हुए हैं, और तीसरा हमला कब्जे वाले गोलान हाइट्स में किया। बयानों में लक्षित स्थलों के बारे में या किसी हताहत की सूचना नहीं दी गई। समूह ने कहा कि हमले 'फिलिस्तीन और लेबनान में हमारे लोगों के साथ एकजुटता में' किए गए हैं। समूह ने 'दुश्मन के गढ़ों को तीव्र गति से लक्षित करते रहने' का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि 07 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी में इजरायल-फिलिस्तीन के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से, इराक में इस्लामिक प्रतिरोध ने गाजा में फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन दिखाने के लिए क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी ठिकानों पर बार-बार हमला किया है। तेईस सितंबर को लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ हमलों को तेज करने के बाद मिलिशिया ने इजरायल पर अपने हमले तेज कर दिए हैं।

## अफगानिस्तान के गैस फैक्ट्री में लगी आग

**काबुल।** अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिम में स्थित एक गैस फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। काबुल के पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता खालिद जादरान ने यह जानकारी दी। घटना पगमान जिले के काला-ए-हैदर खान इलाके में अपराह्न में घटित हुयी। श्री जादरान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, 'दमकलकर्मी इलाके में पहुंचे और काफी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। ' अंतिम सूचना मिलने तक आग लगने के कारण और किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं मिली है।

## चीन के गुआंग्डोंग में अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रदर्शनी का हुआ आगाज

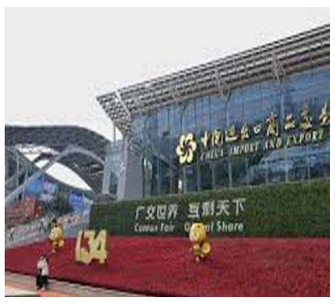


**गुआंगज़ौ।** दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के झुहाई में अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी शुरू हुई। इस प्रदर्शनी में देश और विदेश के उत्कृष्ट कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। आयोजकों के अनुसार, 19वीं चीन अंतरराष्ट्रीय फ़ोटोप्रदर्शनी में 123 देशों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 हजार से अधिक फ़ोटोग्राफ़रों की 276 चयनित कृतियाँ शामिल हैं। यह आयोजन चाइना फ़ोटोग्राफ़र एसोसिएशन, गुआंग्डोंग के साहित्यिक और कला मंडलों के संघ और झुहाई नगरपालिका सरकार के सहयोग से किया गया है, जो 16 फरवरी 2025 तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि यह प्रदर्शनी पहली बार 1981 में आयोजित की गयी थी।

## रूसी वायु रक्षा ने रोस्तोव क्षेत्र में यूक्रेन के 16 ड्रोन को किया नष्ट

**मॉस्को।** रूसी वायु रक्षा ने रोस्तोव क्षेत्र में यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 16 ड्रोनों को नष्ट कर दिया। गवर्नर वासिली गोलुबेव ने यह जानकारी दी। उन्होंने

टेलीग्राम पर कहा, 'वायु रक्षा बल दुश्मन के बड़े पैमाने पर हवाई हमले को नाकाम कर रहे हैं। फिलहाल रोस्तोव क्षेत्र के नोवोशाख्तिंस्क, कमेंस्क और उस्त-डोनेट्स्क जिले में 16 यूएवी नष्ट कर दिए गए हैं।' उन्होंने कहा कि हमले में कोई हताहत या क्षति नहीं हुई। सेना ने अपना काम कर रही है।

## ट्रूडो और विपक्षी नेताओं पर भड़के कनाडाई नेता, कहा- 'खालिस्तानियों' का नाम लेने से डर रहे 'कायर'

**एजेंसी**

**टोरंटो ।** पीपुल्स पार्टी ऑफ कनाडा (पीपीसी) के नेता मैक्सिम बर्निंयर ने ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिरों और भक्तों पर हाल ही में हुए हमले पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और विपक्षी नेताओं जगमीत सिंह और पियरे पोलीवरे की प्रतिक्रिया की आलोचना की।

बर्नियर ने आरोप लगाया कि नेताओं ने हमलावरों को 'खालिस्तानियों' के रूप में पहचानने से परहेज किया, क्योंकि उन्हें अपने वोटर बेस को बचाने की चिंता थी। एक्स पर बात करते हुए, बर्नियर ने पोस्ट किया,'क्या आप मेरे ट्वीट और तीन स्थापित पार्टी नेताओं के ट्वीट के बीच अंतर देख सकते हैं?' उन्होंने तीनों नेताओं की निंदा करते हुए उन्हें 'कायर' बताया। बर्नियर ने कहा, 'इनमें से कोई भी कायर उन खालिस्तानियों का नाम लेने की हिम्मत नहीं करता जो हिंसा कर रहे हैं। वे कुछ मतदाताओं को नाराज करने से डरते हैं, भले ही खालिस्तानी समर्थक सिख कनाडाई लोगों का अल्पसंख्यक वर्ग हैं। पीपीसी नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट पर स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कहा, यह आत्मसंतुष्टि

बताती है कि इस देश में खालिस्तानी चरमपंथ क्यों बढ़ता जा रहा है।' बर्नियर ने यह आलोचना ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के पास हुए हुए हमले को लेकर की। कथित तौर पर खालिस्तानी समूहों से जुड़े लोगों ने यहां भक्तों को निशाना बनाया था। मंदिर के बाहर पुलिस तैनात थी, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे पहले, बर्नियर ने कथित हमले का एक वीडियो एक्स पर भी शेयर किया। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'खालिस्तानी सिख ब्रैम्पटन हिंदू मंदिर में श्रद्धालुओं पर हमला कर रहे हैं। हालांकि चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि विविधता ही हमारी ताकत है!!!÷

## मंदिर पर हुए हमले को लेकर कनाडाई पत्रकार का फूटा गुस्सा, कहा- पुलिस ने खालिस्तानियों की मदद की

**एजेंसी**

**काठमा** कनाडा और भारत के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस बार हिंदू मंदिर पर हुए हमले को लेकर विवाद छिड़ गया है। कनाडाई पत्रकार डेनियल बोर्डमैन ने प्रशासन के स्थिति से निपटने के तरीके की निंदा करते हुए उन पर खालिस्तानी समूहों के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की आलोचना कर कहा कि वे केवल %बातें% कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में काम नहीं कर रहे हैं। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि अगर एक और साल तक वे पद पर बने रहे तो स्थिति और भी बदतर होगी। इसके अलावा, उन्होंने पुलिस पर भी निशाना साधा। कहा कि पुलिस की कार्रवाई बहुत ही घृणित थी और उन्होंने खालिस्तानियों की मदद की है। गौरतलब है, कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में एक हिंदू मंदिर में कथित तौर पर खालिस्तानियों ने श्रद्धालुओं को निशाना बनाया गया। रविवार को ये घटना हुई, जब एक समूह ने यहां पूजा पाठ के लिए आए लोगों पर हमला कर दिया था। इस घटना की जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, उसमें हिंदू सभा मंदिर के बाहर कुछ लोगों को लाठी-डंडों से हमला करते हुए देखा जा सकता है। इस घटना ने इलाके में तनाव बढ़ा दिया, जिसके कारण कनाडाई पुलिस को बड़ी संख्या में कर्मियों को तैनात करना पड़ा। बोर्डमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री ट्रूडो केवल बातें कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ट्रूडो के लगभग एक और वर्ष के लिए कार्यालय में होने पर स्थिति केवल बदतर होती जा रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई बहुत ही घृणित थी और उन्होंने खालिस्तानियों की मदद की है। हिंदुओं पर हमला किया गया। उन्होंने खालिस्तानियों को नहीं हटाया। खालिस्तानियों ने हिंदुओं पर उनके अपने मंदिर में हमला किया। बोर्डमैन ने दिन दहाड़े हुए हमले को लेकर कहा कि कनाडा में पहले भी धार्मिक स्थलों जैसे कि सभाओं और चर्चों को निशाना बनाया गया है, लेकिन हाल ही घटना हिंदू भक्तों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह इस देश में भक्तों पर पहला दिनदहाड़े हमला है। इस घटना को रोका जाना चाहिए था। पत्रकार ने कहा, %हम कनाडा में यह हर समय देखते हैं, जहां पुलिस यह फैसला लेती है कि वे उन लोगों पर कानून लागू करेंगे, जो इसे सुनने के लिए सबसे अधिक इच्छुक हैं। कनाडा सरकार का कोई भी हिस्सा, इसमें उनका पक्ष नहीं लेता है। उन्होंने हिंदू समुदाय के समर्थन में ठोस कार्रवाई की कमी के लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की आलोचना की। कहा, %जस्टिन ट्रूडो आधे समय तो बातें करते हैं। कभी-कभी वे खुलेआम आतंकवादियों का समर्थन करते हैं लेकिन कभी-कभी वे बातें करते हैं। लेकिन कभी-कभी वे अपने काम पर अमल नहीं करते।

## कमला हैरिस अगर चुनी गईं तो प्रवासियों, और अपराधियों के लिए खोल देंगी बॉर्डर : ट्रंप

**एजेंसी**

**नॉर्थ कैरोलिना (अमेरिका) ।** पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह निर्वाचित हुईं तो बॉर्डर को खोल देंगी, जिससे देश में प्रवासियों, गिरोहों और अपराधियों का आना शुरू हो जाएगा।रिपब्लिकन उम्मीदवार ने नॉर्थ कैरोलिना के किंस्टन में आयोजित एक रैली में यह बात कही।

ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट्स उम्मीदवार हैरिस के पास कोई दृष्टि, कोई विचार और कोई समाधान नहीं है। उन्होंने कहा, वह बस इतना ही कह सकती है, डोनाल्ड ट्रंप ने यह किया, डोनाल्ड ट्रंप ने वह किया। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, अगर वह कभी जीतीं, तो पहले दिन ही सीमा खोल देंगी। मुझे नहीं पता क्यों, कोई नहीं जानता क्यों। अगर मैं जीता, तो अमेरिकी लोग फिर से इस देश के शासक होंगे। कमला ने अपनी शपथ का उल्लंघन किया है, हमारी संप्रभु सीमा को मिटा दिया है, और दुनिया भर की जेलों, पागलखानों और मानसिक संस्थानों से गिरोहों और

आपराधिक प्रवासियों की एक सेना को मुक्त कर दिया है। ट्रंप ने श्रमिकों और छोटे व्यवसायों के लिए टैक्स में कटौती करने और सीनियर नागरिकों के लिए टिप्स, ओवरटाइम और सामाजिक सुरक्षा पर टैक्स खत्म करने का वादा किया। रिपब्लिकन उम्मीदवार ने प्रवासी अटैक को समाप्त करने और अमेरिका की संप्रभुता को बहाल करने की कसम खाई। ट्रंप ने कहा, जिस दिन मैं पद की शपथ लूंगा, प्रवासी अटैक समाप्त हो जाएगा और हमारे देश की बहाली शुरू हो जाएगी। मेरी योजना श्रमिकों और छोटे व्यवसायों के लिए टैक्स में भारी कटौती करने की है। टिप्स पर कोई टैक्स नहीं होगा, ओवरटाइम पर कोई टैक्स नहीं होगा और हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर कोई टैक्स नहीं होगा। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने वाले हैं, जिसमें डेमोक्रेट्स उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का मुकाबला पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से होगा। ट्रंप पिछले चुनाव में हार के बाद व्हाइट हाउस में वापसी की कोशिश में है, जबकि हैरिस अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर इतिहास रचने का लक्ष्य बना रही हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना कॉलेज द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वे में पता चला है कि हैरिस और ट्रंप को लोकप्रिय वोट में 48 फीसदी का बराबरी हासिल है।

## अमेरिकी बमवर्षक मध्य पूर्व में पहुंचा

**वाशिंगटन।** अमेरिकी बमवर्षक विमान बी-52 पश्चिम एशिया में पहुंच गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी है। इससे पहले अमेरिका के रक्षा विभाग कहा था कि अमेरिका ने पश्चिम एशिया में एक विध्वंसक, बमवर्षक और लड़ाकू विमान भेजे हैं। रक्षा विभाग ने कहा था कि ये बल आने वाले महीनों में इस क्षेत्र में पहुंचने लगेंगे, जबकि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में वाहक हमला समूह प्रस्थान करने की तैयार है।

सेंटकॉम ने एक्स पर कहा, मिनोट एयर फोर्स बेस के पांचवें बम विंग से बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस रणनीतिक बमवर्षक जिम्मेदारी वाले अमेरिकी सेंट्रल कमांड क्षेत्र में पहुंचे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि ईरान की ओर से किये जाने वाले हमले की स्थिति में वह इजरायल को जवाब देने से नहीं रोक पाएगा।

## छह महीने बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे चीनी अंतरिक्ष यात्री, कामयाब रहा चीन का मिशन शेनझोउ

**बीजिंग।** पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष केंद्र बना रहे चीन को अपने मिशन शेनझोउ 18 में बड़ी कामयाबी मिली है। चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना शेनझोउ-18 के तहत अंतरिक्ष में गए तीन अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए हैं। चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के मुताबिक चीन के अंतरिक्ष यान शेनझोउ -18 का कैप्सूल तीनों अंतरिक्ष यात्री कमांडर ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर बीजिंग समयानुसार सुबह 1.24 बजे उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया के डोंगफेंग में सुरक्षित उतरा। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक तीनों अंतरिक्ष यात्री 192 तक दिन तक निचली कक्षा में रहे और उसका शेनझोउ-18 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। इसके साथ ही मिशन के कमांडर ये गुआंगफू ने भी नया रिकॉर्ड कायम किया है। वह एक वर्ष से अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। इससे पहले वह अक्तूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक चीन के शेनोझोउ 13 मिशन में भी शामिल रहे चुके हैं।

अंतरिक्ष में गए एक और यात्री ली गुआंगसू ने बताया कि मिशन के दौरान उन्होंने दो प्रकार के पौधे उगाए। इसमें चेरी टमाटर और सलाद पत्ता शामिल रहे। उन्होंने भोजन के लिए कुछ सलाद पत्ते भी एकत्र किए थे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अंतरिक्ष में ताजी सब्जियां खाना एक वरदान है। हरे पौधों ने हमारे व्यस्त काम में भी हरियाली और खुशियां बिखेरीं। चीन ने अपने मानव युक्त मिशन शेनझोउ 18 को इस साल अप्रैल में लॉन्च किया था। इस मिशन के दौरान शेनझोउ-18 चालक दल ने वैज्ञानिक प्रयोग कैबिनेट और अतिरिक्त पेलोड का उपयोग सूक्ष्मगुरुत्व, अंतरिक्ष पदार्थ विज्ञान, अंतरिक्ष जीवन विज्ञान, अंतरिक्ष चिकित्सा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में बुनियादी भौतिकी के क्षेत्रों में दर्जनों प्रयोग करने के लिए किया। तीनों की तीन अन्य चीनी अंतरिक्ष यात्रियों ने मदद भी की। चीन हर छह महीने में अपने चालक दल को बदल देता है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर किए जाने के बाद चीन ने अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाया। इसका संचालन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी - चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा करती है। चीन के अंतरिक्ष केंद्र में दो रोबोटिक भुजाएं हैं। इसमें एक लंबी भुजा में अंतरिक्ष से उपग्रहों सहित अन्य वस्तुओं को पकड़ने की क्षमता है।

## श्री थानेदार का दावा- ट्रंप भारत और अमेरिका के लिए अच्छे नहीं; हेली बोलीं- हैरिस से बेहतर पूर्व राष्ट्रपति

**एजेंसी**

**ढाका।** अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में, डेमोक्रेटिक की ओर से कमला हैरिस और रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप चुनावी मैदान में हैं। दोनों ही उम्मीदवार आखिरी कुछ घंटों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं, इनके समर्थकों में भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। भारतीय अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की संभावनाओं के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप तानाशाह बनना चाहते हैं। साथ ही उनका सत्ता में आना भारत के साथ संबंधों के लिए अच्छा नहीं होगा। हालांकि, पूर्व राजदूत निक्की हेली ने रिपब्लिकन उम्मीदवार का पक्ष लिया। कहा कि हैरिस की तुलना में पूर्व राष्ट्रपति बेहतर विकल्प हैं। भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने पूर्व राष्ट्रपति द्वारा पिछले चुनाव परिणामों से इनकार करने और भारत-अमेरिका संबंधों पर उनके प्रतिबंधों के संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में भारतीय-अमेरिकी वोट के महत्व पर बात की, जबकि मिशिगन जैसे महत्वपूर्ण स्विंग राज्य में कमला हैरिस के लिए बढ़ते समर्थन का उल्लेख किया। 2016 के चुनावों के दौरान मिशिगन में ट्रंप की जीत ने इसे एक महत्वपूर्ण युद्ध का मैदान बना दिया। हम विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यक समूहों के बीच हैरिस की ओर झुकाव देख रहे हैं। ट्रंप ने इनमें से कई समूहों का अपमान किया है, जिसके कारण कुछ लोग पलायन कर रहे हैं।

उन्होंने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के भीतर विविधता पर प्रकाश डाला, जो आम तौर पर डेमोक्रेट झुकाव रखते हैं, सामाजिक, आर्थिक और आव्रजन मामलों पर अलग-अलग विचार रखते हैं। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के मतदान पैटर्न पर बोलते हुए, अमेरिकी सांसद ने कहा कि हालांकि समुदाय डेमोक्रेट की ओर झुकाव रखता है, लेकिन वे सामाजिक, आर्थिक और आव्रजन मुद्दों पर विभिन्न दृष्टिकोणों वाले एक विविध समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जबकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस लोकतंत्र समर्थक और महिला अधिकारों की समर्थक हैं। वहीं ट्रंप ने अप्रवासियों के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी की है और धनी कॉरपोरेट्स का पक्ष लिया है।

## ईरान ने मुस्लिम दुनिया में आतंकवाद और विभाजन के लिए अमेरिका के नीतियों को ठहराया जिम्मेदार

**एजेंसी**

**तेहरान।** ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मुख्य कमांडर होसैन सलामी ने मुस्लिम दुनिया में आतंकवाद और विभाजन के लिए अमेरिका के नीतियों को जिम्मेदार ठहराया हैं।श्री सलामी ने तेहरान में पूर्व अमेरिकी दूतावास के अधिग्रहण की 45वीं वर्षगांठ और 'वैश्विक अहंकार के खिलाफ लड़ाई के राष्ट्रीय दिवस' (जिसे राष्ट्रीय छात्र दिवस' के रूप में भी जाना जाता है।) के अवसर पर आयोजित रैली में कहा कि 'मुस्लिम दुनिया में तकफीरी (चरमपंथी) आतंकवाद और खूनी विभाजन की घटना' सभी अमेरिकी नीतियों के परिणाम है।

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार श्री सलामी ने अमेरिका को 'विरोधाभासी पहचान' के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि

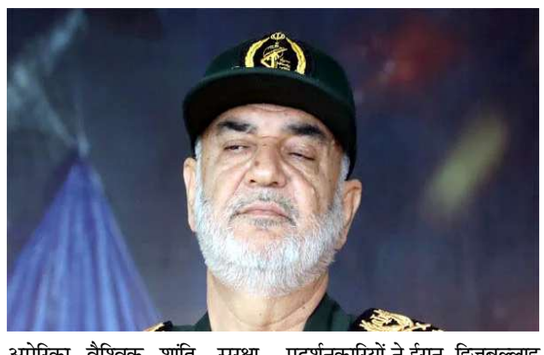

अमेरिका वैश्विक शांति, सुरक्षा और व्यवस्था की बात करता है, जबकि यह दुनिया में सभी 'अपराधों, नरसंहारों और कब्ज़ों' का स्रोत है।अमेरिका के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरे और पूर्व अमेरिकी दूतावास के परिसर तक मार्च निकाला तथा अमेरिका और इजरायल के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने ईरान, हिजबुल्लाह और फिलिस्तीन के झंडे लहराए, साथ ही ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और ईरान तथा क्षेत्रीय प्रतिरोध समूहों के मारे गए नेताओं तथा कमांडरों की तस्वीरें भी लहराई। रैली के अंत में प्रदर्शनकारियों ने ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हुए एक बयान जारी किया और गाजा तथा लेबनान में इजरायल के ÷अपराधों÷ की निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गाजा तथा लेबनान में युद्ध विराम की प्राप्ति की दिशा में काम करने का भी आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि फरवरी 1979 में ईरान की इस्लामी क्रांति की जीत के कुछ महीनों बाद, ईरानी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अमेरिकी दूतावास की इमारत पर कब्जा कर लिया था। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास पर इस्लामी गणराज्य को समाप्त करने की योजना बनाने और अमेरिकी सरकार के लिए जासूसी अड्डे के रूप में काम करने का आरोप लगाया था। तभी से ईरान हर साल राष्ट्रव्यापी रैलियां आयोजित करके अधिग्रहण का जश्न मनाता है।

## ब्रैम्पटन मंदिर हमले पर पीएम ट्रूडो ने कहा, कनाडा में हिंसा की घटनाएं अस्वीकार्य

**एजेंसी**

**ओटावा।** कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को ब्रैम्पटन के एक मंदिर में हिंदू श्रद्धालुओं पर हुए हमले की निंदा की। बताया गया कि इस हमले को खालिस्तानी समर्थकों ने अंजाम दिया है। ट्रूडो ने कहा कि देश में हिंसा अस्वीकार्य है। रविवार को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हमला किया गया, जिससे काफी रोष फैल गया।

प्रधानमंत्री ट्रूडो ने धार्मिक स्वतंत्रता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हर कनाडाई को अपनी आस्था का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा अस्वीकार्य है। हर कनाडाई को अपनी आस्था को स्वतंत्रता और सुरक्षा के साथ निभाने का हक है।÷

उन्होंने साथ ही पील रीजनल पुलिस का समुदाय की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई करने के लिए धन्यवाद किया। कनाडा के विपक्षी नेता पियरे पोइलिव्रे ने भी इस हमले

की निंदा करते हुए इसे पूरी तरह अस्वीकार्य÷बताया। पोइलिव्रे ने कहा कि कंजर्वेटिव पार्टी इस हमले की कड़ी निंदा करती है और वादा किया कि वह जनता को एकजुट करेंगे और इस अराजकता को खत्म करेंगे। पीपुल्स पार्टी ऑफ कनाडा के नेता मैक्सिम बर्निंयर ने भी सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि खालिस्तानी चरमपंथी हिंदू श्रद्धालुओं पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी की कि इससे डरने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि विविधता ही हमारी ताकत है। कनाडा के हिंदू फोरम ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की और प्रधानमंत्री ट्रूडो से खालिस्तानी चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

**कौमी पत्रिका**

**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
**मोबाइल नंबर :** 9312262300

**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## बॉर्डर के पास रूस ने तैनात किए 7,000 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिक : यूक्रेनी खुफिया एजेंसी

**एजेंसी**

**सोल।** रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास के इलाकों में एके-12 राइफलों, मोर्टार राउंड और अन्य हथियारों से लैस 7,000 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात किया है। यह दावा यूक्रेन की डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी ने किया है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया और पश्चिमी देशों ने चेतावनी दी है कि रूस में स्थित उत्तर कोरियाई सैनिक जल्द ही यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में उतर सकते हैं, जिससे यूरोप और हिंद-प्रशांत क्षेत्र दोनों के लिए बड़ा सुरक्षा खतरा पैदा हो जाएगा। यूक्रेन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईयू) ने कहा कि रूस ने पिछले सप्ताह रूस के तटीय क्षेत्र से 7,000 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिकों को यूक्रेन के निकटवर्ती क्षेत्रों में ट्रांसफर किया है।डीआईयू ने अपनी वेबसाइट पर कहा, रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज के कम से कम 28 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट

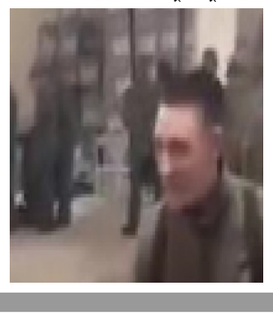

एयरक्राफ्ट की मदद से उत्तर कोरियाई सैनिकों को फ्रंटलाइन पर ले जाया गया। डीआईयू ने दावा किया कि मॉस्को ने उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूसी फायरआर्म से लैस किया है। इनमें 60 मिलीमीटर मोर्टार, एके-12 राइफल, मशीन गन, स्नाइपर राइफल, एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और एंटी-टैंक ग्रेनेड लांचर और नाइट विजन इक्विपमेंट शामिल हैं।डीआईयू ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक अब रूस के सुदूर पूर्व में पांच अलग-अलग जगहों पर ट्रेनिंग ले रहे हैं।साउथ कोरिया और कनाडा के रक्षा मंत्रियों ने रूस में नॉर्थ कोरिया की कथित सैन्य तैनाती की निंदा की। वहीं, ओटावा में द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून और उनके कनाडाई समकक्ष बिल ब्लेयर ने शुक्रवार (कनाडाई समय) को दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की पहली 'टू प्लस टू' बैठक के दौरान बातचीत की। द्विपक्षीय बैठक के दौरान, किम और ब्लेयर ने रूस में सैनिकों की तैनाती की कड़ी निंदा की और इसे संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का उल्लंघन और एक 'गैरकानूनी कृत्य' बताया, जो प्रायद्वीप और बाकी दुनिया की शांति के लिए खतरा है। उन्होंने इसके जवाब में वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

## नाइजीरिया में सेना ने 187 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया

**अबुजा।** नाइजीरिया की सेना ने पिछले सप्ताह देश भर में चलाये गये विभिन्न आतंकवाद विरोधी अभियानों में 187 से अधिक संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया और 262 अन्य को गिरफ्तार किया है। नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता एडवर्ड बूबा ने अबुजा में चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि 23 अक्टूबर से 29 अक्टूबर के बीच कुल 19 संदिग्ध आतंकवादियों ने अभियान के क्षेत्रों में सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कहा कि सेना ने अपने आतंकवाद विरोधी अभियानों में 'बड़ी सफलता' दर्ज की है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान उत्तर-पश्चिमी राज्य सोकोटो के एक गांव में कुख्यात आतंकवादी संदिग्ध अबूबकर इब्राहिम को गिरफ्तार किया गया, जिसे हाबू डोगो के नाम से भी जाना जाता है।

## पेपर व प्लास्टिक के रोल के गोदाम में लगी भीषण आग

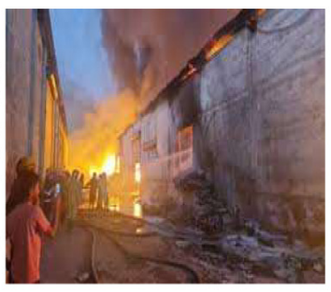

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अलीपुर इलाके स्थित पेपर व प्लास्टिक के रोल के गोदाम में शाम अचानक आग लग गई। खबर मिलते ही दमकल की 30 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। पेपर व प्लास्टिक होने के कारण आग तेजी से फैली। एहतियात के तौर पर आसपास की कई फैक्टरी व गोदाम को खाली करवा लिया गया। वहीं खबर लिखे जाने तक आग बुझाने का काम जारी है। दमकल विभाग के अनुसार, शाम करीब चार बजे सूचना मिली कि अलीपुर स्थित एक गोदाम में आग लग गई है। खबर मिलते ही दमकल की 30 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। पेपर व प्लास्टिक होने के कारण आग तेजी से फैली। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के हताहत होने या फंसे होने की सूचनना नहीं है। फिलहाल दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे हुए हैं।

## आतिशी सरकार प्रदूषण नियंत्रण और मार्शलों की भर्ती में विफल: देवेन्द्र यादव

**नई दिल्ली।** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री आतिशी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण में सहायक भूमिका निभाने के लिए सिविल डिफेंस वॉलियंटर की पुनः भर्ती लिए उपराज्यपाल द्वारा 24 अक्टूबर को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मार्शलों की भर्ती की अनुमति देने के बावजूद दिल्ली सरकार द्वारा 1 नवम्बर तक कोई कार्यवाही नही करना आतिशी सरकार की मार्शलों की भर्ती के प्रति लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मार्शलों की भर्ती पर राजनीति की भेंट चढ़ा दो दिवसीय विधानसभा सत्र में साझा सहमति के बावजूद भाजपा और आम आदमी पार्टी इसको राजनीतिक रूप से भुनाना चाहती है। चुनाव नजदीक आने के इंतजार में मुख्यमंत्री आतिशी उपराज्यपाल के आदेश की उपेक्षा कर मार्शलों की नियुक्ति को चुनावों में भुनाने की रणनीति के तहत भर्ती करना चाहती हैं। देवेन्द्र यादव ने आगे कहा कि निवर्तमान मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के एक ही आदेश ने नौकरी से निकाले गए 10 हजार से अधिक मार्शलों की पुनः नियुक्ति के लिए आतिशी सरकार इन्हें भर्ती करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। उन्होंने कहा कि जेल से बाहर आने पर केजरीवाल ने दावा किया था कि मैं मार्शलों की भर्ती करवाऊंगा लेकिन आतिशी भर्ती करने में संवेदनशील दिखाई नहीं देतीं।

## विश्वकर्मा दिवस पूजा समारोह में शामिल हुए केजरीवाल

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विश्वकर्मा दिवस पूजा के शुभ अवसर पर ट्रांसपोर्ट नगर में आयोजित विशेष समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर पगड़ी व फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया और उन्हें भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर भेंट की गई। अरविंद केजरीवाल ने सभी को विश्वकर्मा दिवस की बधाई दी और इस मौके पर उन्होंने दिल्ली की जनता से अपील की कि फरवरी में सरकार बना दो, सबके पानी के मौजूदा बिल माफ कर दूंगा और दोबारा जीरो बिल आने शुरू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरे जेल जाने के बाद इन लोगों ने सबके पानी के बिल गलत भिजवा दिए लेकिन आपको अपने गलत बिल भरने की जरूरत नहीं है। मैं नेता नहीं हूं, मुझे राजनीति करनी नहीं आती, सिर्फ ईमानदारी से काम करना आता है, इसलिए ये सारे मेरे पीछे पड़े रहते हैं। आगे उन्होंने कहा कि मैं भी मैकेनिकल इंजीनियर हूं। पहले जब मैं इनकम टैक्स ऑफिस में काम करता था, उससे पहले टाटा स्टील में काम करता था, उस दौरान इंजीनियर के तौर पर काम करने के दौरान हम भी कंपनी में हर साल विश्वकर्मा पूजा मनाया करते थे। मुझे वो पुराने दिन याद आते हैं। आज मैं आपके बीच तीसरी या चौथी बार आ रहा हूं।

## गंदे पानी से भरी बोतल लेकर सीएम आवास पहुंचीं सांसद स्वाति मालीवाल

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आआपा) की सांसद स्वाति मालीवाल दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के सरकारी आवास पर गंदे पानी से भरी बोतल लेकर पहुंचीं जिसे आवास के बाहर फेंक दिया। उनका दावा है कि यह गंदा पानी दिल्ली के लोगों के घरों में सप्लाई किया जा रहा है। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए मालीवाल ने कहा कि सागरपुर और द्वारका के लोगों ने मुझे बुलाया था। वहां के हालात बहुत खराब हैं। मैं वहां एक घर में गई और देखा कि वहां नल में काला पानी सप्लाई हो रहा है। मैंने उस काले पानी को एक बोतल में भरा और मैं उस पानी को यहां मुख्यमंत्री के आवास पर लेकर आई। 2015 से हम सुनते आ रहे हैं कि अगले साल सब ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वो काला पानी जो आज मैं यहां लेकर आई हूं, क्या ये काला पानी दिल्ली की जनता पिएगी। उन्हें कोई शर्म नहीं आती? मैंने मुख्यमंत्री को चेतावनी दी है कि यह तो बस एक नमूना था। अगर एक पखवाड़े के भीतर उन्होंने पूरी दिल्ली की जलापूर्ति ठीक नहीं की तो वह ऐसे ही पानी से भरा एक पूरा टैंकर भरकर ले आयेंगी। आगे उन्होंने कहा कि ये पानी उनके लिए छोड़कर जा रही हूं, वो चाहें तो इस पानी से नहाएं या इस पानी को पिएं या अपने पापों की शुद्धि करें।

# भाजपा नेता बीबी त्यागी ने थामा आप का दामन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पूर्वी दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बीबी त्यागी ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) का दामन थाम लिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दो बार के भाजपा से पार्षद, निगम में स्थाई समिति के अध्यक्ष और नेता सदन रह चुके बीबी त्यागी को आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता दिलाई। श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि बीबी त्यागी का आप परिवार में स्वागत है।

दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पार्टी मुख्यालय में श्री त्यागी को पार्टी की टोपी और पटका पहनाते हुए इसकी घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली आज एक तरफ काम करने और दूसरी तरफ काम रोकने की राजनीति देख रही है। उन्होंने कहा कि लोग चाहते हैं कि दिल्ली में अच्छे स्कूल, अस्पताल बने। श्री सिसोदिया ने कहा , ÷मैं बीबी त्यागी के काम और उनकी राजनीति को बहुत लंबे समय से देख रहा हूं।

वह जमीन से जुड़े हुए नेता हैं। जब मैं खुद पत्रकार था, तो इनके क्षेत्र में ही रहता था और देखता था कि वहां एक नेता के रूप में यह किस तरह काम करते थे। मेरा भी हमेशा मन था कि बीबी त्यागी जैसी राजनीति करते हैं, उसकी सही जगह आम आदमी पार्टी में ही है।

आप नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। पिछले कई दिनों से आम आदमी पार्टी परिवार में दिल्ली और दिल्ली के मुद्दों पर संघर्ष करने वाले कई बड़े-बड़े लोग शामिल हो रहे हैं। कुछ दिन पहले ब्रह्म सिंह तंवर पार्टी में शामिल हुए थे। उसी कड़ी में आज दिल्ली के प्रमुख चेहरे बीबी त्यागी आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

## गडकरी ने अल्मोड़ा बस दुर्घटना पर जताया शोक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तराखंड में अल्मोड़ा के मार्चुला में हुई बस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री गडकरी ने ट्वीट कर घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा अल्मोड़ा, उत्तराखंड में हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु होने का समाचार अत्यंत दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। गौरतलब है की अल्मोड़ा के निकट मारचुला में पौड़ी गढ़वाल के धूमाकोट से रामनगर जा रही जीएमओयू की एक बस अल्मोड़ा के निकट मारचुला में आज सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें कम से कम 36 यात्रियों के मारे जाने की खबर है। उत्तराखंड सरकार ने दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

## दिल्ली में कार चालक की गुंडागर्दी, दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को 20 मीटर तक बोनट पर घसीटा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक डरावनी तस्वीर सामने आई है। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में ड्यूटी के दौरान एक कार चालक ने ट्रैफिक पुलिस के दो अधिकारियों को टक्कर मार दी और करीब 20 मीटर तक कार के बोनट पर उन्हें घसीटता रहा। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक कार के बोनट पर दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी लटके हुए हैं और कार चालक तेज ड्राइविंग करते हुए उन्हें गिराने की कोशिश कर रहा है। घटना शनिवार 2 नवंबर की शाम को तकरीबन साढ़े सात बजे के आसपास की है। बताया जा रहा है कि यह घटना दिल्ली के बेर सराय रेड लाइट का है। दक्षिण

पश्चिम दिल्ली के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि दोनों पुलिस अधिकारियों की पहचान वसंत विहार ट्रैफिक सर्कल के सब इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह और हेड कांस्टेबल शैलेश चौहान के रूप में हुई है। दोनों ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित अधिकारियों ने बताया कि वो बेर सराय मार्केट के पास ट्रैफिक चालान कर रहे थे। तभी उस कार को रोकने का इशारा किया गया तो पहले कार रुकी लेकिन बाद में कार ड्राइवर उन्हें टक्कर मारकर तेजी से भागने लगा। कार सवार उन्हें 20 मीटर तक घसीटता चला गया। खबर के मुताबिक, कार वसन्त कुंज के रहने वाले जय भगवान के नाम रजिस्टर्ड है।

## युवक की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

**नई दिल्ली।** शाहदरा जिले के गांधी नगर में 20 साल के युवक की उसके दोस्तों ने गोली मारकर हत्या कर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि इस वारदात को अंजाम देने वाले दो लड़कों के नाम पता चल गए हैं। हमने पुलिस की एक टीम बनाई है और जल्द ही उसे पकड़ लेंगे। जानकारी के अनुसार, मामला शाहदरा जिले के गांधीनगर का है। बताया जा रहा है कि करीब 20 साल के लड़के सूफियान की तीन गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक सूफियान के पिता के मुताबिक, इस हत्या को उसके दोस्तों ने ही अंजाम दिया। घटनास्थल पर खाली कारतूस और चाकू बरामद हुई है। क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया है। पुलिस

ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हत्या में शामिल दो आरोपितों की पहचान हो गई है। गिरफ्तारी के लिए उनके ठिकाने पर छापेमारी की जा रही है। मृतक की पहचान 20 वर्षीय सुफियान के तौर पर हुई है। सुफियान गांधीनगर इलाके के सोनिया गांधी कैंप का रहने वाला था। मामले पर डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम ने बताया, आज शाम करीब 7:13 बजे हमें गांधी नगर इलाके में सूचना मिली कि एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है और गोली लगने से उसकी मौत हो गई है। मृतक ई-रिक्शा चलाता था और गांधी नगर की सोनिया गांधी कैंप झुग्गी में रहता था। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद इस वारदात को अंजाम देने वाले 2 लड़कों के नाम का पता चल गया है। हमने पुलिस टीम बनाई है और जल्द ही उन्हें पकड़ लेंगे. हमें मौके से 4 खाली कारतूस मिले हैं।

# बेअंत हत्याकांड : बब्बर खालसा सदस्य राजोआना को नहीं मिली राहत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य की करीब 29 साल पहले हुई हत्या के मामले में मौत की सजा पाए प्रतिबंधित बब्बर खालसा सदस्य 57 वर्षीय राजोआना को अंतरिम राहत देने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने करीब तीन दशकों से जेल में बंद राजोआना को राहत देने से मना कर दिया तथा इस मामले में पंजाब सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए और दो सप्ताह का समय दिया। राजोआना ने अपनी दया याचिका पर फैसला में अत्यधिक देरी के कारण अपनी सजा कम करने की शीर्ष अदालत से गुहार लगाई की थी। शीर्ष अदालत के समक्ष राजोआना की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह चौंकाने वाला मामला है, क्योंकि याचिकाकर्ता 29 साल से हिरासत में है। वह कभी जेल से बाहर नहीं आया। उन्होंने पीठ से गुहार लगाते हुए कहा,÷कृपया उसे (याचिकाकर्ता) कुछ अंतरिम राहत दी जाए। उसे देखने दिया जाए कि बाहर क्या

है। इस पर पीठ ने कहा कि इस स्तर पर कोई अंतरिम राहत नहीं दी जा सकती। पीठ ने पंजाब सरकार के वकील से पूछा कि क्या राज्य सरकार ने याचिका पर जवाब दाखिल किया है। इस पर वकील ने निर्देश के लिए समय मांगा। इसके बाद पीठ ने मामले को 18 नवंबर को सुनवाई के सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अंतरिम राहत की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले में निर्देश लेने की आवश्यकता है। श्री रोहतगी ने दलील देते हुए कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 का पूरी तरह से उल्लंघन है, क्योंकि उनकी दया याचिका 12 वर्षों से विचाराधीन है।शीर्ष अदालत ने सितंबर में इस मामले में नोटिस जारी किया था।

अदालत ने तीन मई 2023 को दया याचिका पर फैसला करने में 10 साल से अधिक की अत्यधिक देरी के कारण राजोआना की मौत की सजा को कम करने की याचिका को खारिज कर दी थी। तब अदालत ने कहा था कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर निर्णय लेना कार्यपालिका का अधिकार क्षेत्र है। पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह सहित 16 अन्य लोगों की 31 अगस्त 1995 को एक बम विस्फोट में मृत्यु हो गई थी, जबकि एक दर्जन अन्य घायल हो गए थे। इस मामले में याचिकाकर्ता राजोआना को 27 जनवरी 1996 को गिरफ्तार किया गया था। जिला अदालत ने 27 जुलाई 2007 को याचिकाकर्ता के साथ-साथ सह-आरोपी जगतार सिंह हवारा, गुरमीत सिंह, लखविंदर सिंह, शमशेर सिंह और नसीब सिंह को दोषी ठहराया था। याचिकाकर्ता के साथ-साथ सह-आरोपी जगतार सिंह हवारा को मौत की सजा सुनाई गई थी।उच्च न्यायालय ने 10 दिसंबर 2010 को याचिकाकर्ता की दोषसिद्धि और सजा की पुष्टि की थी।हालांकि, उच्च न्यायालय ने जगतार की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था।

## जानलेवा बीमारी से ग्रस्त बच्ची की जान बचाने के लिए सांसद संजय सिंह ने लोगों से की आर्थिक मदद की अपील

एजेंसी

**नई दिल्ली।** राज्यसभा सदस्य संजय सिंह देशभर में स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नामक जानलेवा बीमारी से ग्रसित कई छोटे बच्चों के इलाज में आर्थिक मदद के लिए अभियान चलाते रहे हैं। शनिवार को उन्होंने ऐसी ही 10 महीने की एक मासूम बच्ची जैसवी यादव की जिंदगी बचाने के लिए देशवासियों से मदद की गुहार लगाई।यह बच्ची भी एसएमए टाइप 1 की बीमारी से ग्रसित है। संजय सिंह ने कहा कि इस बच्ची को एसएमए टाइप 1 की गंभीर बीमारी है। अगर उसे इलाज नहीं मिला तो उसका जीवन दो साल से ज्यादा नहीं है। इस बीमारी के इलाज में लगने वाला इंजेक्शन सारी छूट के बावजूद 10 करोड़ रुपये का पड़ता है, जो एक सामान्य मांप-बाप के लिए दे पाना असंभव है। जैसवी के पिता प्रशांत यादव वायुसेना में एयरमैन हैं और देश की सेवा कर रहे हैं। हम देशवासियों की जिम्मेदारी है कि हम उनकी बच्ची को बचाने के लिए आगे आएं। संजय सिंह ने अपने सैलरी अकाउंट से जैसवी को 1 लाख रुपये देने की घोषणा करते हुए कहा कि यह राशि 30 तारीख के बाद निकाली जा सकती है, क्योंकि इस महीने की सैलरी मैंने एसएमए के दो बच्चों को दी है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि वह इन बच्चों के इलाज के लिए पीएम रिलीफ फंड से योजना बनाएं और दवा सस्ती करने के लिए अमेरिकी सरकार से भी बात करें। जैसवी के माता-पिता ने क्राउड फंडिंग के लिए इंपैक्ट गुरु नामक ऐप पर अकाउंट बनाया है। जहां जैसवी से जुड़ी सारी जानकारी दी गई है। जैसवी की मदद करने के लिए आरबीएल बैंक के अकाउंट नंबर 2223330002979391 में अपना सहयोग कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति इस अकाउंट में पैसे भेजकर जैसवी की जान बचाने में मदद कर सकता है।

## मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की बढ़ीं मुश्किलें

मैसूर, 4 नवंबर। लोकायुक्त पुलिस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुडा जमीन आवंटन मामले में पूछताछ के लिए छह नवंबर को तलब किया है। पिछले महीने 25 अक्तूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती बी.एम. से भी पूछताछ की गई थी। वह भी इस मामले में एक आरोपी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ लोकायुक्त अधिकारी ने बताया, हमने मुख्यमंत्री को बुधवार सुबह पेश होने के लिए कहा है। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और उनके भाई मंडल मल्लिकार्जुन स्वामी का नाम भी शामिल है। स्वामी ने एक भूखंड खरीदा था, जिसे उन्होंने पार्वती को उपहार में दिया था। इस मामले में अन्य लोगों के नाम भी प्राथमिकी में दर्ज किए गए हैं। प्राथमिकी 27 सितंबर को मैसूर के लोकायुक्त थान में दर्ज की गई थी। मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50ः50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50त्न के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया। सरकार द्वारा योजना को बंद करने के बाद भी मुडा ने 50ः50 योजना के तहत जमीनों का अधिग्रहण और आवंटन जारी रखा। सारा विवाद इसी से जुड़ा है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को इसी के तहत लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि मुख्यमंत्री की पत्नी की 3 एकड़ और 16 गुंटा भूमि मुडा द्वारा अधिग्रहित की गई। इसके बदले में एक महंगे इलाके में 14 साइटें आवंटित की गईं। मैसूर के बाहरी इलाके केसारे में यह जमीन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने 2010 में उपहार स्वरूप दी थी। आरोप है कि मुडा ने इस जमीन का अधिग्रहण किए बिना ही देवनूर तृतीय चरण की योजना विकसित कर दी। मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री की पार्वती ने आवेदन किया जिसके आधार पर, मुडा ने विजयनगर ढ्ढढ्ढ और ढ्ढङ्क फेज में 14 साइटें आवंटित कीं। यह आवंटन राज्य सरकार की 50ः50 अनुपात योजना के तहत कुल 38,284 वर्ग फीट का था। जिन 14 साइटों का आवंटन मुख्यमंत्री की पत्नी के नाम पर हुआ उसी में घोटाले के आरोप लग रहे हैं।


**NAME CHANGE**

I, RAHIL S/O VALI AHAMAD residing at HOUSE NUMBER-D 31 STREET NUMBER-3 SHASTRI PARK SEELAMPUR DELHI-110053 have changed my minor daughter name from TOOBA to TUBA for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, SANTOSH KUMAR S/o RAMANAND PRASAD residing at 1015/a2, Sri Sai Sadan Ward No. 7, S/F Pvt No. 6, Mehrauli, South Delhi, Delhi - 110030 have change the name of my minor Daughter's AVINYA aged 13 Years and she shall hereafter be known as AVINYA SINGH.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as Govind alias Rohit C/O Saro Devi R/O 4 ,Chotpur Behlotpur, VTC: Noida ,PO: Noida District: Gautam Buddha Nagar, State Uttar Pradesh,: 201301,have changed my name and shall hereafter be known as Govind

**PUBLIC NOTICE**

It is for general information that I Ashish Chauhan S/O Net Ram Chauhan,R/O H. NO. -BJ-75, EAST, SHALIMAR BAGH, SHALIMAR BAGH, North West Delhi, Delhi-110088,declare that name of mine and my father has been wrongly written as Ashish Kumar and Netram in my 10th,12,th and BA digree Roll No 3142169,and LLB degree Roll No RK 210640153009, Inrollment no M 21037054,The actual name of mine and my father are Ashish Chauhan and Net Ram Chauhan, which may be amended accordingly.

**सार्वजनिक सूचना**

मेरे मुवक्किल इंद्रपाल पुत्र श्री मामचंद मकान न. सी 4/7, गली न. -4, नजदीक माता मंदिर, गाँव दयालपुर करावल नगर, दिल्ली-110094 अपने पुत्र विनोद, व उसकी पत्नी पिंकी को उनके बुरे बर्ताव के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा है भविष्य में इनसे किसी लेन देन व काम से कोई लेना देना नहीं होगा।

**DR.RADHA PARIHAR & ASSOCIATES Advocate**
CHAMBER NO. D-603, KARKARDOOMA COURTS, DELHI-110032

**NAME CHANGE**

I ZAID CHAUHAN S/O ANSAR AHMED CHAUHAN R/O 6879 GALI MIYAN SAHAB WALI BERI WALA BAGH AZAD MARKET DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME FROM ZAID CHOUHAN TO ZAID CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES.

**PUBLIC NOTICE**

My client Ramakant Sharma S/o. Sh. Raja Ram Sharma R/o. D-49, JJR Camp Okhla-2, O.I.A., Delhi has disowned his son Gaurav Sharma @ Shalu and his wife Rashmi from all his movable/immovable properties because of their misbehaviour. My client has severed all his relations with his son Gaurav Sharma @Shalu and his wife Rashmi. my client shall not be responsible for any of his acts in future.

**R. V. SINGH & ASSOCIATES**
ADVOCATE
CHAMBER NO. 558, LAWYERS BLOCK. SAKET COURT COMPLEX, NEW DELHI-110017

**सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलगण श्री डालचंद पुत्र स्व. श्री कालूराम व श्रीमती सुनीता पत्नी श्री डालचंद निवासीगण S-74/140, हरिजन कैंप, खानपुर, नई दिल्ली, के पुत्र संदीप ने उनकी मर्जी के विरुद्ध नेहा से विवाह कर लिया है जिसके कारण मेरे मुवक्किलगण ने अपने पुत्र संदीप व उसकी पत्नी नेहा से उनके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के कारण अपने तमाम रिश्ते नाते विच्छेद कर लिए हैं तथा उन्हें अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे मुवक्किलगण का उपरोक्त संदीप व उसकी पत्नी नेहा से से कोई लेना देना अथवा सम्बन्ध नहीं है यदि कोई व्यक्ति संदीप व उसकी पत्नी नेहा से कोई लेन देन, करार या ये किसी प्रकार का कोई अपराधिक कार्य करते हैं तो उसके लिए वे स्वंय ज़िम्मेदार होंगे, मेरे मुवाक्लिगण व उनके परिवार के किसी भी सदस्य की किसी प्रकार की कोई ज़िम्मेदारी नहीं होगी।

**स्वर्ण सिंह अधिवक्ता**
CHAMBER No. 610 Lawyers Block, Saket Court New Delhi 110017

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as SURESH CHAND DEY alias PARESH CHANDRA DEY S/o UPENDRA NATH DEY residing at A-454, J. J. Colony, Madanpur Khaddar, Phase -2, Sarita Vihar, South Delhi, Delhi - 110076 have changed my name and shall hereafter be known as SURESH CHAND DEY.

**NAME CHANGE**

I,ALAUDDIN SARKAR S/O ABDUL AJIJ SARKAR, R/O 347, GALI NO.22, ZAKIR NAGAR, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025 declare that the name of mine MOHD ALAUDDIN my wife name SHABINA YASMEEN and my son MOHD SHAKIB SYHAB all the names mistakenly written in the school's record of my son's MOHD SAQIB SHIHAB SARKAR, The actual names are "ALAUDDIN SARKAR" "SABINA YASMIN" and "MOHD SAQIB SHIHAB SARKAR", which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**

It is for the general public information that my Client SATISH KUMAR S/O SH. KALI CHARAN R/O H-1, 3RD CROSS ROAD, ESI DISPENSARY, SAROJINI NAGAR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110023, has debarred, disown and break down all the relationship from his son namely DEEPAK KUMAR S/O SH. SATISH KUMAR and daughter-in-law namely POOJA WIFE OF DEEPAK KUMAR, from all our moveable and immoveable properties either self- acquired or ancestral situated all over India due to theirs misconduct, disobedience and misbehavior attitude. My client will not be responsible in future for his/her acts or deeds which was done by him.

**SUNIL KUMAR TOMER ADVOCATE**
CHAMBER NO.396, PATIALA HOUSE COURTS, NEW DELHI-110001

**NAME CHANGE**

I Khushi urooj tanveer d/o Mohammad Tanveer Qureshi r/o house number 1664 gali sayyadaan pahari bhola jama masjid delhi 6 have changed my name Khushi urooj to Khushi urooj tanveer for all future purposes

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as RASHMI DAR W/o VINAY KUMAR D/o SURAJ KUMAR DAR residing at Flat No. 304, Wing B, Vasundra Apartments, Plot No. 16, Dwarka Sector-6, South West Delhi, Delhi -110075 have changed my name and shall hereafter be known as RASHMI GUPTA.

**PUBLIC NOTICE**

It is to inform to the public at large that my client SH.NARESH KUMAR S/O DARIYAV SINGH, R/O GALI NO.21, H.NO.54A, GOPAL NAGAR VISTAR, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, his wife namely MEENA W/O NARESH KUMAR, R/O GALI NO.21, H.NO.54A, GOPAL NAGAR VISTAR, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, disowned/ debarred his/her son namely MR. VISHAL RATHOR S/O Sh. NARESH KUMAR R/O PLOT NO.54A, GALI NO.21,MD MARG, NEW GOPAL NAGAR, DELHI-110043 and his wife (Daughter-in-law) namely NISHA W/O-VISHAL RATHOR, D/O-SATISH KUMAR, R/O-SAMAR GOPALPUR(90), ROHTAK, HARYANA, 124514 in future they will not responsible for any act on behalf of Sh. VISHAL RATHOR AND NISHA Anyone dealing with them may do so at his/her own risk and consequences. Henceforth my client and his wife have no concern/relation with them in their life time now and they have no responsibility for their acts and omissions.

**VIPIN SEHRAWAT ADVOCATE**
CHAMBER NO.330, LAWYERS' CHAMBERS BLOCK DWARKA COURT-110075

**PUBLIC NOTICE**

My clients Nause Khan S/o Sh. Khuda Baksh and Marjina W/o Sh. Nause Khan both R/o 798, Arjun Camp, Mahipal Pur, New Delhi-110037, have disowned and debarred our son Aaftab and his wife Aamna from their all movable, immovable properties and have no relation with them in future. My client and other family members shall not responsible for their any Civil and Criminal Act and Deeds.

**Yudhister Singh ADVOCATE**
CH.NO.521, SAKET COURTS NEW DELHI-17

**सार्वजनिक सूचना**

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती वीना अरोड़ा, ग्राम-तिहाड़ और कॉलोनी के क्षेत्र में स्थित, खसरा नंबर 1569 में से 134 वर्ग गज़ क्षेत्रफल वाली संपत्ति संख्या बी-35 पर निर्मित, बिना छत और छत के फ्रीहोल्ड आवासीय ग्राउंड फ्लोर की मालिक हैं। माणक विहार, नई दिल्ली- 110018 के रूप में जाना जाता है, त्याग विलेख दस्तावेज़ संख्या 18727, बूल संख्या ड्ड, खंड संख्या 6664, पृष्ठ 93 के रूप में -96, 13.09.2021, दिनांक 13.09.2021 को विधिवत पंजीकृत उप-रजिस्ट्रार - आईआईबी, जनक पुरी, नई दिल्ली/दिल्ली को नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेज उपलब्ध नहीं है और स्वर्गीय देवी रानी अरोड़ा की एसएमसी उपलब्ध नहीं है, अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्रीमती रेनू गोस्वामी के नाम से बिकने जा रही है और समान संपत्ति पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- पीरागढ़ी, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारग्रस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

**Naveen Kumar Verma (advocate)**
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

**NAME CHANGE**

I, Ram Sagar Yadav, S/o Sh. Ram Surat Yadav, R/o H.No. C-345, Street No.2, West Karawal Nagar, North East Delhi-110094 that Ram Sagar Yadav is also known as Ram Sagar. That in all documents I known as Ram Sagar Yadav except in my 10th Class certificate my name is Ram Sagar. Kindly take in note that both the above said are the same person.

**COURT NOTICE**

**PROCLAIMATION REQUIRED ATTENDENCE OF DEFENDANTS (Order 5 Rule 20 of the Code of Civil Procedure) IN THE COURT OF MS. CHARU GUPTA JUDGE/MACT-01 S/E SAKET NEW DELHI**

**SUIT NO. 444/2020**

**REETA PATEL.... Petitioner/s**
**Vs.**
**HEM RAJ BHIL... ..Respondent/s**

To
BHARAT LAL PATEL VILLAGE AND POST LASA PS HANUMANA DIST REWA MP OWNER-MP-09-HH- 6634

Whereas (Petitioner) REETA PATEL has presented the, petition under the Motor Vehicles Act for grant of compensation on account of injuries/loss suffered in a motor vehicle accident, and whereas you are respondent No. 04 in the said case proceedings and whereas despite reasonable efforts and attempts for service, your presence could not be secured, as you are intentionally evading service of summons, it is hereby notified that the next date of hearing in the said proceedings is 12.11.2024. You are required to appear in the said proceedings in person, or through your representative, and in case of failure/default in appearance in the said proceedings on. 12.11.2024, the matter be proceeded ex-parte against you.

**(CHARU GUPTA)**
**PO-MACT-01,**
**SOUTH-EAST SAKET,**
**NEW DELHI**

## चातुर्मास साधुओं के साथ श्रावकों का भी है विशेष पर्व : कादियान

एजेंसी

**सोनीपत।** गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान ने पुरखास गांव स्थित जैन स्थानक में चातुर्मास के अवसर पर प्रवास कर रहे जैन मुनियों का आशीर्वाद लिया और इस दौरान तपस्या में लीन श्रद्धालुओं को सम्मानित भी किया। कादियान ने चातुर्मास के महत्व पर कहा कि यह केवल साधुओं का नहीं बल्कि श्रावकों का भी पर्व है, जिसमें श्रावक संयम और पुण्य का अर्जन करते हैं। जैन मुनि शिवेंद्र ने अपने प्रवचनों में बताया कि सत्संग के माध्यम से मनुष्य को आत्मिक शांति और पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि मृत्यु अटल सत्य है और इसके बावजूदमनुष्य अकसर अधर्म के रास्ते पर चल पड़ता है, जिसका परिणाम उसे भोगना पड़ता है। उन्होंने सभी को अच्छे कर्म करने की प्रेरणा दी ताकि मनुष्य जीवन का पूर्ण लाभ उठाया जा सके। सत्संग को उन्होंने रोगनाशक बताया, जिसमें भगवान के वचन होते हैं और मनुष्य के दुख दूर करते हैं। विधायक देवेंद्र कादियान ने जैन संतों से आशीर्वाद लेने को अपना सौभाग्य बताते हुए कहा कि जैन समाज का संदेश अहिंसा परमो धर्मः तथा जीओ और जीने दो का सिद्धांत सभी के लिए प्रेरणा है। संत समाज द्वारा नशा और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया जाता है, जो समाज सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर प्रमुख व्यक्ति हितेश मुनि, सरपंच प्रतिनिधि सुनील, प्रधान रोहताश बिजेंद्र राठी, सुरेंद्र राठी, जोगेंद्र,राजेश, विजय राठी, अमित राठी, राजेश पंच, कुलदीप, अमित, जोगेंद्र, महा सिंह आदि मौजूद रहे।

## जज बनी बेटी का उचाना कलां में हुआ स्वागत

**जींद।** हरियाणा में जज बनी उचाना कलां बेटी समीक्षा ग्रोवर का उचाना कलां के सर्वजातीय दादन् खाप के चबूतरे पर रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। गांव के लोगों द्वारा समीक्षा ग्रोवर को सम्मानित किया। बस स्टैंड से खुली जीप में ग्रामीण समीक्षा ग्रोवर को काफिले के साथ लेकर आए। नरवाना बाईपास, अंडरपास से होते हुए उचाना कलां चबूतरे पर काफिला पहुंचा। फूलों की बारिश से लोगों ने जज बनी बेटी का जोरदार स्वागत किया। चबूतरे पर पहुंचने से पहले समीक्षा ग्रोवर ने दादा खेड़ा पर पूजा अर्चना की। उचाना कलां के ग्रामीणों के अलावा आसपास के गांव के लोगों ने कार्यक्रम में पहुंच कर समीक्षा ग्रोवर को सम्मानित किया। समीक्षा के पिता होशियार, मां बिमला को भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन प्रसिद्ध कवि चंद्रपाल शर्मा ने किया। नपा प्रधान विकास काला, पूर्व प्रधान इंद्र सिंह श्योकंद के अलावा अन्य गांव के प्रमुख लोगों ने अलगअलग स्मृति चिन्ह देकर समीक्षा ग्रोवर को सम्मानित किया। प्रधान विकास काला से ग्रामीणों द्वारा लाइब्रेरी बनाने की मांग पर विकास काला ने कहा कि जल्द उचाना कलां में लड़के, लड़कियों के पढ़ने के लिए लाइब्रेरी बनवाई जाएगी। उस लाइब्रेरी की देखरेख भी वहां पढ़ाई करने आने वाले विद्यार्थी करेंगे।

## खुद भी सतर्क रहकर पुलिस का सहयोग करे आमजनः कुलदीप सिंह

**गुरुग्राम।** पुलिस-पब्लिक के बीच सामंजस्य बनाने, कानून व्यवस्था मजबूत करने को लेकर सेक्टर-5 थाना प्रभारी ने क्षेत्र के मौजिज लोगों के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान दिनेश वशिष्ठ ने की। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने हका कि अगर किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो सीधे 1930 फोन नम्बर डायल करें, जिससे आपको तुरंत पुलिस विभाग द्वारा मदद मिलेगी। पीड़ित के बैंक से लेनदेन तुरंत रोक दिया जाएगा। आप इस तरह से साइबर अपराध से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि खुद भी सतर्क रहकर आम नागरिक पुलिस का सहयोग करें। किसी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक अकाउंट व मोबाइल पर आए ओटीपी की जानकारी ना दें। साइबर अपराध से जानकारी ही बचाव है। पुष्कर राज शर्मा सेक्टर-5 ने कहा कि हम थाना प्रभारी कुलदीप सिंह व उनकी टीम का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने शीतला माता मंदिर के बाहर बैरिकेड लगवाए जिसकी वजह से दिवाली पर मंदिर के सामने जाम देखने को नही मिला। कुलदीप सिंह ने आए सभी लोगों से अपील की कि अपने अपने इलाके में किसी भी किरायेदार, घरेलू नौकर व ड्राइवर रखते समय पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाएं। अपने घर व गली में सीसीटीवी कैमरा जरूर लगवाएं। सभी मिलकर अपनी-अपनी गली में पूरे दिन के लिए चोकीदार रखें। गुरुग्राम को अपराध मुक्त बनाने में पुलिस की मदद करें।

## गुरुग्राम की तीनों मंडियों में 30 हजार 299 टन खरीदा जा चुका है बाजरा

**गुरुग्राम।** जिला की सोहना, पटौदी व फरूखगर मंडी में बाजरा की खरीद का कार्य सरकारी मानदंडों के अनुरूप किया जा रहा है। अब तक जिला में 32 हजार 569.1 मीट्रिक टन बाजरा 2625 रूपए प्रति क्विंटल की दर पर खरीदा जा चुका है। यह जानकारी जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने रविवार को दी। हरियाणा वेयरहाउस कार्पोरेशन ने फर्रूखनगर मंडी में 5870.5 मीट्रिक टन, सोहना मंडी में 6747.5 मीट्रिक टन तथा पटौदी मंडी में 19 हजार 951.1 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद हुई है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत 15 हजार 248 किसान बाजरा बेचने के लिए मंडियों में आ चुके हैं। खरीद के साथ-साथ फसल के उठान का कार्य भी नियमित रूप से किया जा रहा है। हरियाणा वेयरहाउस कार्पोरेशन ने फरूखनगर मंडी से 3600 मीट्रिक टन, सोहना मंडी से 5400 मीट्रिक टन और पटौदी मंडी से 19 हजार 318.35 मीट्रिक टन बाजरा लिफ्ट कर गोदामों में पहुंचा दिया है।

# पुस्तक मेले में सीएम नायब सिंह सैनी ने किया कर्मयोगी कृष्ण पुस्तक का विमोचन

एजेंसी

**पंचकूला।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में आयोजित तीसरे पुस्तक मेले के उद्घाटन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की जीवनी पर आधारित पुस्तक कर्मयोगी कृष्ण का विमोचन किया। इस पुस्तक का लेखन सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग हरियाणा में कार्यरत जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी कृष्ण कुमार आर्य ने किया है। मुख्यमंत्री ने इस कार्य के लिए लेखक को बधाई और ऐसी कृति की रचना के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने मेले में सभी पुस्तक स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारी मार्गदर्शक होती है और अच्छी पुस्तकें तो हमारे जीवन की धारा को भी बदल देती है। इसलिए सभी को पुस्तकों का स्वाध्याय नियमित तौर पर करना चाहिए। उनके साथ पुस्तक मेले के आयोजक एसईआईएए के चेयरमैन पी के दास, कालका की विधायक शक्ति

रानी शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजद थे। लेखक कृष्ण कुमार आर्य ने पुस्तक के विषय में बताया कि इस पुस्तक में श्रीकृष्ण की पूरी जीवनी को लिखा गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि जीवन का आधार कर्म है और कर्म की सिद्धि केवल कर्तव्य पालन के मार्ग से होकर ही गुजरती है। कर्महीन और कर्तृत्व्य विमुख व्यक्ति कभी धर्मात्मा नहीं हो सकता है। उनके इसी उपदेश को श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित नव संकलित पुस्तक 'कर्मयोगी कृष्ण' में सहेजा गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि तीनों लोकों में मेरे लिए कोई भी कर्म नियत नहीं है अर्थात् करने योग्य नही है, न मुझे किसी वस्तु का अभाव है और न ही आवश्यकता है, फिर भी निष्फल भाव से कर्म करता हूँ। इसी को आधार बनाकर लेखक ने इस पुस्तक की रचना की है। आर्य ने बताया कि पुस्तक में श्रीकृष्ण की जीवनशैली को प्रदर्शित करने के लिए विषय-वस्तु को 244 पृष्ठों पर ग्यारह अध्यायों में विभक्त किया गया है। इसमें लगभग 130 मंत्र, श्लोक एवं सूक्तियां तथा पुस्तक को समझने में सहायक आठ आलेख दिए हैं। पुस्तक का पहला अध्याय 'श्रीकृष्ण की वशांवली', दूसरे व तीसरे अध्याय में उनके बाल्यकाल की प्रमुख घटनाएं तथा अध्याय चार में गोपी प्रकरण व कंस वध का विवरण दिया है। पुस्तक के पाँचवें अध्याय में श्रीकृष्ण द्वारा महर्षि सांदीपनी एवं अन्य ऋषि आश्रमों में ग्रहण की गई।

## हरियाणा सरकार ने जिला ग्रीवेंस कमेटियों की जिम्मेदारी सौंपी, मुख्यमंत्री समेत कई मंत्रियों को विभिन्न जिलों का कार्यभार

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने जिला ग्रीवेंस कमेटियों के लिए नई अधिसूचना जारी की है, जिसके तहत मुख्यमंत्री और राज्य के कैबिनेट मंत्रियों को विभिन्न जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। इस अधिसूचना के अनुसार, मुख्यमंत्री नायब सैनी को गुरुग्राम जिले की ग्रीवेंस कमेटी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। कैबिनेट मंत्री अनिल विज को कैथल और सिरसा जिलों का कार्यभार सौंपा गया है, जबकि कृष्णलाल पंवर रोहतक और हिसार जिलों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

इसके अलावा, राव नरबीर सिंह को नुहं और फरीदाबाद जिलों में ग्रीवेंस कमेटी का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

अन्य मंत्रियों को दी गई जिम्मेदारियां निम्नलिखित हैं:

- **महिपाल ढांडा - भिवानी और जींद**
- **विपुल गोयल - रेवाड़ी और पंचकूला**
- **अरविंद शर्मा - महेंद्रगढ़**
- **श्याम सिंह राणा - चरखी दादरी और झज्जर**
- **रणबीर गंगवा - अंबाला और करनाल**
- **कृष्ण बेदी - यमुनानगर और पानीपत**
- श्रुति चौधरी - फतेहाबाद
- आरती राव - पलवल

इसके अलावा, राज्यमंत्री राजेश नागर को कुरुक्षेत्र जिले की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि गौरव गौतम सोनीपत जिले में ग्रीवेंस कमेटी का कार्यभार संभालेंगे।

सरकार का मानना है कि इन नियुक्तियों से जिलों में जनता की शिकायतों का निवारण और प्रशासनिक कार्यों का निष्पादन और भी प्रभावी तरीके से हो सकेगा।

## यमुनानगर में निरंकारी संत समागम की तैयारियां अंतिम चरण में, हजारों श्रद्धालुओं की होगी उपस्थिति

एजेंसी

**यमुनानगर।** निरंकारी सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज की पावन छत्रछाया मेंतेजली रोड पर ई.एस.आई. हॉस्पिटल के पीछे स्थित ग्राउंड में होने वाले निरंकारी समागम की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। इस कार्यक्रम में सतगुरु माता जी के साथ निरंकारी राजपिता रमित जी भी शामिल होंगे, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। समागम की तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए संयोजक बलदेव सिंह ने बताया कि आस-पास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इस समागम में श्रद्धालुओं की सभी प्रकार की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। विशाल पण्डाल का निर्माण किया जा रहा है, जहां श्रद्धालु एकत्र होकर सत्संग का आनंद ले सकेंगे। दूर बैठे श्रद्धालुओं के लिए बड़ी एल ई डी स्क्रीन की भी व्यवस्था की गई है।

इसके अतिरिक्त, श्रद्धालुओं के लिए विशाल लंगर स्थल तैयार किया

जा रहा है, जहां वे एक साथ बैठकर लंगर ग्रहण करेंगे। समागम स्थल पर पीने के पानी की व्यवस्था, कैंटीन, निरंकारी प्रकाशन, खोया-पाया कार्यालय, निःशुल्क डिस्पैंसरी और शौचालयों की सुविधा भी उपलब्ध होगी। तेजली रोड के बाहर एक भव्य प्रवेश द्वार भी तैयार किया गया है। इसके अलावा, जो भक्त प्रभु परमात्मा की जानकारी चाहते हैं, उनके लिए ब्रहमज्ञान कक्ष का भी निर्माण किया जा रहा है। समागम की सूचना को आमजन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग्स लगाए गए हैं और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन से समागम स्थल तक निःशुल्क गाड़ियों की व्यवस्था की गई है।

## पीजीआई कर्मचारियों ने जयहिंद सेना प्रमुख से लगाई मदद की गुहार, ठेकेदार पर वेतन नहीं देने का आरोप

एजेंसी

**रोहतक।** पीजीआईएमएस में अलग-अलग पदों पर कार्यरत सैकड़ों कच्चे कर्मचारी सेक्टर छह में जयहिंद सेना प्रमुख नवीन के पास पहुंचे और अपनी समस्या से अवगत कराते हुए मदद की गुहार लगाई। कर्मचारियों ने बताया कि सरकार ने हरियाणा में ठेका प्रथा बंद करने की घोषणा की हुई है और सरकार द्वारा अब एचकेआरएन के तहत सभी विभागों में भर्ती किया जा रहा है, लेकिन जिस कंपनी ने पीजीआई में ठेका लिया हुआ है उस कंपनी के द्वारा सैकड़ों कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि जयहिंद सेना प्रमुख नवीन को बताया कि एचकेआरएन के तहत कर्मचारियों को ज्यादा सैलरी दी जा रही है जबकि ठेकदार के द्वारा उन्हें कम सैलरी दी जा रही है, जिससे ठेकदार द्वारा करोड़ो रु का घोटाला किया जा रहा है और उनकी कई महीनों की सैलरी भी बकाया है, जो ठेकदार द्वारा नहीं दी

जा रही है। जयहिंद सेना प्रमुख ने कर्मचारियों को हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए 12 नवंबर तक सरकार को अल्टीमेटम दिया और कि अगर कर्मचारियों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जयहिंद सेना आंदोलन करने पर मजबूर होगी। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अपील की कि वह तुंरत इस मामले में संज्ञान लेते हुए कर्मचारियों की समस्या का समाधान करे। उन्होंने विपक्ष के नेताओं से भी कर्मचारियों की हितों के लिए आवाज उठाने की अपील की।

## मुख्यमंत्री नायब सैनी का डीएपी खाद की कमी पर बयान, कहा– प्रदेश में पर्याप्त खाद उपलब्ध

एजेंसी

**पंचकूला।** खाद की कमी को लेकर किसानों में मचे हड़कंप के बीच मुख्यमंत्री नायब सैनी ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों को पैनिक होने की जरूरत नहीं है, सरकार ने खाद की पर्याप्त व्यवस्था की है और इसे कभी कमी नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री ने पराली प्रबंधन पर भी सरकार की पहल को सराहा और बताया कि इस दिशा में महत्वपूर्ण काम किया गया है। मुख्यमंत्री सैनी ने पंजाब में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की बात कही और जल्द ही विधानसभा सत्र बुलाने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने युवाओं के रोजगार को लेकर भी बड़ा बयान दिया कि युवाओं को अब नौकरी के लिए किसी प्रकार की सिफारिश या खर्च की जरूरत नहीं है। प्रदेश में नौकरियों में पारदर्शिता का आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिफारिश और भ्रष्टाचार का दौर खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से पंचकूला में आयोजित पुस्तक मेले में आने की भी अपील की और उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया।

# पंचकूला निगम के तीन पार्षद भाजपा में शामिल

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा में निकाय चुनाव की हलचल शुरू हो गई है। प्रदेश में नगर निगम चुनाव के ऐलान से पहले पंचकूला में एक राजनीतिक घटनाक्रम में नगर निगम के तीन पार्षदों ने मुख्यमंत्री नायब सैनी की मौजूदगी में भाजपा का दामन थाम लिया। इनमें एक पार्षद ने निर्दलीय तो एक ने जननायक जनता पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ा था। इसके अलावा एक अन्य पार्षद ने भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ा था। हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता की मौजूदगी में चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचीं पंचकूला नगर निगम की निर्दलीय पार्षद ओमवती पुनिया एवं जजपा से चुनाव लड़कर जीते पार्षद सुशील गर्ग ने भाजपा में अपनी आस्था व्यक्त की। इसके अलावा पार्षद सुनीत सिंगला ने भी मुख्यमंत्री की मौजूदगी में घर वापसी की। मुख्यमंत्री ने तीनों पार्षदों को पार्टी का पटका पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। इस मौके पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता के अलावा पंचकूला के महापौर कुलभूषण

गोयल, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ताओं को पार्टी में पूरा मान और सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के दम पर ही पार्टी लगातार चुनाव जीतती आ रही है। हरियाणा में कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही तीसरी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तीनों पार्षदों को भरोसा देते हुए कहा कि आप लोगों को पार्टी में पूरा मान और सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हरियाणा का सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित होकर कर रही है। भाजपा में शामिल हुई पार्षद ओमवती पूनिया और सुशील गर्ग और सुनीत सिंगला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। उन्होंने मुख्यमंत्री सैनी को विश्वास दिलाते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। पार्षदों ने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो बिना भेदभाव के विकास के काम कर रही है। जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि मोदी और नायब सैनी सरकार में युवा, किसान, मजदूर, व्यापारी, श्रमिक, गृहणी, कर्मचारी सहित सभी वर्गों के हित पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं।

**हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता की मौजूदगी में चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचीं पंचकूला नगर निगम की निर्दलीय पार्षद ओमवती पुनिया एवं जजपा से चुनाव लड़कर जीते पार्षद सुशील गर्ग ने भाजपा में अपनी आस्था व्यक्त की।**

# कांग्रेसियों को सपने में नजर आते हैं सीएम सैनी : देवेंद्र अत्री

एजेंसी

**जींद।** भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कार्यकर्ताओं के यहां आयोजित कार्यक्रमों में शिकरत की। पत्रकार वार्ता में अत्री ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को सपने में भी सीएम नायब सिंह सैनी नजर आते है। प्रदेश की जनता ने नायब सिंह सैनी की अगुवाई में हुए चुनाव में भाजपा को बहुमत देने का काम किया। विधानसभा चुनाव में मिली हार से कांग्रेस के नेता सदमे में है। कांग्रेस के नेताओं को सपने में नायब सिंह सैनी आते है इसलिए तरह.तरह के बयान उनको लेकर कांग्रेस के नेता दे रहे है। प्रदेश की जनता इस बात को जानती है कि प्रदेश के हितों को कोई सर्वोपरि रख सकता हैए बिना पर्ची.खर्ची के कोई नौकरी दे सकता हैए बिना भेदभाव के विकास कोई करवा सकता है तो वो सीएम नायब सिंह सैनी की अगुवाई वाली भाजपा सरकार में संभव है।

उन्होंने कहा कि उचाना को विकसित उचाना की सोच के तहत विकास के मामले में आगे लेकर

जाएंगे। हलके की जनता से किए हर वायदे को वो पूरा करने का काम करेंगे। सभी के सहयोग से उचाना को विकसित उचाना बनाएंगे। गांव में बिना भेदभाव के विकास कार्य तेजी से करवाए जाएंगे। उचाना से नाम तो बड़े रहे लेकिन उचाना के लिए किया कुछ नहीं। जो लोग चुनाव के बाद दिल्लीए चंडीगढ़ बैठ जाते थे उन्हें उचाना के मतदाताओं ने स्थाई रूप से चंडीगढ़, दिल्ली बैठा दिया है। लोगों के बीच रहने वाले साधारण परिवार के युवा को विधानसभा भेजने का काम मतदाताओं ने किया है।

## परचून की दुकान में लगी आग, सांसद जांगड़ा ने लिया नुकसान का जायजा

एजेंसी

**रोहतक।** महम में पुरानी सब्जी मंडी स्थित एक तीन मंजिला बनी परचून की दुकान में शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। रविवार को राज्यसभा सदस्य रामचन्द्र जांगड़ा ने मौके पर नुकसान का जायजा लिया औरपीड़ित का सरकार से मदद का भरोसा दिया। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

दुकान मालिक संजीव अग्रवाल ने बताया कि उसकी पुरानी सब्जी मंडी में परूचून की दुकान है। रविवार देर रात को अचानक दुकान में आग लग गई, जिसके कारण दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। साथ ही दुकान की बिल्डिंग को भी नुकसान हुआ है। पीड़ित दुकानदार से सरकार व प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। घटना की जानकारी मिलने पर सोमवार सुबह राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा व आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। सांसद ने पीड़ित दुकानदार को सरकार से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

# भाजपा ने कभी जातिवाद की राजनीति नहीं की : बड़ौली

एजेंसी

**सोनीपत।** प्रदेश में हरियाणा एक, हरियाणवी एक की सोच के साथ भाजपा सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने डूम समाज केप्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास की नीति पर आगे बढ़ रही है, जिससे समाज के सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। बड़ौली ने बताया कि भाजपा सरकार हर व्यक्ति को उसकी पात्रता के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ दे रही है, चाहे वह किसी भी जाति का हो। जात-पात से ऊपर उठकर लोगों के विकास में सकारात्मक योगदान देना ही एक अच्छे राजनेता की पहचान है। डूम समाज के लोगों ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से मिलकर ज्ञापन सौंपा। बड़ौली ने उन्हें डूम समाज के प्रति की गई टिप्पणी के संदर्भ में पूरी स्पष्टता से समझाया, जिसके बाद प्रतिनिधि संतुष्ट दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि

मुख्यमंत्री नायब सैनी का उद्देश्य जातिग राजनीति से ऊपर उठकर सभी को साथ लेकर विकास के पथ पर आगे बढ़ना है। प्रदेशाध्यक्ष ने आगे कहा कि आज हरियाणा में भाजपा सरकार की नीतियों का असर स्पष्ट दिख रहा है। हर वर्ग के लोग सरकार की कार्यशैली से संतुष्ट हैं और राज्य के विकास में योगदान देनाचाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के इतिहास में एक मिसाल कायम की है, जिससे तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी। युवाओं को बिना किसी खर्च या सिफारिश के उनकी योग्यता के आधार पर नौकरी मिल रही है, जिससे गरीब परिवार के बच्चे भी सरकारी नौकरी पा सकते हैं और अपने परिवार को बेहतर जीवन दे सकते हैं।

# गंदगी साफ करने के 100 दिन के लक्ष्य में से 25 दिन घटे पर नहीं हुई सफाई

एजेंसी

**गुरुग्राम।** गुरुग्राम में 100 दिन में शहर को गंदगी मुक्त करने का दावा नवनिर्वाचित विधायक ने किया था। अब तक 100 दिन में से 25 दिन घट चुके हैं। इन 25 दिनों में कुछ बदलाव नजर नहीं आया। हालत यह रही कि हर बार की तरह से इस बार भी गुरुग्राम वासियों ने कूड़े के ढेरों पर ही दिवाली मनाई। समाजसेवी माईकल सैनी ने सरकार, प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सफाई व्यवस्था को लेकर इस तरह से सवाल उठाए हैं। माईकल सैनी ने कहा कि कई साल से गुरुग्राम के लोग गंदगी के बीच जी रहे हैं। जिधर नजर दौड़ाओ वहीं पर गंदगी के ढेर नजर आते हैं। हर गली, हर मुहल्ले, हर कालोनी, हर सेक्टर में सफाई व्यवस्था के नाम पर दिखावा हो रहा है। घरों से गंदगी नहीं उठाई जा रही है। गंदगी उठाने के नाम पर लोगों से वसूली जरूर हो रही है। इस पर ना तो सरकार ही गंभीर नजर आ रही है और ना ही नगर निगम प्रशासन। जिस मुख्यमंत्री ने सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को लताड़ लगाई थी। अगले सप्ताह सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने की बात कही थी, वे भी अपने इस कथन को भूल गए हैं। माईकल सैनी ने कहा कि सरकार की उदासीनता के कारण ही अधिकारी बेलगाम हो रहे हैं। शायद उन्हें लगता है कि सरकार उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। अगर जरा सा भी डर अधिकारियों में होता तो मुख्यमंत्री के कहने के बाद सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई होती। गुड़ग़ांव से भाजपा के विधायक चुने गए मुकेश शर्मा ने 100 दिन में सफाई व्यवस्था सुधारने का दावा किया था, अब 100 दिन में से 25 दिन बीत चुके हैं। इन 25 दिनों में सफाई कहीं नजर नहीं आई। माईकल सैनी ने कहा कि सफाई के साथ-साथ टूटी सड़कों पर भी खानापूर्ति की जा रही है। कहीं कहीं तो सड़कें बनाई ही नहीं जा रही। सेक्टर-10 चौक से गाड़ौली गांव होते हुए द्वारका एक्सप्रेस-वे तक सड़क का बुरा हालत है। गहरे गड्ढे हैं। एक तरफ की सड़क से तो लोगों ने आना-जाना ही छोड़ दिया है। करीब एक साल पहले नगर निगम ने बजट पास होने की बात कही थी। थोड़ा सा टुकड़ा बनाकर दिखा दिया गया। उन्हें अंदेशा है कि कहीं पूरी सड़क बनाने

### NAME CHANGE

It is for general information that I, SUBHASH CHANDER MADHOK S/o BISHAMBER NATH MADHOK residing at House No. - 36B, Professor Colony, Balsamand Road, Hisar Haryana - 125001 declare that the name of mine and my Father have been wrongly written as SUBHASH CHANDER and BISHAMBER DASS in my PAN Card No. - AAKPC4047P. The actual name of mine and my Father are SUBHASH CHANDER MADHOK and BISHAMBER NATH MADHOK respectively, which may be amended accordingly.

## विदेशी मुद्रा भंडार 3.5 अरब डॉलर गिरकर 684.8 अरब डॉलर पर

**मुंबई।** विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 25 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.5 अरब डॉलर गिरकर 684.8 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.2 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 688.3 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 25 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.5 अरब डॉलर की भारी गिरावट के साथ 593.8 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.1 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 68.5 अरब डॉलर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 5.2 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह कम होकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 90 लाख डॉलर की गिरावट रही और यह घटकर 4.3 अरब डॉलर पर आ गई।

## सरसों तेल महंगा

**नयी दिल्ली।** विदेशी बाजारों की जबरदस्त तेजी के प्रभाव और स्थानीय स्तर पर त्योहारी मांग जारी रहने की बदौलत बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेल महंगा हो गया वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवंबर वायदा सप्ताहांत पर 338 रिंगिट उछलकर 4968 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह नवंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.33 सेंट की तेजी के साथ 46.26 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल 292 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और ये पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 14358 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15018 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 12454 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15677 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। दाल-दलहनः बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर चना 7550-7650, दाल चना 8550-8650, मसूर काली 7650-7750, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10700-10800, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रही।

## यूट्यूबर 'नट्टी' इंडोनेशिया में गिरफ्तार, 6 हजार लोगों को 5.9 करोड़ डॉलर का चूना लगाने का आरोप

**नई दिल्ली।** दो साल से अधिक समय तक फरार रहने के बाद, 'नट्टी' नाम से प्रसिद्ध थाई यूट्यूबर नत्थामोन खोंगचक को इंडोनेशिया में गिरफ्तार कर लिया गया है। नट्टी और उसकी मां थानिया खोंगचक के खिलाफ वित्तीय घोटाले के सिलसिले में थाईलैंड में कई गिरफ्तारी वारंट जारी थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 31 वर्षीय नट्टी और उसकी मां को इंडोनेशिया के रियाउ प्रांत के दुमई शहर में 18 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था। ये दोनों जुलाई 2022 से फरार थे। नट्टी ने अपने यूट्यूब चैनल, नट्टीज डायरी से लोकप्रियता हासिल की थी, जहां पहले वह अपने नृत्य और गायन प्रतिभा का प्रदर्शन करती थी। बैंकॉक पोस्ट के अनुसार, उसके 8 लाख से से अधिक ग्राहक थे, जिसका फायदा उठाकर वह निवेश गुरु गुरु बन गई। द साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, यूट्यूबर ने जुलाई 2022 में एक विदेशी मुद्रा निवेश योजना की शुरुआत की। इस योजना में उसने अपने ग्राहकों को मासिक लाभ वितरण के साथ तीन महीने में 25% छह महीने में 30% और एक साल में 35फीसदी का उच्च रिटर्न देने का वादा किया था। हालांकि, निवेशकों को वादा किए गए रिटर्न नहीं मिले और वह अपनी मां और सचिव निचापत रत्तनुक्रोम के साथ देश छोड़कर भाग गई। उनके विदेशी मुद्रा व्यापार कार्यक्रम में 6,000 से अधिक निवेशकों ने लगभग 2 बिलियन बाट, यानि लगभग 5.9 करोड़ डॉलर गंवा दिए, और उन्हें कभी भी अपना पैसा वापस नहीं मिला।

## बेंगलूरु के दो लोगों से साइबर जालसाजों ने 95 लाख रुपये का चूना लगाया

**नई दिल्ली।** दो लोगों ने बेंगलूरु पुलिस से शिकायत की है कि दो शीर्ष कारोबारियों के कथित फर्जी वीडियो का शिकार होकर उन्होंने साइबर जालसाजों के हाथों सामूहिक रूप से करीब 95 लाख रुपये गंवा दिए हैं। उन्होंने सोमवार को बताया कि दोनों मामलों में शिकायतकर्ताओं ने कथित वीडियो की प्रामाणिकता की जांच नहीं की और कुछ संदिग्ध लिंक पर क्लिक कर दिया, जिससे वे जालसाजों की ओर से बनाई गई फर्जी वेबसाइटों पर पहुंच गए, जिनका उद्देश्य लोगों को ठगना और उनसे अधिक रिटर्न का वादा करके पैसों की ठगी करना है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में निवेश करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि इंफोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की मौजूदगी वाले कथित वीडियो का इस्तेमाल उन्हें संदिग्ध लिंक पर ले जाने के लिए किया गया और बिना किसी जांच-पड़ताल के उन्होंने निवेश करना शुरू कर दिया।

# अगले सप्ताह स्विगी समेत 5 आईपीओ की लॉन्चिंग, एफकॉन्स के शेयर की भी होगी लिस्टिंग

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान 5 कंपनियां अपने आईपीओ के जरिए प्राइमरी मार्केट में दस्तक देने जा रही हैं। इनमें 4 कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि 1 कंपनी एसएमई सेगमेंट की है। मेनबोर्ड सेगमेंट की कंपनियों में स्विगी, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस, एसीएमई सोलर होल्डिंग्स और सैगिलिटी इंडिया के नाम शामिल हैं। इसके अलावा इसी सप्ताह मेनबोर्ड सेगमेंट की कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर की लिस्टिंग भी बीएसई और एनएसई पर होने वाली है। इस सप्ताह सबसे पहले सैगिलिटी इंडिया का 2,106.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 5 से 7 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। आईपीओ के तहत इसका प्राइस बैंड 28 से 30 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 500 शेयर का है। सैगिलिटी इंडिया के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी तरह एसीएमई सोलर होल्डिंग्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 6 नवंबर को ओपन होगा और 8 नवंबर




को इसकी क्लोजिंग होगी। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स अपने आईपीओ के जरिए 2,900 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। आईपीओ के तहत इसका प्राइस बैंड 275 से 289 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 51 शेयर का है। कंपनी के शेयर 13 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।6 नवंबर को ही ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 8 नवंबर को इसकी क्लोजिंग होगी। इस आईपीओ के जरिए स्विगी प्राइमरी मार्केट से 11,327.43 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। आईपीओ के तहत इसका प्राइस बैंड 371 से 390 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का है। कंपनी के शेयर 13 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी तरह निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी का 2,200 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 नवंबर को ओपन होने वाला है।

## पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल




डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.10 प्रतिशत चढ़कर 69.33 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72.94 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

# सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने जीईएम पोर्टल पर 170 नई बीज श्रेणियां लॉन्च कीं

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने जीईएम पोर्टल पर 170 नई बीज श्रेणियां लॉन्च की है। इसके साथ ही अब जीईएम पोर्टल पर लगभग 8,000 बीज की किस्में उपलब्ध हो गई हैं। इन श्रेणियों को आगामी फसल सीजन से पहले लॉन्च किया गया है, ताकि केंद्र और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) और अन्य सरकारी एजेंसियों के लिए कुशल खरीद की सुविधा मिल सके। मुताबिक 8000 किस्मों के बीजों वाली 170 नई श्रेणियां अब जीईएम पर उपलब्ध हैं। विभिन्न राज्य बीज




जीईएम की डिप्टी सीईओ रोली खरे ने कहा कि विक्रेताओं को इन नई बीज श्रेणियों का लाभ उठाने और सरकारी निविदाओं में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए अपनी पेशकशों को सूचीबद्ध करने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य निकायों को लागत-प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बीज खरीद के लिए इन श्रेणियों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। खरे ने कहा कि इस पहल से पूरे भारत में बीज वितरण को अनुकूलित करने की उम्मीद है। वाणिज्य मंत्रालय के निगमों और अनुसंधान निकायों के साथ गहन परामर्श के बाद श्रेणियाँ बनाई गई हैं। बीज नियंत्रण ऑडिट द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बीज गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं। यह बीज खरीद के लिए तैयार रूपरेखा तहत है, जिसमें भारत सरकार के निर्धारित विनियमों और नियमों को शामिल किया गया है। https://mkp.gem.gov.in/browse_nodes/browse_list#!/categories पर बीज की श्रेणियां देखी जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य बीज निगमों और अनुसंधान निकायों सहित हितधारकों के साथ परामर्श के बाद बनाई गई जीईएम पोर्टल पर बीज श्रेणियां बीज खरीद के लिए एक तैयार रूपरेखा प्रदान करती हैं, जिसमें केंद्र सरकार के मौजूदा नियम और विनियम और आवश्यक पैरामीटर शामिल हैं, जो खरीद अधिकारियों के लिए पूरी प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। नई बीज श्रेणियों को लॉन्च करना पोर्टल के माध्यम से श्रेणी आधारित खरीद को बढ़ावा देने के लिए जीईएम की व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है।

# शुरुआती झटके के बाद संभले एफकॉन्स इंफ्रा के शेयर, 8 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ हुई थी लिस्टिंग

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** शापूरजी पालनजी ग्रुप की कंस्ट्रक्शन कंपनी एफकॉन्स इंफ्रा ने सोमवार को लिस्टिंग के जरिए घरेलू शेयर बाजार में दस्तक दे दी। कंपनी के शेयर आज लगभग 8 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 463 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे, लेकिन आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 430.05 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 426 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग होने के साथ ही इस कंपनी के निवेशकों को करीब 8 प्रतिशत का नुकसान हो गया। डिस्काउंट में लिस्टिंग होने के सदमे से इस कंपनी के आईपीओ निवेशक उबरे भी नहीं थे कि उन्हें जोरदार बिकवाली का झटका लग गया। शुरुआती कारोबार में ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये लुढ़क कर 420.25 रुपये के स्तर तक आ गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर ने निचले स्तर से रिकवरी कर ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 3 रुपये की तेजी के साथ 465 रुपये के स्तर पर आ गया। लगातार जारी




खरीद बिक्री के बीच दोपहर 12 बजे एफकॉन्स इंफ्रा के शेयर 30 पैसे की कमजोरी के साथ 462.70 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। एफकॉन्स इंफ्रा का 5,430 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.31 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 1,250 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 9,02,80,778 शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट खरीदने, नई मशीनरी खरीदने, लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और पुराने कर्ज को चुकाने में किया जाएगा।

## जालंधर में 594523 मीट्रिक टन धान की आमद,किसानों को 1267 करोड़ का भुगतान

**एजेंसी**
**जालंधर।** पंजाब में जालंधर के ज़िला उपायुक्त डा. हिमांशु अग्रवाल ने धान की चल रही खरीद प्रक्रिया का जायजा लेते हुए कहा कि दो नवंबर तक जिले के किसानों को खरीदी गई फसल का 1267 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।डा.अग्रवाल ने बताया कि शनिवार तक जिले की मंडियों में 594523 टन धान की आमद हुई, जिसमें से 588235 टन फसल विभिन्न खरीद एजेंसियां द्वारा खरीदी जा चुकी है।उन्होंने कहा कि धान खरीद प्रक्रिया को उचित ढंग से चलाने के लिए प्रशासन कोई कमी नहीं छोड़ रहा है और खरीद के साथ-साथ लिफ्टिंग में भी तेजी लाई गई है जिसमें अब तक 214104 टन धान की खरीद की जा चुकी है। उपायुक्त ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा मंडियों में धान की निर्बाध खरीद, समय पर भुगतान और एक साथ लिफ्टिंग के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए संबंधित अधिकारी लगातार खरीद प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खरीद के बाद धान की लिफ्टिंग एक साथ सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके है और आने वाले दिनों में फसल की लिफ्टिंग में और अधिक तेजी लाई जाएगी। उन्होंने खरीद प्रबंधों से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों को खरीद, लिफ्टिंग, भुगतान के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा ताकि धान खरीद सीजन को उचित ढंग से चलाया जा सके।

# सोना और चांदी के भाव में मामूली गिरावट

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80,540 रुपये से लेकर 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73,840 रुपये से लेकर 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत घट कर 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और



22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज कीमत में गिरावट आने के कारण सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## भारत के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि की रफ्तार अक्तूबर में सुधरी

**नई दिल्ली।** भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर के आठ महीने के निचले स्तर से अक्तूबर में सुधर कर 57.5 हो गई। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) सितंबर के आठ महीने के निम्नतम स्तर 56.5 से बढ़कर अक्टूबर में 57.5 हो गया, यह आंकड़ा परिचालन स्थितियों में पर्याप्त और त्वरित सुधार के संकेत देता है। पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, अक्तूबर में भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

# अक्टूबर में लगातार बिकवाल बने रहे विदेशी निवेशक, स्टॉक मार्केट में बेचे गए 94,017 करोड़ के शेयर

**नई दिल्ली।** विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार के लिए अक्टूबर का महीना सबसे अधिक नुकसान वाला महीना साबित हुआ है। अक्टूबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 11.2 अरब डॉलर यानी करीब 94,017 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में किसी एक महीने में विदेशी निवेशकों ने पहली बार इतनी जोरदार बिकवाली की है। इसके पहले मार्च 2020 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से सबसे अधिक 61,973 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में अक्टूबर के पहले अप्रैल और मई के महीने में भी विदेशी निवेशकों ने लिवाली से अधिक बिकवाली की थी। इन दोनों महीनों के दौरान विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से 34,252 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की




थी। इसके बाद जून से सितम्बर तक विदेशी निवेशक लगातार लिवाल की भूमिका में बने रहे। सितंबर के महीने में विदेशी निवेशकों ने 57,724 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के निवेश का ये पिछले 9 महीने का सबसे ऊंचा स्तर था। लेकिन अक्टूबर के महीने में विदेशी निवेशकों को द्वारा जमकर की गई बिकवाली के कारण 2024 में उनका कुल निवेश अब सिर्फ 6,593 करोड़ रुपये का रह गया है। अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने कुल 1,13,858 करोड़ रुपये की बिकवाली की, जबकि इस महीने उन्होंने 19,841 करोड़ रुपये की खरीदारी भी की।

इस तरह खरीद बिक्री को मिलाकर उनकी बिकवाली का कुल आंकड़ा 94,017 करोड़ रुपये का रहा। इस महीने जहां विदेशी निवेशक भारतीय स्टॉक मार्केट में लगातार बिकवाली करते रहे, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस महीने पूरी तरह से लिवाल की भूमिका निभाई। अक्टूबर महीने में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने कल 98,400 करोड़ रुपये की खरीदारी की। घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा किसी एक महीने में ये अभी तक का सबसे बड़ा निवेश है। इसके पहले ये रिकॉर्ड 56,356 करोड़ रुपये का था, जो इसी साल मार्च के महीने में घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी के कारण बना था। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अक्टूबर में हुई जोरदार बिकवाली का ये क्रम नवंबर में भी जारी रह सकता है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के जल्दी थमने के आसार नजर नहीं आ रहे है। ऐसी स्थिति में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगातार दबाव में बने रहने की आशंका है। इसके साथ ही चीन की अर्थव्यवस्था में राहत पैकेज के ऐलान और अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव की वजह से ग्लोबल मार्केट में लगातार उथल-पुथल बनी रहने की संभावना है। ऐसी स्थिति में घरेलू शेयर बाजार पर भी स्वाभाविक रूप से असर पड़ेगा।

# टॉप 10 में शामिल 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.07 लाख करोड़ का इजाफा

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई जोरदार उठा पटक होने के बावजूद देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में इजाफा हो गया। दूसरी ओर, 4 कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। दूसरी ओर, 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 95,247 करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान जिन 6 कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई, उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के नाम शामिल हैं, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और इंफोसिस के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के दौरान गिरावट दर्ज की गई।पिछले सप्ताह के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 36,100.09 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,32,755.93 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप



25,775.58 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,10,686.85 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 16,887.74 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,88,509.41 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 15,393.45 करोड़ रुपये बढ़ कर 18,12,120.05 करोड़ रुपये, आईटीसी का मार्केट कैप 10,671.63 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,13,662.96 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,537.56 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,96,408.50 करोड़ रुपये हो गया।

दूसरी ओर, इंफोसिस का मार्केट कैप 38,054.43 करोड़ रुपये घट कर 7,31,442.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 27,299.54 करोड़ रुपये घट कर 9,20,299.35 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 26,231.13 करोड़ रुपये घट कर 14,41,952.60 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 3,662.78 करोड़ रुपये घट कर 13,26,076.65 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 18,12,120.05 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

# शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर बिकवाली का जोरदार दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज बाजार में सपाट स्तर पर मिले-जुले कारोबार की शुरुआत हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का जबरदस्त दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार में 1.35 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.35 प्रतिशत और निफ्टी 1.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, सिप्ला, डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, टेक महिंद्रा और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.37 प्रतिशत से लेकर 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, बीपीसीएल, सन फार्मास्यूटिकल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 3.96 प्रतिशत से लेकर 2.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,466 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 430 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,036 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 27 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 6 शेयर हरे निशान में और 44 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 10.98 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 79,713.14 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार पर पूरी तरह से मंदड़ियों ने अपना दबाव बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक में जोरदार गिरावट आ गई। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करने की कोशिश भी की। इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल में सुधार नहीं हो सका। बाजार में लगातार हो रही बिकवाली के कारण इस सूचकांक की गिरावट लगातार बढ़ती गई, जिससे थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 79 हजार अंक के स्तर को भी तोड़ते हुए और नीचे गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10ः15 बजे सेंसेक्स 1,073.19 अंक की गिरावट के साथ 78,650.93 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था सेंसेक्स की विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 11.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,315.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का जोरदार दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक में भी बड़ी गिरावट आ गई। खरीदारों द्वारा लिवाली करने की कोशिश होने के बावजूद ये सूचकांक लगातार गिरता चला गया। चौतरफा बिकवाली के दबाव की वजह से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 24 हजार अंक के स्तर से भी नीचे लुढ़क कर कारोबार करने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद निफ्टी 334.40 अंक की कमजोरी के साथ 23,969.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह शुक्रवार के दिन हुए मुहूर्त ट्रेडिंग के बाद सेंसेक्स 335.06 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,724.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 99 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,304.35 अंक के स्तर पर स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग का अंत किया था।

# फल खाना सही या जूस पीना दोनों में पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और वेट लॉस के लिए क्या है बेस्ट, जानें एक्सपर्ट की राय

**कुछ लोग फल खाना पसंद करते हैं तो कुछ फलों से तैयार जूस पीते हैं. हालांकि, साबुत फल खाना जूस पीने की तुलना में कहीं ज्यादा हेल्दी होता है. साबुत फलों में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, इससे वजन कम होता है. पाचन शक्ति मजबूत होती है. कब्ज नहीं होता. ऐसे में ये जानना जरूरी है कि फल खाएं या जूस पिएं.**

लंबी उम्र तक स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी डाइट लेना बहुत जरूरी है. जब आप स्वस्थ खाते-पीते हैं, सभी तरह के पोषक तत्व आपके खाने में मौजूद होती हैं तो काफी हद तक कई गंभीर बीमारियों की कम उम्र में ही चपेट में आने से बचे रह सकते हैं. अक्सर लोग नाश्ते में या दिन भर में कभी भी फल खाते हैं. कुछ लोग फलों से तैयार जूस पीते हैं. हालांकि, कई लोगों को ये समझ नहीं आता है कि फल खाना सेहत के लिए अधिक अच्छा है या फिर फलों से तैयार जूस पीना. वैसे तो अधिकतर डॉक्टर यही सलाह देते हैं कि जूस पीने से कहीं फायदेमंद है ताजे फलों का सेवन करना. चलिए जानते हैं कि फल खाना सही है या फिर जूस पीना.

फल खाना हेल्दी या जूस पीना? (Fruit or juice what is beneficial)

-क्या आप भी इस बात से हमेशा परेशान रहते हैं कि फल खाएं या इसका जूस बनाकर पी लें? आखिर सेहत के लिए फल खाना सही या फिर जूस पीना. दरअसल, न्यूट्रिशनिस्ट और वेलनेस एक्सपर्ट रिद्धि खन्ना कहती हैं कि फल और जूस का सेवन दोनों ही आपके लिए बेहद जरूरी है.

-फलों से फाइबर अधिक मिलता है, लेकिन यह हमें तभी मिलेगा, जब हम फलों का जूस पीने की बजाय साबूत फल खाएंगे. फलों में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को सही रखने के लिए बहुत जरूरी है. साथ ही फलों में कई तरह के विटामिंस, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट, फाइटोकेमिकल्स मौजूद होते हैं.रिद्धि खन्ना कहती हैं कि जूस पीने की तुलना में फल शरीर में शुगर के लेवल को सही बनाए रखने में मदद करते हैं. इसके साथ ही यह वजन कम करने में भी मदद करते हैं.

-जब आप फलों से जूस बनाकर पीते हैं तो मौजूद सभी पोषक तत?वों के अलावा फाइबर भी समाप्त हो जाता है. बेहतर है कि गट हेल्थ को सही बनाए रखने और कब्ज आदि से बचाव के लिए साबुत फल खाएं.

-पैक्ड जूस की बात करें तो आजकर युवा काफी बाजार में मिलने वाले पैक्ड जूस का सेवन करते हैं. इसमें शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है. इसके रेगुलर सेवन से सेहत को नुकसान हो सकता है. इसमें मौजूद कैलोरी की अधिक मात्रा वजन बढ़ा सकती है. मौजूद प्रिजर्वेटिव्स सेहत की लिए हानिकारक होते हैं.

-यदि आपको डिहाइड्रेशन जैसा महसूस हो तो फल और जूस दोनों ही ले सकते हैं. लेकिन, पैक्ड जूस लेने की बजाय फ्रेश फल से तैयार जूस ही पिएं. ये दोनों ही डिहाइड्रेशन होने पर शरीर में जाकर अपने-अपने तरीके से काम करते हैं. फाइबर की मात्रा की बात करें, तो यह जूस से गायब रहती है, लेकिन जूस डिहाइड्रेशन में काफी हद तक मदद कर सकता है.

-जो लोग अपना वजन कम कर रहे हैं तो बेहतर है कि जूस पीने की बजाय फलों का ही सेवन करें. पैक्ड जूस से दूर रहें. साबुत फल खाने से फाइबर अधिक मिलता है. फाइबर युक्त चीजों का सेवन कब्ज, गैस, बदहजमी आदि दूर करता है.

# मतदाताओं को 'रिश्वत' जैसी गारंटी की सियासत पर उठते सवालों का जवाब आखिर देगा कौन, पूछते हैं लोग!

पहले मतदाताओं को %रिश्वत% जैसी चुनावी गारंटी देने और फिर चुनाव जीत लेने के बाद उसे लागू नहीं करने की वादाखिलाफी एक ऐसा सुलगता हुआ सवाल है, जिसका जवाब लाभुक मांगते हैं, पर वह मिलती नहीं! जबकि ऐसा करके सत्ता में आने वाली सरकारों को शासन से बेदखल कर देना चाहिए और उनकी पार्टी की मान्यता रद् कर देना चाहिए। ऐसा स्पष्ट प्रावधान यदि नहीं है तो कीजिए। क्योंकि यह विषय सियासत का नहीं, बल्कि मतदाताओं से सीधी धोखाधड़ी का है और ऐसे नेताओं के खिलाफ %420% (परिवर्तित धारा 318) वाला मुकदमा भी चलाया जाना चाहिए। इस मामले में सत्ता पक्ष व विपक्ष की सांठगांठ के खिलाफ सिविल सोसाइटी, प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया को आगे आना चाहिए। क्योंकि ऐसी वायदाखिलाफी की सियासत पर उठते सवालों का जवाब आखिर कौन देगा, भुक्तभोगी लोग सबसे पूछ रहे हैं। कभी कांग्रेस के दफ्तरों पर पहुंचकर, तो कभी मीडियाकर्मियों के मिलने पर। कभी विभिन्न विचार गोष्ठियों में तो कभी सड़कों पर। इस मामले का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि अब खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के नेताओं को सिर्फ वही चुनावी गारंटी देने के वायदे करने की नसीहत दी है, जिन्हें सत्ता में आने के बाद पूरा किया जा सके! ऐसा इसलिए कि चुनावी गारंटी पूरे करने के मामले में तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की कांग्रेसी सरकारें फिसड्डी साबित हुई हैं। इससे कांग्रेस के जनाधार पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। समझा जाता है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान की कांग्रेसी सरकारों के पतन के पीछे कुछ ऐसी ही वादाखिलाफी का हाथ है। यही वजह है कि भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ही बयान को आधार बनाकर अब कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।आपको पता होगा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल की मुफ्त बिजली-पानी की सियासत और जनसहुलियत भरी शिक्षा-चिकित्सा व्यवस्था की राजनीति जब दिल्ली से लेकर पंजाब तक हावी होती चली गई तो अपनी सरकारें गंवाने के बाद राहुल गांधी-प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की गारंटी के नाम पर लोगों से धड़ाधड़ वायदे किए और खटाखट धन देने की गारंटी दी, लेकिन उनकी राज्य सरकारें उसे पूरी नहीं कर सकीं। इससे पार्टी की बढ़ती अलोकप्रियता और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में डैमेज कंट्रोल के लिए ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के नेताओं को जो कुछ समीचीन सुझाव दिए, अब उसे ही भाजपा ने चुनावी हथियार बना लिए। क्योंकि लोगों को चुनावी लॉलीपॉप गारंटी देने की विरोधी रही भाजपा ने भले ही आप और कांग्रेस के दबाव में अपनी सत्ता प्राप्ति के लिए मोदी की गारंटी शुरू की और विभिन्न कांग्रेसी व विपक्षी दल शासित राज्यों में शानदार वापसी की, लेकिन अब वह मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर जिस तरह से कांग्रेस पर हमलावर है, उसका फलसफा यही है कि अनुकूल मौका मिलते ही भाजपा मोदी की गारंटी वापस ले लेगी। बशर्ते कि पहले वह इसी के सहारे कांग्रेस व आप का सफाया कर ले।उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में आर्थिक संकट की खबरों के बीच नेताओं को वही वादे करने की नसीहत दी है, जिन्हें पूरा किया जा सके। उन्होंने साफ कहा कि उतनी ही गारंटी का वादा करें, जितना दे सकें, नहीं तो सरकार दिवालियापन की कगार पर पहुंच जाएगी। यही वजह है कि कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान पर अब सियासी घमासान मच गया है। केंद्र की सत्ता पर काबिज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने खड़गे के बयान को ही आधार बनाकर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बाजाप्ता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने कई चीजों को स्वीकार कर लिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो बोला है, वो राहुल गांधी को बताया है क्या? कई चुनाव से खट-खटाखट चल रही घोषणाओं का क्या होगा? जो बोला है, बजट में उसका प्रावधान है कि नहीं? उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि वहां कांग्रेस ने कई वादे किए थे कि ये कर देंगे, वो कर देंगे, पर अब वहां के सीएम कह रहे हैं कि वेतन बाद में ले लेना। वहीं, टॉयलेट पर टैक्स की चर्चा करते हुए कांग्रेस पर घोषणाएं करके जनता को मूर्ख बनाने और किसी योजना को अमल में नहीं लाने का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में पांच गारंटी की घोषणा की गई थी लेकिन हुआ क्या? हो क्या रहा है वहां? कर्नाटक में अब फ्री बस को रिव्यू करने की बात कही जा रही है! हालांकि भाजपा पर भी कांग्रेस आरोप लगाती आई है कि मोदी ने 2014 में 15 लाख रुपये खाते में आने के सपने दिखाए थे, जो लगभग 11 साल बाद भी नहीं आए। दो करोड़ नौकरियों का वायदा भी सिफर ही रहा। कोरोना के बाद उन्होंने युवाओं को पकौड़े बेचने लायक भी नहीं छोड़ा।जबकि भाजपा का दावा है कि अगर हमने 11 करोड़ किसानों को 6-6 हजार रुपये देने का वादा दिया था तो उसे पूरा किया हमने। बीजेपी जो कहती है, उसे जमीन पर उतारती भी है।भाजपा नेता कहते हैं कि हम जमीनी हालात देखकर वादे करते हैं और जो वादे करते हैं, उसे डिलीवर भी करते हैं। जबकि खड़गे साहब को जो ज्ञान आया है वह और जल्दी आना चाहिए था। आप राहुल गांधी को वो पाठ पढ़ाएं। भाजपा ने कहा कि झारखंड में जनता की आंखों में धूल झोंकने की बात कही जा रही है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने अपने अध्यक्ष के माध्यम से पहली बार हकीकत स्वीकार किया है। लिहाजा मल्लिकार्जुन खड़गे को इस वक्तव्य के बाद देश से माफी मांगनी चाहिए। क्योंकि कांग्रेस ने तेलंगाना और कर्नाटक की जनता की आंखों में धूल झोंका। कांग्रेस की सच्चाई सामने आई है। वहीं, भाजपा ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को भी निशाने पर लिया और कहा कि अरविंद केजरीवाल को समझना चाहिए कि दिल्ली की हालत क्या है? वहीं, रविशंकर प्रसाद ने वक्फ के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी और कर्नाटक के विजयपुरा का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वक्फ के नाम पर किसानों की संपत्ति लूटी जा रही है। कुछ माफिया इसमें शामिल थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये मामला संसदीय कमेटी के सामने है। बात सिर्फ कांग्रेस, आप और भाजपा की नहीं है, बल्कि उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक एनडीए गठबंधन, इंडिया गठबंधन और अन्य क्षेत्रीय दलों के द्वारा चुनावी वायदाखिलाफी की जा रही है, जिसके खिलाफ सभ्य समाज को आगे आना चाहिए।ऐसे में सीधा सवाल यही है कि जब राजनीतिक दल खुद से अपने लिए नियम-कानून बनाएंगे और स्वयं को बचाते रहने के लिए विभिन्न कानूनी कमियां छोड़ते रहेंगे, तो फिर उनके खिलाफ कार्रवाई कैसे होगी? इस गम्भीर मुद्दे पर प्रशासनिक और न्यायिक गूंगेपन पर भी सवाल उठना लाजिमी है। लेकिन ऐसा कभी हुआ क्या, यक्ष प्रश्न है। भारत की प्रशासनिक व बाजारू अराजकता समकालीन जनहित के लिए चिंतन का विषय है और इसे दूर करने के लिए सिविल सोसाइटी को आगे आना चाहिए।ऐसा इसलिए कि किसी भी लोकतंत्र में सियासतदान/नेता तो महज 5-5 वर्षों के लिए आया राम, गया राम की तरह होते हैं, बामुश्किल किसी को 2 या 3 टर्म मिलता है। कुछ सौभाग्यशाली हैं जो 4-5 टर्म रहे। लेकिन प्रशासनिक और न्यायिक सुव्यवस्था चिरस्थायी बनाई जाती है ताकि जनहित सधता रहे! पक्ष व विपक्ष की राजनीति में कभी जनता नहीं पिसे। लेकिन आज देश में अनियंत्रित बाजारवाद हावी है और भ्रष्ट प्रशासन उसे नियंत्रित करने में विफल प्रतीत हो है। इससे जनता हर तरह से पिस रही है। सत्ता पक्ष व विपक्ष के लिए यह कोई मुद्दा ही नहीं है। धनपशुओं की मीडिया में इन मुद्दों पर गूंगी बन चुकी है।इस नजरिए से भारत की राजनीति अपवाद है। यहां के नियम-कानूनों में इतनी बड़ी-बड़ी कमियां हैं कि जनता बर्बाद हो जाती है, पर नेता-अधिकारी आबाद होते रहते हैं! वो न खेती करते, न किसानी, न सीमा की पहरेदारी करते, न कोई मेहनतकश व्यवसाय, फिर भी उनकी घोषित संपत्ति दिन दूना, रात चौगुनी बढ़ती। कोई चेक एन्ड बैलेंस नहीं! इस स्थिति को बदलने की संवेदनशीलता कई नेताओं ने दिखाई, लेकिन सत्ता मिलते ही हमाम में नंगे हो गए।

लोग महसूस करते हैं कि उनके कथित नौकर यानी देश की नौकरशाही और न्यायपालिका, उद्योगपतियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय कोष से %गुलछर्रे% उड़ाती रहती है और इस राह में कोई समझदार नेता या पत्रकार बाधक नहीं बने, इसलिए राजनीति व पत्रकारिता को मूर्खों, स्वार्थी व अराजक तत्वों और यहां तक कि अपराधियों का जमावड़ा बना दिया गया है। इन दोनों पेशों में धनपश% सब पर भारी पड़ते हैं। ऐसा इसलिए है कि राजनीतिज्ञों और पत्रकारों की योग्यता के कोई ठोस मानक निर्धारित नहीं किये गए हैं, ताकि कई गम्भीर बदलाव नहीं लाया जा सके।

वैसे तो मान्यता प्राप्त पत्रकारिता में कुछ नियमन हैं जिसकी अनदेखी होती आई है,

## संपादकीय

# जिम्मेदारी का करें अहसास

पहले से ही उम्मीद थी कि दीपावली के बाद प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होगी, वैसा हुआ भी। पहले से ही दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण का संकट बढ़ा हुआ था। सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियां बार-बार हमारा ध्यान खींचती रहीं। पिछले दिनों खबर आई कि दिल्ली दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार देश के सर्वाधिक प्रदूषित 32 शहरों में ग्यारह हरियाणा के हैं। यही वजह है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को फटकार लगाई कि प्रदूषण रोकने के लिये जमीनी स्तर पर प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल, इस मौसम में हर साल ठंड शुरू होते ही हवा की दशा-दिशा में बदलाव के साथ ही आसमान में धुएं की परत जमने लगती है। यही वजह है कि पराली संकट व अन्य कारणों से बढ़ते प्रदूषण से चिंतित सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही प्रदूषण की समस्या का समाधान संभव नहीं है। यह स्थिति तभी बदलेगी जब लोगों की तरफ से भी ईमानदार पहल होगी।

अब चाहे बात राष्ट्रीय सरोकारों की हो, पानी संकट की हो या फिर प्रदूषण की हो। जब नागरिकों को अहसास होगा कि बिना पटाखे छुड़ाए भी खुशी मनायी जा सकती है तो हम समाज के लोगों, जीव-जंतुओं व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकेंगे। बात तब बनेगी जब हम बच्चों के पाठ्यक्रम में यह बात शामिल करेंगे कि उनके भविष्य के लिये पर्यावरण, पानी व हवा की रक्षा कितनी जरूरी है। बच्चों को अहसास कराएं कि जिस तरह से बड़े लोग पानी का दुरुपयोग कर रहे हैं, उससे उनके भविष्य के लिये पानी का संकट गहरा हो जाएगा। इसके लिये टीवी, प्रिंट मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाये जा सकते हैं। इस अभियान में सूचना माध्यमों की भी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

दरअसल, ग्रीन ट्रिब्यूनल या अन्य प्रदूषण नियंत्रक संस्थाएं अकसर राज्यों के सचिवों व अधिकारियों को दंडित करने की बात करती हैं, लेकिन इससे समस्या का समाधान संभव नहीं है। दरअसल, जब तक नागरिकों व किसानों को जागरूक -जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक स्थिति में बदलाव संभव नहीं है। हम भूल जाते हैं कि इस संकट को बढ़ाने में राजनीति की बड़ी भूमिका है। किसानों के मुद्दों को जोरशोर से उठाकर श्रेय लेने वाले राजनेताओं की जवाबदेही तय होनी चाहिए। दरअसल, बंपर पैदावार का श्रेय लेने वाले राजनेता तब कहां चले जाते हैं जब पराली जलाने का संकट पैदा होता है? सही मायनों में जहां पराली जलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं, वहां क्षेत्र के विधायकों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए कि वे क्षेत्र के किसानों को जागरूक क्यों नहीं कर पाते। क्यों वे पराली के निस्तारण के वैकल्पिक संसाधन उपलब्ध कराने में किसानों का सहयोग नहीं करते? विडंबना यही है कि वे वोट की राजनीति के प्रलोभन में पराली जलाने के खिलाफ आवाज उठाने में चुप्पी साध लेते हैं। उनके खिलाफ भी तो लापरवाही के मामले दर्ज होने चाहिए। वहीं यह भी हकीकत है कि प्रदूषण संकट के मूल में सिर्फ पराली समस्या ही नहीं है। हमारी उपभोक्ता संस्कृति, वाहनों का अंबार, सार्वजनिक यातायात सुविधा का पर्याप्त न होना, अनियोजित निर्माण कार्य, जीवाश्म ईंधन का प्रयोग तथा कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण न होना भी प्रदूषण संकट के मूल में है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये व्यापक स्तर पर जनजागरण अभियान चलाने, शैक्षिक पाठ्यक्रम में प्रदूषण-पर्यावरण के मुद्दे शामिल करने तथा तंत्र की जवाबदेही तय करना प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि हम ऐसा करें तो साल-दर-साल बढ़ते प्रदूषण संकट पर किसी तरह लगाम लगाने में हम कामयाब हो सकते हैं। साथ ही हर साल वायु प्रदूषण से होने वाली लाखों मौतों को हम रोक पाने में कामयाब हो सकते हैं। शासन को भी आग लगने पर कुआं खोदने की मानसिकता से बचना होगा .

# किसानी और पशुपालन से भी जुड़ी है दीपावली

**दीपावली का त्योहार खेती-किसानी और पशुपालन से जुड़ा हुआ है। इस मौके पर हल-बक्खर जैसे कृषि के औजारों और अन्न देने वाली धरती माता की पूजा होती है**

आज बाजार के रासायनिक, जहरीले किन्तु आकर्षक रंग ने ले ली है। पशु वह रंग चाटते हैं। इसी प्रकार, आज की रंगोली कल झाड़ू साफ कर दूसरी बनाई जाती है। रोज-रोज यही होता है, खासकर दशहरा-दीवाली के दौरान घर-घर यही चित्र दिखता है। यह रंगोली अगले दिन कचरे में जाती है। उसके जहरीले रंग मिट्टी, पानी में पहुंचकर प्रदूषण फैलाते हैं। यह हम रोक सकते हैं। इसके साथ ही, कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ में होता है।दीपावली का त्योहार खेती-किसानी और पशुपालन से जुड़ा हुआ है। इस मौके पर हल-बक्खर जैसे कृषि के औजारों और अन्न देने वाली धरती माता की पूजा होती है। गाय, बैल आदि सभी जानवरों को सजाया जाता है। उनकी भी पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल आ जाती है। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश में धान की फसल इसी समय आती है। आज इस कॉलम में दीपावली की इसी परंपरा पर दृष्टि डालना उचित होगा, जिससे इन त्योहारों में जो सादगीपूर्ण सरल जीवन पद्धति का संदेश था, उसे याद करें, जिससे हमारा जीवन खुशहाल, समृद्ध व शांतिपूर्ण हो सके।ग्रामीण भारत में दीपावली को बहुत ही उत्साह व धूमधाम से मनाने की परंपरा रही है। गांवों में आमतौर पर मिट्टी के कच्चे घर हुआ करते थे, अब भी हैं, उनकी मरम्मत की जाती है। घर-आंगन का रंग-रोगन किया जाता है। गाय-बैलों को नहलाया धुलाया जाता है। उनको सजा-संवारा जाता है।दिवाली पर लक्ष्मी पूजन होता है। धन-धान्य की समृद्धि की कामना की जाती है। छत्तीसगढ़ में धान की सुंदर झालर बनाई जाती है, और उसकी पूजा भी होती है। खेती से जुड़ाव का एक उदाहरण यह है कि पहले लक्ष्मी की तस्वीर भी सूपा में अनाज बरसाते हुए होते थी, अब यह तस्वीर गायब हो गई है। इसी प्रकार, गो-धन की पूजा भी होती थी। इसमें तरह-तरह के घास, औषधीय पौधे, फसलों की बालियां की भी पूजा की जाती थी। गोधन को ही पशुधन कहा जाता था, जिसका खेती में अटूट योगदान था।पहले स्कूलों में दिवाली की लंबी छुट्टी (24 दिन की) हुआ करती थी, जिसे फसली छुट्टी भी कहते थे। इस दौरान बच्चे उनके मां-बाप के साथ खेतों के काम में मदद करते थे। खेती के तौर-तरीकों सीखते थे, आसपास के परिवेश व पर्यावरण से परिचित होते थे। जमीनी हकीकत से जुड़ते थे। रिश्तेदारों के घर जाते थे। इससे हाथ के काम, कुशलता सीखते थे, समाज में घुलना-मिलना व आपस में एक दूसरे से सीखना भी होता था, अब यह छुट्टी कम हो गई है। वैसी भी हमारी शिक्षा में श्रम के मूल्य को स्थान नहीं दिया गया है।लेकिन आज खेती-किसानी और पशुपालन पीछे छूटते जा रहे हैं। बाजार की दिवाली प्रमुख हो गई है। यानी एक दिवाली भागती हुई सभ्यता की प्रतीक बन गई है तो दूसरी दिवाली कृषि सभ्यता में ठहर गई है। एक दिवाली में गगनचुंबी इमारतों होने वाली दिवाली की पार्टियों का शोर है, बल्बों की रोशनी है, तो दूसरी दिवाली अब गांवों में उजड़ती दिख रही है, वहां सन्नाटा पसरा रहता है। खेती और गांव उजड़ती हुई सभ्यता के प्रतीक बन रहे हैं।आज खेती और किसानों की कई समस्याएं हैं। कुछ जलवायु बदलाव से जुड़ी हैं तो कुछ बाजार से। यानी कुछ मानवनिर्मित है, तो कुछ प्रकृतिजन्य। कुछ लोग इसे प्रकृति की देन बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं।

हम आज ऐसे आधुनिक समय में जी रहे हैं, जहां सब कुछ देखकर भी अनदेखा कर देते हैं। किसान और किसान की पीड़ा हमारी आंखों से ओझल हो रहे हैं। कुछ लोगों द्वारा तर्क दिया जाता है कि अगर खेती घाटे का धंधा है तो छोड़ क्यों नहीं देते? गांव में रोजगार नहीं है तो शहरों में क्यों नहीं आते?खेती के पक्ष में दो-तीन बातें महत्वपूर्ण हैं। एक, मनुष्य का पेट अनाज से ही भर सकता है, किसी और चीज से नहीं और अनाज खेत में पैदा होता है। अनाज को किसी फैक्ट्री में पैदा नहीं किया जा सकता है। दूसरा, खेती में वास्तव में उत्पादन होता है, एक दाना बोओ, पच्चीस दाने पाओ। ऐसा किसी और माध्यम से संभव नहीं है। उद्योगों में कच्चा माल डालने से उसमें रूप परिवर्तन होता है। इसलिए खेती का महत्व हमेशा बना रहने वाला है। फिर किसान जो बड़ी तादाद में हैं, खेती को छोड़कर करेगा क्या?इसी तरह, किसानों का सबसे पुराना दोस्त बैल भी अब खेती में पीछे हो गया है। कुछ समय पहले तक पशुओं के मनुष्य के व्यवहार की मिसालें दी जाती थी, वह पशुपालन भी कम हो गया है। पूरी किसानी संकर बीजों, रासायनिक खाद व कीटनाशकों के भरोसे हो रही है। जिससे खेती की लागत तो बढ़ ही रही है, साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी कम हो रही है। खेती के लि मित्र कीट भी खत्म हो रहे हैं। पक्षी भी कम दिखाई देते हैं।जबकि पशुओं के गोबर खाद से जमीन उर्वर होती थी। दूध-घी भी मिलता था। और इसमें अलग से कोई खर्च भी नहीं होता था। फसलों के डंठल पशुओं के चरने के काम आते थे। इस तरह एक चक्र बना हुआ था। यानी खेती मनुष्य, पशु, पक्षी सभी जीव- जगत के पालन का विचार शामिल था।एक और समस्या दीपावली से जुड़ गई है, और वह कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल से जुड़ी है। पहले गाय-बैलों को गेरू (लाल-पीली मिट्टी) से रंगा जाता था, इसकी जगह अब ऑइल पैंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। गेरू मिट्टी का आज भी महत्व है। गेरू जंतुनाशक मानी जाती है। बारिश में पशु के जख्मों के उपचार में काम आता है। बैलों के सींग पहले उसी से रंगते थे। किन्तु आज आकर्षक ऑईल पेंट का इस्तेमाल होता है, जो महीनों तक बैलों के सींगों में चिपका रहता है। इससे पशु को तकलीफ होती होगी। सींग के छेद ऑईल पेंट के कारण बंद होते हैं। पशु के पूरे शरीर पर गेरू से निशान भी लगाते थे।आज बाजार के रासायनिक, जहरीले किन्तु आकर्षक रंग ने ले ली है। पशु वह रंग चाटते हैं। इसी प्रकार, आज की रंगोली कल झाड़ू साफ कर दूसरी बनाई जाती है। रोज-रोज यही होता है, खासकर दशहरा-दीवाली के दौरान घर-घर यही चित्र दिखता है। यह रंगोली अगले दिन कचरे में जाती है। उसके जहरीले रंग मिट्टी, पानी में पहुंचकर प्रदूषण फैलाते हैं। यह हम रोक सकते हैं। इसके साथ ही, कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ में होता है।इन सबसे बचा जा सकता है। कृत्रिम रंगों के विकल्प जरूर हैं। वनस्पतिजन्य, पर्यावरणस्नेही रंग हम पहले इस्तेमाल करते ही थे। आधुनिक जीवनशैली की चमक तथा विविधता ने हम मोहग्रस्त हुए। दुष्प्रभाव, प्रदूषण हम भूल गए। रंगोली भी कई तरह की हरी पत्तियों व फूलों से बनाई जा सकती है। कुछ जगह यह बनाई भी जाती है।कुछ समय पहले मैं महाराष्ट्र गया था। वहां के गांधीवादी कार्यकर्ता बसंत फुटाणे कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल की जगह प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करते हैं। वे उनके पशुओं को गेरू मिट्टी से रंगते हैं। और उनके घर में रंगोली भी पत्तियों व फूलों से बनाई जाती है। इस तरह प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल मैंने तमिलनाडु में भी देखा था।कुल मिलाकर, भारत का भविष्य खेती और उससे जुड़े लघु कुटीरों में है। कुम्हार जो दिवाली पर दीये बनाते हैं, उनके जैसे समुदायों के रोजगार बढ़ाने और बचाने की जरूरत है। गांवों को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने में मदद करते हैं। इसी तरह कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल से भी बचा जा सकता है। उनके स्थान पर प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जा सकता है।हमारी देश की जलवायु, मिट्टी-पानी, हवा, जैव विविधता और पर्यावरण खेती के लिए अनुकूल है। अगर हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे तो हमारे किसानों की दिवाली भी अच्छी होगी, और हमारी भाईचारा बढ़ाने वाली व प्रकृति के साथ समन्वय करनेवाली कृषि और उसकी संस्कृति भी बचेगी।

# आनुवांशिक होती है छरहरी काया

आपकी दोस्त जो चाहे और जब चाहे जी भरकर खा सकती है। बावजूद इसके वह छरहरी भी बनी रह सकती है, लेकिन चाकलेट की एक बाइट खाकर ही आप के वजन में इजाफा हो जाता है। कारण, छरहरा होना भी एक आनुवांशिक खासियत है।

जर्मनी के अध्ययनकर्ताओं ने कद के लिहाज से महिलाओं के वजन और उनके जीन्स में वैज्ञानिक संबंध खोजने का दावा किया है। वैज्ञानिकों की टीम इस नतीजे पर पहुंची है कि मुस्कान और आंखों की रंगत की तरह छरहरापन भी अपने आपमें आनुवांशिक देन है। अध्ययन के नतीजों को दो खबरों के तौर पर बांटा है- बुरी खबर और अच्छी खबर। बुरी खबर यह कि वजन सहित शारीरिक बनावट की ज्यादातर विशेषताएं आनुवांशिक आधारित हैं। अच्छी खबर यह है कि महिलाओं के लिए आनुवांशिक आधार पर शारीरिक गठन के खिलाफ जाने, इसके लिए कुछ करने के अवसर अब भी बरकरार हैं।

अभी तक वैज्ञानिक इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं थे कि परिवेशीय और आनुवांशिक पहलू महिलाओं की कद-काठी की संरचना में किस हद तक भूमिका निभाते हैं। वैज्ञानिकों द्वारा एक अतिरिक्त शोध को भी अंजाम दिया गया है। यह परीक्षण एक न एक दिन महिलाओं के वजन में कमी के रास्ते खोजने में मददगार साबित होगा।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वजन कम करने को लेकर महिलाओं को यह बात जरूर मालूम होनी चाहिए कि अपने शरीर के वजन को नियंत्रित करने के लिए उन्हें करना क्या चाहिए, खासकर जब उम्र अपना असर दिखाने लगे। बढ़ती उम्र के साथ वजन कम होने की संभावना भी कम होती जाती है, ऐसे में बहुत अधिक उम्मीद पालना खुद को परेशानी में डालना होगा।

# हफ्ते में पाएं लाइट कॉम्प्लेक्शन

डार्क स्पॉट, फ्रेकल्स और बेजान त्वचा! मौसम के बदलाव के कारण त्वचा ने न जाने ऐसी कितनी समस्याएं झेली होंगी। लेकिन अब समय है उनसे निपटने और खोई हुई रंगत वापस पाने का।

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइयां, रूखी त्वचा और डार्क स्पॉट साफनजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफऔर गोरी नहीं रह जाती। उस पर सीजन का असर भी होता है। विंटर में सनस्क्रीन क्रीम शायद ही कोई इस्तेमाल करता है। साथ ही खुली ठंडी हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं। कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खास तौर पर इनका असर होता है। इसलिए अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट अंबिका पिल्लै की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए। सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉयस्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

**एक्सफोलिएट**

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। 2 टेबल स्पून ओटमील में 2 टेबल स्पून ब्राउन शुगर व 1/4 कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं।

**मास्क पॉवर**

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें-चंदन पाउडर+नीबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

# ब्लिंग फुटवेयर है राइट चॉइस

डार्क स्पॉट, फ्रेकल्स और बेजान त्वचा! मौसम के बदलाव के कारण त्वचा ने न जाने ऐसी कितनी समस्याएं झेली होंगी। लेकिन अब समय है उनसे निपटने और खोई हुई रंगत वापस पाने का।

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइयां, रूखी त्वचा और डार्क स्पॉट साफनजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफऔर गोरी नहीं रह जाती। उस पर सीजन का असर भी होता है। विंटर में सनस्क्रीन क्रीम शायद ही कोई इस्तेमाल करता है। साथ ही खुली ठंडी हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं। कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खास तौर पर इनका असर होता है। इसलिए अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट अंबिका पिल्लै की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए। सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉयस्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएटहफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। 2 टेबल स्पून ओटमील में 2 टेबल स्पून ब्राउन शुगर व 1/4 कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवरगोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें-चंदन पाउडर+नीबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

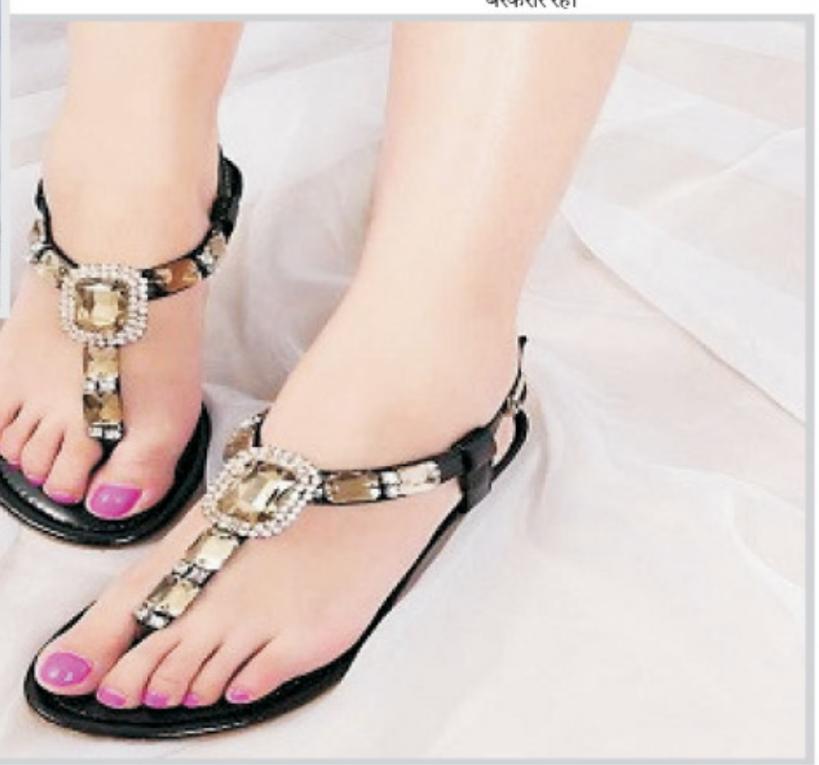

# बोल्ड एंड ब्यूटीफुल स्कर्ट

इन दिनों फैशन में टॉप पर है पिण्डली (काव्स) तक टेपर करती हुई सेमी फिट स्ट्रेट कट मिडी। जहां इसका सेमी फिट स्टाइल बनाता है इसे स्मार्ट व एलीगेंट वहीं ये आरामदायक भी है। सेमी फिट यानी हल्की लूज फिटिंग की होने के कारण इसे पहनने पर मूवमेंट में आसानी रहती है। वहीं इसे पहनने पर आप न सिर्फ स्लिम लगती हैं, बल्कि आपकी लंबाई भी अधिक प्रतीत होती है। इस मिडी में स्टाइल के विकल्पों की कोई कमी नहीं है। पूरी मिडी में हो सीकुईन का काम तो वेस्टर्न वेयर में इससे बढ़कर पार्टी वेयर ड्रेस कुछ नहीं। वहींप्रिंटेड व प्लेन कलर्स में भी मौजूद हैं ढेरों वैराइटी। इसके साथ ही डेनिम व स्ट्रैच कपड़े में यह स्टूडेंट्स में भी पॉपुलर हो रही है। अच्छी बात यह कि इसके साथ टॉप और एक्सेसरीज के परफेक्ट मिक्स एंड मैच के जरिए आप फॉर्मल और कैजुअल दोनों लुक हासिल कर सकती हैं। अगर चाहिए कैजुअल लुक तो सेमी फिट स्ट्रेट कट मिडी के साथ मैच करें हल्की लूज फिटिंग के ब्लाउज। वहीं हासिल करना है ऑफिस लुक तो इसके संग शर्ट पहन सकती हैं। इसी प्रकार एक्सेसरीज की बात करें तो कैजुअल लुक को कांप्लीमेंट करेंगे फ्लैट जूते, चंकी ब्रेसलेट और ब्रॉडेड रिस्ट वॉच जबकि फॉर्मल लुक को कंप्लीट करेगी हाई हील फुटवेयर, खूबसूरत कफ या एलीगेंट रिस्ट वॉच। स्ट्रेट कट सेमी फिट स्टाइलिश मिडी की इन्हीं खासियतों की वजह से यह वेस्टर्न वेयर इन दिनों कंगना रनौत, दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा सहित अनेक बॉलीवुड अभिनेत्रियों की पहली पसंद बन गई है।

# सिर्फ 25 प्रतिशत महिलाएं ही कराती हैं ब्रेस्ट कैंसर के लिए स्क्रीनिंग

भारत की सबसे तेज गति से बढ़ती बीमा कंपनी फ्यूचर जेनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी प्रा.लि. (एफजीआईएलआई) ने मॉमस्प्रेसो के साथ मिलकर राष्ट्रीय सर्वे के निष्कर्षों को सार्वजनिक किया है, जो यह समझने के लिए किया गया था कि भारतीय महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागरुकता कितनी है। भारतीय महिलाओं में होने वाला आम कैंसर है ब्रेस्ट कैंसर। हकीकत तो यह है कि भारत में महिलाओं में होने वाला हर चौथा कैंसर ब्रेस्ट कैंसर है। ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ (बीसीएएम) के परिप्रेक्ष्य में फ्यूचर जेनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस और भारत में महिलाओं के सबसे बड़े यूजर-जनरेटेड कंटेंट प्लेटफार्म मॉमस्प्रेसो ने महिलाओं के बीच इस मुद्दे पर बातचीत बढ़ाने और ब्रेस्ट कैंसर कैंसर से जुड़े लक्षणों के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए एक सर्वेक्षण किया। यह आवश्यक है कि महिलाएं स्तन कैंसर से जुड़े आम लक्षणों को जानें, जैसे गांठ और स्तन की त्वचा की मोटाई बढ़ना, और यह समझें कि शीघ्र मूल्यांकन और जल्दी पता लगाने से परिणाम में सुधार होता है।

## ब्रेस्ट कैंसर के बारे में उच्चस्तरीय जागरूकता

भारत में स्तन कैंसर होना दुर्लभ नहीं है। लगभग 86प्रतिशत भारतीय महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर क्या होता है? इस तथ्य से अच्छी तरह परिचित हैं। आश्चर्यजनक रूप से 49प्रतिशत भारतीय महिलाओं ने महसूस किया कि उन्हें स्तन कैंसर का खतरा है। हालांकि इतनी उच्च जागरुकता के बाद भी स्क्रीनिंग करवाने वाली महिलाओं की संख्या काफी कम है।

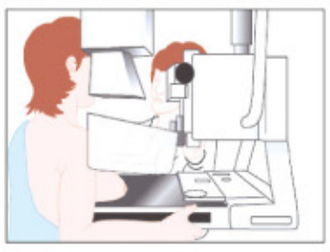

## ब्रेस्ट स्क्रीनिंग को नहीं दिया जाता महत्व



ब्रेस्ट कैंसर जागरुकता सर्वेक्षण के निष्कर्षों के अनुसार, 33 प्रतिशत उत्तरदाताओं को लगता है कि उन्हें स्क्रीनिंग की जरूरत नहीं है, जबकि 31 प्रतिशत ने कहा कि स्तन कैंसर के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट कराने के बारे में उन्हें पता ही नहीं था। इसके अलावा, 14 प्रतिशत महिलाओं ने यह भी बताया कि वह आलसी हैं और उन्हें लगता है कि इस तरह की स्क्रीनिंग कराने के लिए उनकी आयु काफी कम है।

## उपचार के बारे में जानकारी का अभाव

देशभर में जिन महिलाओं के बीच सर्वेक्षण कराया गया, उनमें से आधे से अधिक को यह नहीं पता था कि इस बीमारी की नियमित स्क्रीनिंग या जांच किस उम्र में कराई जानी चाहिए। लगभग 80 प्रतिशत को कैंसर के विभिन्न उपचारों के बारे में जानकारी नहीं थी। हकीकत तो यह है कि ज्यादातर महिलाओं को सिर्फ कीमोथेरेपी ही एकमात्र उपचार के तौर पर उन्हें याद थी। सर्वेक्षण से पता चला कि दक्षिण भारत में महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच को लेकर सेल्फ-एग्जामिनेशन के बारे में बहुत कम जानकारी है। हकीकत तो यह है कि 33 प्रतिशत महिलाओं को ही पता था कि वे सेल्फ-एग्जामिनेशन के जरिए भी इस बीमारी का परीक्षण कर सकती है। इसके अलावा 35 प्रतिशत महिलाओं को मैमोग्राफी के तौर पर उपचार के एक विकल्प की जानकारी थी, जबकि 60 प्रतिशत को सिर्फ कीमोथेरेपी की ही जानकारी थी। अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन लोगों के बीच सर्वेक्षण कराया गया उनमें लगभग 12 प्रतिशत महिलाएं स्वयं पीड़ित है या ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित रही है। इन ब्रेस्ट कैंसर फाइटर्स में एक बड़े हिस्से ने ब्रेस्ट में दर्द, परेशानी और स्तन के आकार और प्रकार में होने वाले परिवर्तन और उसमें होने वाली गांठों को इस रोग के टॉप 3 लक्षणों के तौर पर बताया।

## महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर के बारे में बात करने में असहज होती है

ब्रेस्ट कैंसर और इसके उपचारों के बारे में जागरुकता की कमी की वजह में से एक महत्वपूर्ण कारक को सामने लाते हुए सर्वेक्षण ने पाया कि भारत में 57 प्रतिशत महिलाएं अपने दोस्तों और परिजनों के साथ ब्रेस्ट कैंसर के बारे में बात करने में जरा-भी सहज नहीं हैं। हालांकि, भारत में केवल 43 प्रतिशत महिलाएं ही इस बीमारी पर खुलकर बोल पाती हैं। यह इस तथ्य की ओर भी इशारा करता है कि महानगरों में ब्रेस्ट कैंसर पर संवाद शुरू करने और जागरू कता फैलाने के लिए महिलाएं अपेक्षाकृत ज्यादा खुली है।

# सर्दियों में करें लौंग की बनी मसाला चाय का सेवन

## ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

बदलते मौसम के चलते सभी को सर्दी-जुकाम से परेशान होते हैं, जिससे बचने के लिए आप कई तरह के घरेलू नुस्खों को अपनाते हैं। अगर आप सर्दी-जुकाम से परेशान हैं तो आज हम आपके लिए लौंक से बनी मसाला चाय लेकर आए है। बता दें कि, लौंग में यूजेनॉल मौजूद होता है, जो साइनस और दांद दर्द जैसी परेशानियों के दूर करने में बहुत सहायक होता है। लौंग की तासीर बहुत ही गर्म होती है। आइए जानते हैं क्या होंगे फायदें-



एसिडिटी इस चाय मे सेलाइवा ज्यादा होता है, जिससे डाइजेशन बहुत ही इम्प्रूव होता है। साथ इसके सेवन से एसिडिटी की समस्या दूर होती है।

**ब्लड प्रैशर-** इसमें मैग्नीशियम होता है, जो बीपी से बचाने से सहायक होता है। साथ इससे ब्लड प्रैशर की समस्या भी दूर होती है।

**बीमारियों से बचाव-** लौंग की चाय पीने से बॉडी की एम्यूनटी बढ़ती है और सारी बीमारियों से बहुत छुटकारा मिलता है।

**आर्थराइटिस-** लौंग की चाय में इंफ्लेमेटरी गुण होते है, जो आर्थराइटिस के खतरे को कम करने में बहुत मदद करते है।

**लिवर की समस्या-** लौंग की चाय पीने से शरीर में मोजूद टॉक्सिन्स दूर होते है और लिवर की प्रॉब्लम भी दूर रहती है।

**आंखों की रोशनी-** इसमें विटामिन ए की मात्रा अधिक होती है, जो आंखों की रोशनी को बनाएं रखने में बहुत मदद करता है।

**हार्ट की समस्या-** लौंग की चाय रोजाना पीने से कोलेस्ट्रॉल की समस्या दूर होती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं से बहुत आसानी से छुटकारा मिलता है।

**डायबिटीज-** इसे पीने से शरीर का रक्त चाप ठीक रहता है और डायबिटीज से राहत मिलती है। इसलिए रोजाना लौंग की चाय का सेवन अवश्य करें।

## रेसिपी



### चीज कॉर्न पराठा

**सामग्री**

■ मैदा/आटा : 500 ग्राम ■ तेल: 04 बड़े चम्मच ■ अजवाइन: 05 ग्राम ■ घी ■ नमक: 01 छोटा चम्मच ■ उबले और मैश किए कॉर्न :04 कप ■ कद्दूकस चीज: 01 कप ■ बारीक कटे बींस और गाजर: 1 1/2 कप ■ बारीक प्याज: 04 ■ बारीक कटी हरी मिर्च: 01 छोटा चम्मच ■ चाट मसाला: 01 छोटा चम्मच ■ गरम मसाला पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ काली मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ नमक: स्वादानुसार

**विधि**

कॉर्न चीज पराठा के लिए सबसे पहले मैदा में रिफाइंड तेल, अजवाइन और नमक मिला कर उसे गूंथ लें। भरावन की सभी चीजें मिलाकर एक बर्तन में रख लें। इसके बाद मैदे की मनपसंद साइज की लोई लेकर उसमें उचित मात्रा में भरावन को भर लें और उसे परांठे की तरह बेल लें। तवे पर घी गर्म करें और उसमें सुनहरा होने तक पराठे को दोनों ओर से सेंक लें। तैयार हैं आपके यमी, हेल्दी और टेस्टी चीज पराठा। इसे सॉस या चटनी के साथ गरमा गर्म सर्व करें।

### माउथवॉटरिंग पिज्जा

**सामग्री**

■ 1 कप पिज्जा फ्लार ■ 1/2 टी स्पून यीस्ट ■ 1/2 टी स्पून नमक ■ 1/5 कप पानी ■ 1 टी स्पून चीनी ■ 1 टेबल स्पून जैतून का तेल ■ 1/2 कप पिज्जा सॉस ■ 2/3 कप पिज्जा चीज ■ 1/2 टी स्पून चिली फ्लेक्स ■ 1/2 टी स्पून फ्रेश ऑरिगेनो ■ 1/4 एवोकाडो ■ 1/4 कप जुकीनी हरी/पीली ■ 1/2 बेल पैपर लाल/पीली ■ 4 मशरूम ■ 2 काले जैतून ■ हरे जैतून

**विधि**

सबसे पहले ओवन को अधिकतम तापमान पर गर्म करके चीज को डीफॉस्ट कर लें। आप इस बीच बेस के लिए आटा तैयार कर सकते हैं। पहले मिक्सिंग बाउल में गुनगुने पानी में यीस्ट घोलें। फिर इसमें पिज़्ज़ा का आटा और नमक मिलाकर एक नरम आटा तैयार कर लें। आप आटे को स्मूद करने के लिए इसे 10 मिनट तक गूंधे। अगर आटा चिपचिपा हो तो आप थो?ा आटा और छिड़कर इसे गूंध सकते हैं। अब एक काउंटर टॉप में कवर करके रख दें। फिर इसके ऊपर आटा रखने के लिए एक बेकिंग शीट को रखियें। फिर इसे एक रोटी की तरह पतला रोल कर लें। फिर इस पर एक बड़े चम्मच के पिछले हिस्से का उपयोग करके पिज्जा सॉस फैला लें। अब इस पर कटी हुई सब्जियां फैला लें और फिर इस पर चीज पर डालें। अब इसी के साथ बेकिंग ट्रे को आराम से निकालकर इस पर इटैलियन सीजनिंग छिड़के। फिर इसे 15 मिनट तक बेक कर लें या फिर जब तक चीज गोल्डन दिखाई न देने लगे तब तक बेक करें। लीजिये आपका गर्मागर्म पिज्जा सर्व करने के लिए तैयार है।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रखे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

## काकुरो पहेली - 2637

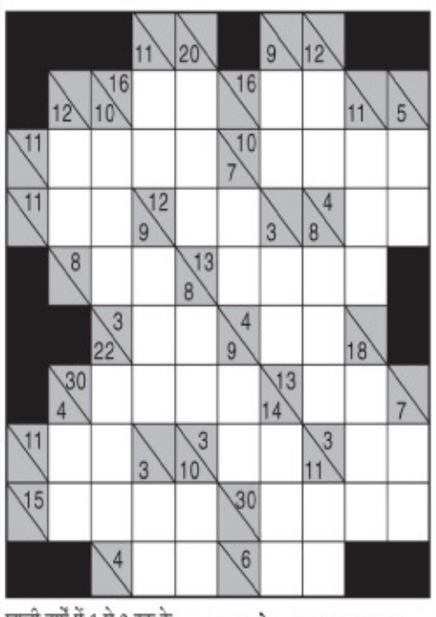

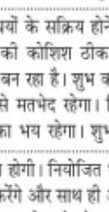

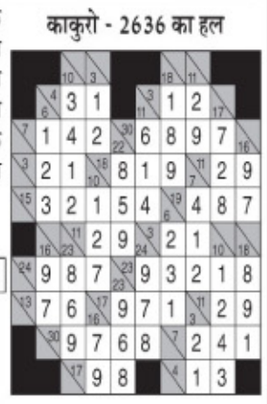



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:



1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

### काकुरो - 2636 का हल



## हंसी के फूव्वारें

एक बार एक सेठ बीमार पड़ गया. उसकी हालत मरने की-सी हो गई. पूरा परिवार उसके चारों ओर एकत्र था. सेठ ने अपनी पत्नी को बुलाकर पूछा-'बड़ा लड़का कहां है ?'

'यहीं है !'

'मंझला ?'

'यहीं है.'

'और छोटा ?'

'यहीं है.'

'तो फिर क्या दुकान बन्द पड़ी है ?' सेठ ने चारपाई से उठते हुए पूछा.

□ □ □

एक जहाज का कप्तान डेक से फिसल कर समुद्र में गिर गया. एक नाविक ने अपनी जान हथेली पर रखकर उसे बचा लिया.

'मैं तुम्हें क्या इनाम दूं !'कप्तान ने पूछा.

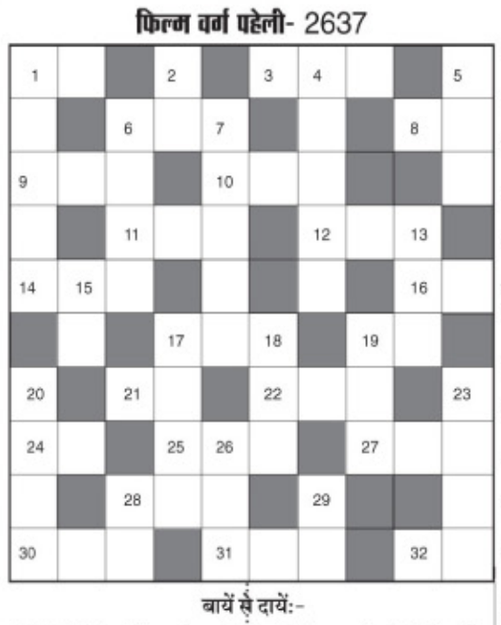

'श्रीमान !' नाविक हाथ जोड़ते हुए बोला-'सबसे अच्छा इनाम तो यह होगा कि आप इस घटना का जिक्र किसी से न करें. वरना बाकी नाविक मुझे उठाकर समुद्र में फेंक देंगे.'

□ □ □

जज, कैदी से- 'तुम्हें कल फांसी दी जाएगी, तुम्हारी कोई आखिरी इच्छा है?'

कैदी-'जी हाँ.'

जज-'क्या?'

कैदी-'जी मेरी जगह आप फांसी पर लटक जाइये!'

## फिल्म वर्ग पहेली- 2637



**बायें से दायें:-**

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३,२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 2635



## सूडोकु - 2637

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | | 2 | | 4 | 1 | 7 | | |
| 1 | | | | | | 6 | | |
| 5 | 7 | 3 | 2 | | | | 4 | |
| | | | | 9 | 4 | 8 | | |
| 4 | | 7 | | | | 9 | | 6 |
| | | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | 3 | | | | 6 | 5 | 9 | 1 |
| | | 6 | | | | | | 7 |
| | | 9 | 1 | 8 | | 2 | | 4 |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2636 का हल

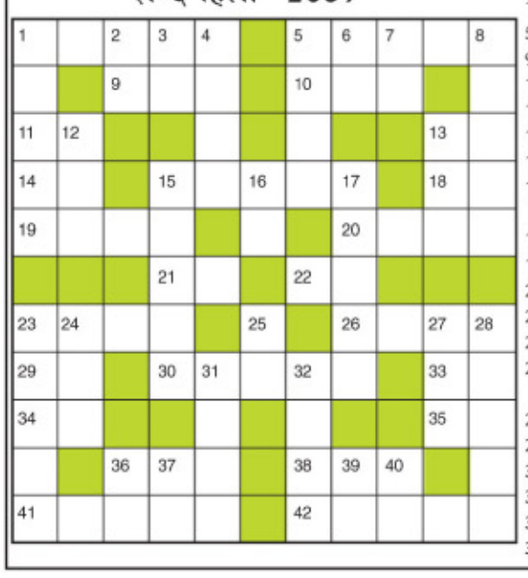

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 4 | 9 | 1 | 8 | 3 | 2 | 6 | 7 |
| 1 | 2 | 6 | 4 | 9 | 7 | 3 | 5 | 8 |
| 3 | 8 | 7 | 5 | 2 | 6 | 1 | 4 | 9 |
| 8 | 7 | 1 | 3 | 4 | 2 | 6 | 9 | 5 |
| 9 | 5 | 3 | 6 | 1 | 8 | 7 | 2 | 4 |
| 2 | 6 | 4 | 7 | 5 | 9 | 8 | 1 | 3 |
| 4 | 3 | 5 | 2 | 7 | 1 | 9 | 8 | 6 |
| 6 | 9 | 2 | 8 | 3 | 4 | 5 | 7 | 1 |
| 7 | 1 | 8 | 9 | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 |

## शब्द पहेली - 2637



**बाएँ से दाएँ**

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

**ऊपर से नीचे**

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

### शब्द पहेली -2636 का हल

## अगर 'बंटोगे तो कटोगे' नारा सही है तो देश भी बंटेगा : सनातन पांडेय

एजेंसी

**बलिया।** देश भर में 'बंटोगे तो कटोगे' नारे को लेकर सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। इस मुद्दे पर अब उत्तर प्रदेश के बलिया से समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पांडेय ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर यह नारा सही है तो देश भी बंटेगा। सनातन पांडेय ने रविवार को कहा, अगर उनका नारा 'बंटोगे तो कटोगे' सही है तो देश भी बंटेगा। दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि यह पहले से नियोजित है, ताकि देश का एक और बंटवारा हो। यह भाजपा की प्लानिंग है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, जो उनके मन में चल रहा है, वही बाहर आ रहा है। ये लोग सिर्फ देश को बांटने की राजनीति करते हैं। हम भारत के लोकतंत्र और संविधान को बचाना चाहते हैं, लेकिन जब लोकतंत्र की बात आती है तो उन्हें वोट की राजनीति करनी है। सपा सांसद ने बहराइच हिंसा का जिक्र करते हुए कहा, किसी के शासन में अपने कार्यकर्ताओं को यह अनुमति दे दी जाए कि लोगों के मकान उजाड़ दो... जो कुछ हो रहा है, वह सिर्फ भाजपा के इशारे पर हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ, सुप्रीम कोर्ट के जज नहीं हैं।

## मथुरा में सनातन धर्म की बैठक में ठाकुर देवकीनंदन ने की सभी से एकजुट होने की अपील

**मथुरा।** उत्तर प्रदेश के मथुरा में सनातन धर्म संसद की बैठक हुई जिसमें बड़ी संख्या में साधु-संत पहुंचे। यह बैठक ठाकुर देवकीनंदन के नेतृत्व में हुई। मौजूद सदस्यों से 16 नवंबर को दिल्ली में होने वाली विशाल सनातन धर्म संसद में पहुंचने की भी अपील की गई। ठाकुर देवकीनंदन ने बैठक के बारे में पत्रकारों से कहा, हमें एकजुट होकर अपने धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए। कृष्ण जन्मभूमि, सनातन बोर्ड का निर्माण, और तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसादम में जानवरों की चर्बी मिलाने की घटनाओं को लेकर हमें सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ÷कृष्ण जन्मभूमि हमारे लिए एक पवित्र स्थल है। इसे सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। इस संदर्भ में हमें एकजुट होकर अपनी आवाज उठानी होगी। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस भूमि की पवित्रता को बनाए रखा जाए।

उन्होंने कहा, सनातन धर्म के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक स्थायी बोर्ड का निर्माण आवश्यक है। यह बोर्ड हमारी संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मूल्यों की रक्षा करेगा। हमें एकजुट होकर सरकार से मांग करनी चाहिए कि वह इस दिशा में ठोस कदम उठाए। उन्होंने आगे कहा, तिरुपति बालाजी मंदिर की घटना ने हमें चिंतित किया है। यह न केवल हमारे धार्मिक विश्वासों के खिलाफ है, बल्कि हमारे समाज के नैतिक मूल्यों पर भी प्रश्न उठाती है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

## मजदूर सरकार के समक्ष अपनी बात मजबूती के साथ रखें : डॉ. सुभाष गर्ग

एजेंसी

**भरतपुर।** राजस्थान निर्माण श्रमिक महासंघ का प्रदेश स्तरीय वार्षिक अधिवेशन पूर्व मंत्री और विधायक डॉ. सुभाष गर्ग के मुख्य आतिथ्य में भीमा रिसोर्ट में आयोजित हुआ। इस दौरान विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि मजबूती के साथ श्रमिक अपनी बात सरकार के समक्ष रखें और एकता का परिचय दें। उन्होंने मजदूरों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाने का आव्हान करते हुए संगठन के पदाधिकारियों से कहाकि वह पैम्पलेट अथवा अन्य साधनों से मजदूरों को जागरूक कर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने पूर्ववर्ती राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना को यथावत रखने के फैसले का स्वागत करते हुए कहाकि मजदूरों की समस्याओं को वे भी विधानसभा में जोरदारी के साथ उठाएंगे। उन्होंने आयुष्मान बीमा योजना में शेष रहे मजदूरों को अपना पंजीकरण कराने पर जोर दिया। इस दौरान डॉ. गर्ग का संगठन के पदाधिकारियों ने साफा, माला एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासंघ की प्रदेशाध्यक्ष शबनम बानो ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद पंडित रामकिशन, प्रताप सिंह कुम्हेर, नवल सिंह, मनोज चौधरी, महेश चंद कटारा, नवीन आचार्य, महेश कुमार, अशोक कच्छावा, संभाग अध्यक्ष सत्यदेव आर्य, नागौर जिलाध्यक्ष रणवीर सिंह, डीग जिलाध्यक्ष करणसिंह, अलवर जिलाध्यक्ष रामसिंह, सवाई माधोपुर अध्यक्ष मोहन बना, करौली अध्यक्ष भगवान सिंह, भरतपुर अध्यक्ष नबी रसूल, बिस्मिल्लाह, रामवीर सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा, कांग्रेस शहर अध्यक्ष डॉ. दयाचंद पचौरी ऋषिपाल, पुष्पेंद्र सिंह मौजूद रहे।

## हिमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड के सिसई में हेमंत सरकार पर साधा निशाना

**गुमला।** झारखंड के गुमला जिले के सिसई विधानसभा क्षेत्र के केतेतरबीरा गांव में रविवार को डाईर जतरा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि झारखंड में युवाओं को नौकरी नहीं मिलती है। सरकार के इशारे में पेपर लीक हो जाता है। मईयां सम्मान योजना के नाम पर हेमंत सरकार महिलाओं को ठगने का काम कर रही है। बुजुर्गों का पेंशन बंद कर मईयां सम्मान योजना का पैसा दे रही है। चुनाव नजदीक होने के ठीक पहले यह योजना लागू किया गया। जब सरकार बनी तब क्यों योजना शुरू नहीं किया। सरमा ने कहा कि यहां भाजपा की सरकार बनी तो 2 लाख 87 हजार युवाओं को नौकरी देंगे। साथ ही 21 लाख परिवारों को पक्का मकान देंगे। वृद्धा पेंशन की राशि 2 हजार करेंगे और गैस सिलिंडर 500 रुपये में देंगे। साल में 2 सिलिंडर मुफ्त देंगे।

# बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : पुलिस ने झूठी धमकी संदेशों के पीछे के असली चेहरे किए बेनकाब

एजेंसी

**मुंबई।** मुंबई के बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के बाद फैली दहशत में नई कड़ियाँ जुड़ती जा रही हैं। व्हाट्सएप पर आए धमकी भरे संदेशों ने पुलिस को सतर्क कर दिया। इन संदेशों में न केवल सलमान खान, बल्कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक को धमकियाँ दी गई थीं, और इनका उद्देश्य साफ था - दहशत का माहौल बनाना।

**धमकी संदेशों का सुराग :**

पुलिस के मुताबिक, ये सभी धमकी संदेश एक सार्वजनिक व्हाट्सएप नंबर पर भेजे गए थे, जो आमतौर पर जनता की समस्याएँ सुनने के लिए ट्रैफ़िक पुलिस के पास मौजूद होता है। पुलिस ने जब इन संदेशों की जाँच की, तो पाया कि ये धमकियाँ झूठी थीं, पर इनका उद्देश्य महज डर फैलाना था। धमकियाँ देने वालों ने सलमान खान को चेतावनी दी थी कि अगर वे धन नहीं देंगे, तो उनका भी हश्र बाबा सिद्दीकी जैसा होगा।

**पहला मामला :**

2 नवंबर को एक संदेश में धमकी दी गई कि उत्तर प्रदेश के

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस्तीफा देना चाहिए, वरना उन्हें भी बाबा सिद्दीकी जैसी ही सज़ा भुगतनी पड़ेगी। वर्ली पुलिस की जांच में पाया गया कि ये संदेश उल्हासनगर की एक महिला द्वारा भेजा गया था, जो मानसिक रूप से अस्थिर बताई जा रही है। महिला को वर्ली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया ताकि उसके मानसिक स्वास्थ्य और मंशा की पूरी जांच हो सके।

**दूसरा मामला :**

29 अक्टूबर को एक संदेश में जीशान सिद्दीकी और सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी गई थी और 2 करोड़ रुपये की माँग की गई थी। वर्ली पुलिस की तफ्तीश से पता चला कि यह संदेश बांद्रा के 56 वर्षीय बेरोजगार व्यक्ति अजर मोहम्मद मुस्तफा द्वारा भेजा गया था। बेरोजगारी और आर्थिक तंगी ने उसे इस अपराध की ओर धकेला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि उसने पैसे की लालच में ये धमकियाँ भेजीं थीं।

तीसरा मामला :

17 अक्टूबर को एक अन्य संदेश में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से 5 करोड़ रुपए की माँग की गई और धमकी दी गई कि भुगतान न करने पर उनकी भी हत्या कर दी जाएगी। पुलिस ने झारखंड के जमशेदपुर निवासी 24 वर्षीय सब्जी विक्रेता शेख हुसैन को गिरफ्तार किया, जिसने पैसे की लालच में यह कदम उठाया था।

**साजिश और पकड़ का जाल :** इन धमकी संदेशों के जरिए दहशत का माहौल बनाने की कोशिश की गई थी, लेकिन पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर इस साजिश पर पानी फेर दिया। हर आरोपी का उद्देश्य अलग था, लेकिन इनकी हरकतों ने एक बार फिर से कानून व्यवस्था की चुनौती को उजागर किया।

## इंदौर में कंटेनर से टकराई कार, एक छात्र की मौत, पांच गंभीर

एजेंसी

**इंदौर ।** मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक कार सड़क पर खड़े कंटेनर से जा टकराई। इसमें एक छात्र की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इंदौर-भोपाल मार्ग पर लसूड़िया थाना क्षेत्र के देवास नाके पर सोमवार सुबह यह हादसा हुआ। छह छात्र जो मूल रूप से दिल्ली, नोएडा और मुजफ्फरपुर के निवासी हैं, वे आष्ठा स्थित एक विश्वविद्यालय में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं। दीपावली के मौके पर सभी छुट्टी मनाने इंदौर आए थे , दोस्तों के साथ उन्होंने दीपावली मनाई और सोमवार सुबह भोपाल की तरफ जा रहे थे। उनकी कार काफी तेज रफ्तार में थी और देवास नाका के करीब खड़े एक कंटेनर से जा टकराई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा देखते ही वहां मौजूद लोग राहत और बचाव कार्य में जुट गए। किसी तरह कार में फंसे छात्रों को बाहर निकल गया। लगभग आधी कार कंटेनर के नीचे घुस गई थी। हादसे में एक छात्र की मौत हो गई है और पांच गंभीर रूप से घायल हैं। मृतक छात्र की पहचान मुजफ्फरपुर के धैर्य कुमार और घायलों की श्रेयांश सिंह, अभय वर्मा, रोहित पूनिया, विनय सिंह और मोहित के रूप में हुई है। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और

राहत कार्य में सहयोग की। घायल छात्रों के परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी गई है। पुलिस के मुताबिक हादसे के बाद कार को क्रेन की मदद से बाहर निकल गया और कंटेनर को जब्?त कर दिया गया है। कंटेनर चालक फरार हो गया है।

# हिमाचल प्रदेश में अगले सप्ताह बारिश की कोई संभावना नहीं

एजेंसी

**शिमला ।** हिमाचल प्रदेश में मौसम ने 123 साल में तीसरी बार रिकॉर्ड तोड़ा है। मौसम विभाग के अनुसार हिमाचल प्रदेश में 123 साल में तीसरा सबसे शुष्क अक्टूबर रहा, जिसमें 97 फीसदी बारिश की कमी रही। इस महीने में राज्य में सामान्य 25.1 मिमी की तुलना में 0.7 मिमी बारिश हुई है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अक्टूबर माह में हमीरपुर, बिलासपुर, सोलन, सिरमौर, कुल्लू और चंबा में 100 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

शिमला और लाहौल-स्पीति में 99 प्रतिशत, किन्नौर में 98 प्रतिशत, कांगड़ा में 94 प्रतिशत, मंडी में 83 प्रतिशत और ऊना में 54 प्रतिशत कम बारिश हुई है। हिमाचल प्रदेश में 1901 के बाद से अक्टूबर के माह में तीसरी बार सबसे कम बारिश हुई है।मौसम विभाग शिमला केंद्र के विज्ञानी संदीप शर्मा ने कहा कि अक्टूबर महीने में सबसे अधिक बारिश 1955 में 413.5 मिमी दर्ज की गई थी। इस बीच लाहौल-स्पीति के कोकसर में 9 और 10 अक्टूबर को बर्फबारी के निशान मिले। 6 अक्टूबर को छोड़कर अधिकांश दिनों में राज्य भर में मौसम शुष्क रहा। स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार लाहौल-स्पीति के ताबो में पिछले 24 घंटों में सबसे ठंडा तापमान शून्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि हमीरपुर में सबसे

अधिक 35.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

हिमाचल में अगले अगले सात दिनों तक मौसम साफ रहने की भी संभावना व्यक्त की है। साथ ही मौसम शुष्क रहेगा, जिससे अधिकतम तापमान में और वृद्धि होगी। हिमाचल में तापमान भी सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा चल रहा हैं। कांगड़ा और भुंतर में तापमान ने पिछले 20 सालों का रिकॉर्ड टूटा है। हिमाचल प्रदेश में तापमान 4 नवंबर, 2024 को 21.37 डिग्री सेल्सियस है। दिन का पूर्वानुमान न्यूनतम और अधिकतम तापमान क्रमशः 12.91 डिग्री सेल्सियस और 24.11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता 40त्न है और हवा की गति 40 किमी/घंटा है। सूरज सुबह 06:35 बजे उगेगा और शाम 05:27 बजे अस्त होगा।कल मंगलवार, 5 नवंबर, 2024 को हिमाचल प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान क्रमशः 11.49 डिग्री सेल्सियस और 23.15 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आर्द्रता का स्तर 39 प्रतिशत रहेगा।

बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कुल्लू, सिरमौर और सोलन जिलों में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई, जिससे सूखे जैसे हालात बन गए हैं। यह स्थिति विशेष रूप से उन कृषि क्षेत्रों में चिंताजनक है जो सर्दियों की फसलों के लिए लगातार बारिश पर निर्भर रहते हैं।बारिश की कमी और असामान्य गर्मी के कारण कृषि पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। विशेषज्ञ स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं क्योंकि हिमाचल प्रदेश सर्दियों के बीच में इन जलवायु विसंगतियों से जूझ रहा है।

# झारखंड के सरायकेला में भीषण सड़क हादसा, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

**सरायकेला।** झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में काला पत्थर गांव के पास रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक ट्रेलर और 407 के बीच सीधी टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर का चालक जिंदा जल गया और 407 के चालक और कंडक्टर की भी मौत हो गई। इसके अलावा हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल किसी भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों वाहनों की गति इतनी तेज थी कि टक्कर होते ही ट्रेलर में आग लग गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। हादसे की सूचना मिलते ही

पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मृतकों की भी पहचान करने की कोशिश की जा रही है ताकि उनके परिवार को सूचना दी जा सके। हादसे के बाद सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी।

## 'आतंकवादियों को चुकानी पड़ेगी भारी कीमत', श्रीनगर ग्रेनेड हमले पर बोले एलजी मनोज सिन्हा

एजेंसी

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्रीनगर में 'संडे मार्केट' पर ग्रेनेड हमले के बारे में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात से बात की। इस दौरान उन्होंने आतंकवादियों और उनके सहयोगियों को दंडित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा। एलजी ने डीजीपी से कहा, 'नागरिकों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों को अपने कृत्यों के लिए बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आपको आतंकी संगठनों को कुचलने की पूरी आजादी है और इस मिशन को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़नी है।'उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की तथा निर्देश दिया कि जिला प्रशासन उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान करे।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने श्रीनगर में सीआरपीएफ के एक वाहन पर ग्रेनेड फेंका, लेकिन निशाना चूक गया और ग्रेनेड सड़क पर फट गया, जिससे 10 से ज्यादा पैदल यात्री और खरीददार घायल हो गए।अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात आतंकवादियों ने श्रीनगर शहर में टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर (टीआरसी) क्रॉसिंग के पास सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर वाहन पर ग्रेनेड फेंका।जिस स्थान पर ग्रेनेड विस्फोट हुआ, वहां रविवार को 'संडे मार्केट' के कारण खरीददारों की भीड़ लगी रहती है, क्योंकि सप्ताहांत की छुट्टी के कारण दुकानें बंद रहती हैं। %संडे मार्केट% में गर्म कपड़े, कंबल, जैकेट, बर्तन, क्रॉकरी, जूते आदि बेचने वाले फेरीवाले बड़ी संख्या में आते हैं।

यह हमला श्रीनगर के खानयार इलाके में मुठभेड़ में पाकिस्तानी लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर उस्मान भाई उर्फ छोटा वलीद के मारे जाने और चार सुरक्षाकर्मियों के घायल होने के एक दिन बाद हुआ है। पिछले महीने आतंकवादियों ने गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में एक श्रमिक शिविर पर हमला करके छह गैर-स्थानीय श्रमिकों और एक स्थानीय डॉक्टर की हत्या कर दी थी।

## पठानकोट के बामियाल सेक्टर में खेत में मिला ड्रोन, बीएसएफ ने की सर्च ऑपरेशन की शुरुआत

एजेंसी

**पठानकोट।** पठानकोट के सीमावर्ती क्षेत्र बामियाल सेक्टर के अख्वाड़ा गांव में एक किसान के खेत में संदिग्ध ड्रोन मिलने से हड़कंप मच गया। यह ड्रोन भारत-पाक सीमा से करीब 2 किलोमीटर की दूरी पर गांव के एक व्यक्ति को गन्ने के खेत में पड़ा हुआ दिखाई दिया। गांववासियों ने तुरंत इसकी सूचना सीमा सुरक्षा बल के जवानों को दी, जिसके बाद बीएसएफ ने इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन

चलाया। बीएसएफ की टीम ने आसपास के क्षेत्र की गहन तलाशी ली, लेकिन अभी तक किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। ड्रोन के मिलने से सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है, और सुरक्षा बलों ने निगरानी और सख्त कर दी है। बीएसएफ द्वारा यह जांच की जा रही है कि ड्रोन के माध्यम से सीमा पार से किसी प्रकार की अवैध गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश तो नहीं की गई है।

## महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव : बागी नेता मुख्तार शेख ने एमवीए को दिया समर्थन

**मुंबई ।** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जहां महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सत्ता में आने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, वहीं महायुति भी सत्ता में बने रहने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इन सबके बीच, बागी उम्मीदवारों ने दोनों गठबंधनों की चिंता बढ़ा दी है। राजनीतिक हलकों में इस समय बागी उम्मीदवारों की चर्चा जोरों पर है। ये उम्मीदवार दोनों प्रमुख गठबंधनों के लिए एक नई चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे में महाविकास अघाड़ी के लिए सोमवार को एक अहम खबर सामने आई है। पुणे में कस्बा विधानसभा क्षेत्र से बागी कांग्रेस नेता मुख्तार शेख ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन वापस लेते हुए एमवीए के आधिकारिक उम्मीदवार रवींद्र धांगेकर का समर्थन करने का फैसला लिया है।शेख के इस कदम से महाविकास अघाड़ी को न केवल एक मजबूत उम्मीदवार का समर्थन मिला है, बल्कि उन्हें मुख्तार शेख के समर्थकों का भी समर्थन मिलेगा।

# वक्फ संशोधन बिल पर टीडीपी उपाध्यक्ष के बयान से बढ़ सकती है भाजपा की टेंशन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** एनडीए में शामिल टीडीपी भाजपा की टेंशन बढ़ा सकती है। दरअसल, टीडीपी के उपाध्यक्ष नवाब जान उर्फ अमीर बाबू ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा है कि वक्फ संशोधन बिल को नाकामयाब करना है। टीडीपी उपाध्यक्ष के बयान के बाद से चर्चा होने लगी है कि भाजपा का अब इस पर क्या स्टैंड होगा।

कहा जा रहा था कि संसद के अगले सत्र में सरकार इसे सदन में पेश करेगी। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा इस बिल को हाल ही में लोकसभा में पेश किया गया। सरकार द्वारा कहा गया कि यह संशोधन बिल मुसलमानों के हित में है। हालांकि, सदन में विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया था। विपक्षी सांसदों के विरोध के बाद इसे जेपीसी में भेजा गया था। सरकार ने वक्फ संशोधन बिल पर देश के लोगों की राय भी मांगी थी।

हालांकि, इस बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठन भी लगातार आवाज उठाते रहे हैं। लेकिन, टीडीपी के उपाध्यक्ष के बयान के बाद से राजनीति तेज हो गई है। टीडीपी उपाध्यक्ष ने कहा, इस देश की आज़ादी में सबसे ज़्यादा हिस्सा मुसलमानों का है। वक्फ बिल

को हम पूरी तरीके से खारिज करते हैं। इसमें जो भी बदलाव लाने की कोशिश की जा रही है। वह किसी भी लिहाज से मुसलमानों के पक्ष में नहीं है। हमारे नेता चंद्रबाबू नायडू सेक्युलर जहन के हैं। हमारी सरकार शिक्षा के लिए मुसलमानों के बच्चों को 15 लाख रुपये तक दे रही है। अगर केंद्र सरकार की ओर से वक्फ बिल लाने की कोशिश की जाती है, तो हम इसके विरोध में रहेंगे। इस देश पर सभी का अधिकार है। हम सभी ने शहादत दी है। हमारे देश को कोई बांटने की कोशिश करेगा, तो हम उसे रोकने को जान दे देंगे। हमारे मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की विचारधारा सेकुलर है। 15 दिसंबर को आंध्र प्रदेश में वक्फ बिल के खिलाफ एक कार्यक्रम होगा। इसमें मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी शामिल होंगे।

# मुख्यमंत्री का आभार जताने के लिए डीएससी समाज करेगा बड़ा सम्मेलन : कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहाकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वंचित व शोषित (डीएससी) समाज को बड़ी सौगात दी है। लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करके मुख्यमंत्री ने बता दिया है कि डीएससी समाज का भला भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। बेदी ने कहा कि अब डीएससी समाज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का एक बड़ा सम्मेलन करके आभार व्यक्त करेगा। सम्मेलन के लिए प्रदेश व जिला स्तर पर कमेटियां गठित कर जिम्मेदारियां दी जाएंगी। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को रोहतक स्थित पार्टी कार्यालय मंगल कमल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान कृष्ण बेदी ने कांग्रेस को भी घेरा। उन्होंने कहा कि हरियाणा कांग्रेस में बाप-बेटे ही बचे हैं और कांग्रेस में अब राष्ट्रीयता की कोई बात नहीं रह गई है। विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया है। बेदी ने कहा कि डीएससी समाज अपने हक के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहा था। वर्ष 2020 में शिक्षा में वर्गीकरण किया गया था परन्तु रोजगार का बहुत बड़ा विषय था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की बैंच ने डीएससी समाज के हक में निर्णय लिया और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने पर पहली कैबिनेट की बैठक में कोर्ट के निर्णय को लागू कर दिया। उन्होंने कहा कि संभावित 24 नवंबर को सम्मेलन होगा और सीएम सैनी का आभार जताया जाएगा।

कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि आज डीएससी समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक हुई है। बैठक में विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री व पूर्व

मंत्री तथा समाज के वरिष्ठ नेता, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रमुख तथा संत समाज ने भाग लिया। इस बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा और योजना पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि अभी सम्मेलन के लिए स्थान निश्चित नहीं हुआ है, लेकिन जल्द ही सम्मेलन का स्थान भी तय कर लिया जाएगा।

कांग्रेस नेता सुरजेवाला के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हम सुरजेवाला के प्रवक्ता नहीं हैं। सुरजेवाला वही है जिसने खुले मंच से भाजपा को वोट देने वालो को राक्षस कहा था। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार की दलदल में धंसे हुए हैं। कांग्रेस के सभी नेता एक दूसरे पर अपनी भड़ास निकालने में लगे हैं।

एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी विधायक और मंत्री अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। हरियाणा के विकास के लिए भाजपा संकल्पित है और बिना भेदभाव किए विकास कार्य किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जनता की उम्मीदे बढ़ी हैं। भाजपा सरकार जनआकांक्षाओं को पूरा करने का काम करेगी। भाजपा सभी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगी। भाजपा सरकार में वरिष्ठ और युवा नेताओं की टीम है जो संकल्पित होकर जनसेवा का काम कर रही है।

कांग्रेस के प्रतिपक्ष नेता नहीं चुनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रतिपक्ष नेता ढूंढने की हमें जरूरत नहीं हैं। कांग्रेस के नेता ही एक दूसरे के कपड़े फाड़ने में लगे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र पर चलते हुए हर वर्ग के लिए काम कर रही है।

इस मौके पर बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह बाल्मीकि, पूर्व मंत्री अनूप धानक, पूर्व विधायक जगदीश नायर,पूर्व विधायक सरिता नारायण, डीएससी समाज के अग्रणी नेता स्वदेश किराड, अनुसूचित जाति राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामावतार वाल्मीकि, प्रदेश सचिव रेनू डाबला, भाजपा नेता अमरजीत सोलंकी, डीएससी के पूर्व चैयरमैन डॉ बलवान सिंह, जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका, युवा नेता अजय खुंडिया, सुरेश दनोदा आदि सैकड़ो पदाधिकारी उपस्थित रहे।

**इस दौरान कृष्ण बेदी ने कांग्रेस को भी घेरा। उन्होंने कहा कि हरियाणा कांग्रेस में बाप-बेटे ही बचे हैं और कांग्रेस में अब राष्ट्रीयता की कोई बात नहीं रह गई है। विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया है।**

# अब्दुल रहीम राथर बनेंगे जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष

श्रीनगर। चरार-ए-शरीफ से नेशनल कांफ्रेंस के विधायक और अनुभवी नेता एडवोकेट अब्दुल रहीम राथर जम्मू-कश्मीर विधानसभा के नए अध्यक्ष होंगे। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की पहली विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है, जो शुक्रवार 8 नवंबर तक चलेगा। सत्र के पहले दिन सबसे पहले अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा सत्र को संबोधित करेंगे। विधानसभा द्वारा जारी कार्यसूची में बताया गया है कि राज्य के कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता और निर्वाचन मंत्री जावेद अहमद दार सदन के समक्ष राथर को विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने का प्रस्ताव रखेंगे। प्रस्ताव में कहा जाएगा, ÷कि इस सदन के सदस्य एडवोकेट अब्दुल रहीम राथर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा का अध्यक्ष चुना जाए। रामबन से विधायक अर्जुन सिंह राजू इस प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। विधानसभा में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) की संख्या बल को देखते हुए राथर का अध्यक्ष बनना तय है। जम्मू-कश्मीर में हाल में 90 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव में एनसी को 42 और भाजपा को 29 सीटें मिली थीं।

# सर्द मौसम में महिलाएं रखें विशेष ध्यान

सर्द मौसम में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना चाहिए। इन दिनों महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं।

लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें।

- व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि।
- व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें।
- बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं।
- विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें।

## पौष्टिक पराठा

सामग्री :
1-1/2 कप गेंहू का आटा, 1/4 कप बेसन, 3/4 कप उबला आलू ,1 कप बारीक कटा पालक, 1/4 कप कसी हुई गाजर, 2 हरी मिर्च, 4 टे.स्पून दही, 2 टी स्पून तेल, नमक स्वादानुसार।
कितने लोगों के लिए = 2
विधि :
गेंहू के आटे और बेसन को छान लें।
आलू को मैश कर लें, हरी मिर्च को बारीक काट लें।
अब आटे में सभी सामग्री मिलाकर मुलायम गूंथ लें।
इस मिश्रण की 8 लोइयां बनाकर बेलन से बेल लें।
गरम तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी या तेल लगाकर सुनहरा होने तक सेंक लें, गरमागरम पराठा दही या चटनी के साथ सर्व करें।

## पनीर मसाला डोसा

कितने लोगों के लिए :3
**सामग्री :**
1 कप कच्चा चावल, 1 कप उबला हुआ चावल, 1 कप कसा हुआ पनीर, 2 कटी हुई हरी मिर्च, 1 टी स्पून कटी हुई हरी धनिया, रोस्ट करने के लिए तेल, स्वादानुसार नमक।
**विधि :**
1. कच्चे चावल और उबले हुए चावल को एक साथ दो घंटे के लिए भिगो दें। फिर दोनों को पीस कर बारीक पेस्ट बना लें। आवश्यक हो तो पीसते वक्त थोड़ा सा नमक मिलाएं।
2. अब पनीर, हरी मिर्च, कटी धनिया को चावल पेस्ट में अच्छी तरह मिला दें।
3. अब डोसा पैन ( भारी छिछला हुआ तवा ) को गर्म करें और एक बड़ा चम्मच भर कर तवे पर उड़ेलें और गोलाई में घुमाते हुए फैलाएं। हलका मोटा ही रखें। अब डोसा के चारों ओर थोड़ा तेल फैलाएं। धीमी आंच में ठीक से पकने दें।
4. नारियल की चटनी और सांभर के साथ गरमागरम सर्व करें।
**नोट :** जो लोग डोसा थोड़ा खमीर वाला चाहते हैं वे घोल में पनीर मिलाने से पहले उसे पांच घंटे के लिए अलग रखें और जब खमीर उठ जाए तब पनीर मिलाएं। आप चाहें को पनीर मसाला मिश्रण अलग से तैयार करके भी भर सकती हैं। इसके लिए एक पैन में थोड़ा सा तेल डालकर गर्म करें और एक कटा हुआ प्याज व 1/4 चम्मच जीरा डालकर भूनें। प्याज सुनहरा होने पर चुटकी भर हल्दी, 50 ग्राम मसाला हुआ पनीर और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह भूनें। सबसे अंत में 1/2 चम्मच पनीर मसाला पाउडर व कटी हुई धनिया डालकर आंच से उतार लें।

# तुम कभी हार न मानना

रोज हम समाचार पत्र पढ़ते हैं और वही-वही घटनाएँ मन को अस्वस्थ कर जाती हैं। 'ससुराल वालों के अत्याचारों से तंग आकर बहू ने आत्महत्या की।' ऐसी कई घटनाएँ देश में रोज होती रहती हैं। फिर भी जब-जब ऐसी घटनाएँ सुनते-पढ़ते हैं, कई सवाल मन में तूफान मचाने लगते हैं?

क्या जिन महिलाओं ने आत्महत्या नहीं की, ससुरालवालों ने उन्हें कोई तकलीफ नहीं दी? क्या उनका जीवन कहानी की तरह सुंदर था। और वे खुशी-खुशी अपना जीवन जीने लगे।

पुराना जमाना तो छोड़िए आज भी हमारे देश में पति और ससुरालवालों की ओर से बहू को कई तरह से प्रताड़ित किया जाता है। एक हद तक इसे सहा या नजरअंदाज भी किया जा सकता है, उसके बाद क्या? आज लड़कियाँ पढ़ी-लिखी हैं। आत्मनिर्भर हैं, वे अपनी लड़ाई भी लड़ सकती हैं। अब जरूरी है कि वे दूसरों का भी सहारा बनें। माता-पिता का, उस सहेली का जो अपना जीवन समाप्त करने चली हो, या जिसे ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे हैं। उसमें लड़ने का आत्मविश्वास जगाएँ। हमें जब आवश्यकता थी, तब किसी सहेली, भाभी, मौसी, काकी ने हमारा साथ दिया था। आज उसे समाज को लौटाना होगा। मायके की सर्वगुण संपन्न और सुशील लड़की, ससुराल आकर एकदम 'फेल' घोषित कर दी जाती है। उसको अचानक इतनी रोक-टोक में बाँध दिया जाता है मानो वह सुधारगृह में आ गई हो।

अब वो जमाने गए, जब लड़की का किसी कारणवश फिर से मायके में आकर रहना गलत माना जाता था। जहाँ डोली गई वहीं से अर्थी उठेगी...आदि ये वाक्य लड़की को सिखाए जाते थे। आज के माता-पिता को स्थितियों को देखते हुए अपनी बेटी के लिए घर के दरवाजे हमेशा खुले रखने चाहिए। पति द्वारा पत्नी से किया हुआ गलत व्यवहार, फिर वो शारीरिक हो या मानसिक, यह घटना 'पर्सनल' नहीं है। अर्थात दोनों तक सीमित नहीं है।

वह लड़की जिसके साथ अन्याय हो रहा है वह समाज का एक घटक है। उसके साथ होने वाला व्यवहार भी सामाजिक और सार्वजनिक प्रश्न है। लड़की शुरू में उसके साथ हो रहे व्यवहार को छिपाती है। पानी सिर के ऊपर जाने के बाद धीरे-धीरे माता-पिता को बताती है।

अक्सर माता-पिता भी घटनाओं को छिपाते हैं। बेटी की बदनामी से डरते हैं। इससे अत्याचार और बढ़ते जाते हैं। अतः आवश्यक है कि लड़कियाँ इस प्रकार की घटनाओं को छिपाएँ नहीं।

कोई गलत कदम भी न उठाएँ। याद रखें कि हम आत्महत्या करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। कुछ अच्छा काम करके दुनिया से जाएँगे। इस जिद के साथ जीवन जिएँ। यह जीवन आपको ईश्वर की देन है इसका सदुपयोग करें।

इसके लिए सर्वप्रथम लड़कियों का शिक्षित होना आवश्यक है। दूसरा, नौकरी या व्यवसाय अवश्य करें। अपनी रुचि के अनुसार सामाजिक या सार्वजनिक काम के लिए समय अवश्य निकालें जिससे आपके अत्याचारों को जुबां मिलेगी। साथ ही अपनी रुचि का काम करने से दुगुनी शक्ति भी मिलेगी।

मुझे किसी का सहारा मिले इसके साथ ही मैं किसी का सहारा बनूँ, यह लक्ष्य सामने रखें। यही जीवन है यही सच्चा आनंद है।

**रोज हम समाचार पत्र पढ़ते हैं और वही-वही घटनाएँ मन को अस्वस्थ कर जाती हैं। 'ससुराल वालों के अत्याचारों से तंग आकर बहू ने आत्महत्या की।' ऐसी कई घटनाएँ देश में रोज होती रहती हैं।**

## जापान ने जीता आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब

एजेंसी

**बीजिंग।** जापान ने बीजिंग के शौगांग आइस हॉकी एरेना में चीन को 5-0 से हराकर आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। जापान ने शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा, पहले दौर में 23 शॉट लगाए और एक गोल के साथ शुरुआती बढ़त हासिल की। चीन ने दूसरे दौर में अपना बचाव कड़ा किया, जिससे जापान के स्कोरिंग के मौके सीमित हो गए, लेकिन अंतर को पाटने में असफल रहा। अंतिम दौर में, जब चीन ने बराबरी करने के लिए कड़ी मेहनत की, तो घरेलू टीम की गलतियाँ बढ़ने लगीं, जिससे जापान को चार और गोल करने और 5-0 की जीत के साथ चैंपियनशिप पर कब्ज़ा करने का मौका मिला। इससे पहले कजाकिस्तान ने पेनल्टी शूटआउट में दक्षिण कोरिया को 5-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट में चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और कजाकिस्तान की टीमें शामिल थीं। यह टूर्नामेंट तीन दिनों तक राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला गया। अगला संस्करण 2025 में कजाकिस्तान की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

## भारत ने अंडर-19 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण सहित जीते 17 पदक

**नई दिल्ली।** भारतीय मुक्केबाजों ने अंडर-19 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य सहित कुल 17 पदक जीते। पदक जीतने वाले मुक्केबाजों में 11 खेलों इंडिया से जुड़े हैं और इनमें से आठ भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के प्रशिक्षु हैं। अमेरिका के कोलोराडो में आयोजित हुई इस चैंपियनशिप में पार्थवी ग्रेवाल, वंशिका गोस्वामी और हेमंत सांगवान ने स्वर्ण पदक जीते। शनिवार को समाप्त हुए टूर्नामेंट में 19 में 17 मुक्केबाजों ने पदक जीते। भारत को महिला वर्ग में 10 पदक और पुरुष वर्ग में सात पदक मिले। पार्थवी ने महिलाओं के 65 किग्रा फाइनल में नीदरलैंड्स की आलिया होपेमा पर 5-0 से जीत दर्ज की। वंशिका ने 80 किग्रा वर्ग में जर्मनी की विक्टोरिया गैट को हराया और कृषा वर्मा ने महिला, 75 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। पुरुष वर्ग में हेमंत ने 90 किग्रा वर्ग में अमेरिका के रिशोन सिम्स पर 4-1 के विभाजित निर्णय से जीत हासिल करके स्वर्ण जीता। इसके अलावा निशा (51 किग्रा), सुप्रिया देवी थोकचोम (54 किग्रा) और कृतिका वासन (80 किग्रा), चंचल चौधरी (महिला, 48 किग्रा), अंजलि सिंह (महिला, 57 किग्रा), विनी (महिला, 60 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (महिला, 70 किग्रा), राहुल कुंडू (पुरुष, 75 किग्रा) को रजत पदक मिले।

## 175 साइकिल चालकों की बड़ी भागीदारी के बीच टूर डी सनावर संपन्न

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश के सनावर स्थित द लॉरेंस स्कूल की ओर से स्कूल के पूर्व छात्र संगठन द ओल्ड सनावरियन सोसाइटी के सहयोग से आयोजित वार्षिक साइक्लोथॉन टूर डी सनावर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चार आयु वर्गों में 16 स्कूलों और 20 से अधिक शहरों, जिनमें बेंगलुरु, पुणे और गुवाहाटी शामिल हैं, के 175 साइकिल चालकों ने भाग लिया। हीरो साइकिल्स के चेयरमैन पंकज मुंजाल (जो स्कूल के पूर्व छात्र भी हैं) और ओल्ड सनावरियन सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज सप्रू ने स्कूल के प्रधानाध्यापक हिम्मत सिंह ढिल्लों की मौजूदगी में साइकिलिंग रेस को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण लक्ष्य जांगिड़ द्वारा किया गया साहसी साइकिल स्टंट शो था, जो एक पेशेवर एमटीबी स्टंट राइडर और चार बार के विश्व चौंपियन होने के साथ-साथ साइकिल स्टंट में विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। जूनियर वर्ग में लड़कियों में लॉरेंस स्कूल सनावर की आरिनी और लड़कों में स्टोक्स मेमोरियल शिमला के सार्थक ठाकुर ने पहला स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में लड़कियों और लड़कों में क्रमशः लॉरेंस स्कूल सनावर की मनस्वी बडोला और जीएमएसएस के अर्नव ने पहला स्थान प्राप्त किया। शिमला की दिविजा सूद और दिव्यांश कौशल ने क्रमशः एमेच्योर महिला और पुरुष वर्ग में जीत हासिल की।

## मैं एक कप्तान और बल्लेबाज के रूप में विफल रहा: रोहित

**मुंबई ।** न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि कप्तान तथा बल्लेबाज के रूप में वह विफल रहे और इस हार को पचा पाना आसान नहीं है। रोहित ने कहा, जाहिर तौर पर एक टेस्ट और श्रृंखला हारना कभी भी आसान नहीं रहता है। हमने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली और हम इसे स्वीकार करते हैं। न्यूजीलैंड ने हमसे बहुत बेहतर क्रिकेट खेली। हमने बहुत गलतियां की और हम सभी को इसे स्वीकारना होगा।उन्होंने कहा, हमने पहली पारी में स्कोरबोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं बनाए, इसलिए हम खेल में पीछे थे। लेकिन यहां हमारे पास पहली पारी में 30 रनों की बढ़त थी और हमें लगा कि हम खेल में आगे हैं। यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, हम और बेहतर कर सकते थे। उन्होंने शुभमन गिल, ऋषभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर की तारीफ करते हुए कहा, जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मेरे दिमाग में विशेष योजनाएं होती हैं, लेकिन इस श्रृंखला में परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आया जो कि बेहद निराशाजनक है। (गिल, पंत और वॉशिंगटन) उन्होंने हमें बताया कि इस पिच पर कैसी बल्लेबाजी की जानी चाहिए।

# मौजूदा रणजी ट्रॉफी सत्र के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेंगे रिद्धिमान साहा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** रिद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफी के मौजूदा संस्करण के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज साहा ने 2010 और 2021 के बीच 40 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और नौ टी20आई में भी हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स सहित विभिन्न पक्षों के लिए 170 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों में भी हिस्सा लिया। साहा ने रात एक्स पर पोस्ट किया, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह सीजन मेरा आखिरी सीजन होगा। रिटायर होने से पहले मैं बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आखिरी बार सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं सिर्फ रणजी ट्रॉफी में खेलूंगा। इस अविश्वसनीय सफर का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, आपका समर्थन दुनिया के लिए मायने रखता है। आइए इस सीजन को यादगार बनाएं... 2007 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने वाले साहा ने बंगाल के लिए 15 साल तक खेला, उसके बाद

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के कुछ अधिकारियों के साथ मतभेद के बाद त्रिपुरा चले गए। तत्कालीन सीएबी प्रमुख अविषेक डालमिया ने साहा को मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वह अब बंगाल के लिए नहीं खेल सकते हैं। वह सीएबी के एक वरिष्ठ अधिकारी की टिप्पणियों से नाराज थे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण को छोड़ने का फैसला करने के बाद साहा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए थे। यहां तक कि उन्होंने बंगाल टीम के व्हाट्सएप ग्रुप को भी छोड़ दिया, जबकि कोच अरुण लाल ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से बात की थी। खिलाड़ी-संरक्षक की भूमिका निभाने वाले साहा के नेतृत्व में त्रिपुरा ने पिछले सीजन में घरेलू टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान और तत्कालीन बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली के साथ बैठक के बाद, साहा इस सीजन में बंगाल लौट आए - यह स्पष्ट संकेत है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है।साहा ने पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि वह बंगाल के लिए केवल लाल गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करेंगे और सफेद गेंद वाले टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। उनके लिए अब तक, यह घरेलू वापसी यादगार नहीं रही है, वे दो मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं और विकेट के पीछे तीन कैच लिये हैं।

साहा दिसंबर 2021 से राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं और 2022 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान उन्हें तत्कालीन भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बताया था कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उनसे आगे की सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आईपीएल में खेलना जारी रखा और 2022 में गुजरात टाइटन्स का हिस्सा थे जब उसने अपना पहला खिताब जीता था।

## अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट 21 नवंबर से, 10 टीमें लेंगी हिस्सा, 12 दिन में खेले जाएंगे 40 मैच

एजेंसी

**अबू धाबी।** अबू धाबी टी10 का आठवां सीज़न 21 नवंबर से शुरू हो रहा है, टूर्नामेंट का पहला मैच टीम अबू धाबी और अजमान बोल्ट्स के बीच खेला जाएगा। इस साल के टूर्नामेंट में एक विस्तारित प्रारूप है जिसमें 10 टीमें एक रोमांचक सीज़न में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां शीर्ष पांच टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए कड़ी लड़ाई में शामिल होंगी। प्रतिष्ठित जायद क्रिकेट स्टेडियम, अबू धाबी क्रिकेट और स्पोर्ट्स हब में केवल 12 दिनों में 40 से अधिक मैचों का आयोजन करेगा। प्लेऑफ़ सप्ताहांत के दौरान होंगे, जिसकी शुरुआत 1 दिसंबर को क्वालीफायर 1 से होगी, जिसमें शीर्ष दो टीमें शामिल होंगी। चौथे और पांचवें स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर 1 में भिड़ेंगी, उसके बाद एलिमिनेटर 2 होगा, जहां टीम 3 एलिमिनेटर 1 के विजेता से भिड़ेगी। क्वालीफायर 1 की उपविजेता फिर क्वालीफायर 2 में एलिमिनेटर 2 के विजेता से भिड़ेगी। ग्रैंड फिनाले 2 दिसंबर को होगा, जहां क्वालीफायर 1 और क्वालीफायर 2 के विजेता खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।2024 संस्करण में 18 विभिन्न देशों के खिलाड़ी शामिल हैं। जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, मार्कस स्टोइनिस, लॉकी फर्ग्यूसन और राशिद खान जैसे क्रिकेट सुपरस्टार सभी टीमों के स्टार-स्टडेड रोस्टर में शामिल होंगे, जो क्रिकेट के एक अविस्मरणीय सीज़न का वादा करेंगे।

# लखनऊ सुपरजायंट्स मेरे लिए टीम नहीं, बल्कि परिवार है : मोहसिन खान

एजेंसी

**मुरादाबाद।** मुरादाबाद निवासी मध्यम गति के गेंदबाज मोहसिन खान ने बताया कि मेरी शुरुआत लखनऊ सुपरजायंट्स टीम से हुई है। लखनऊ सुपरजायंट्स मेरे लिए टीम नहीं, बल्कि परिवार है। मेरे मुश्किल वक्त में भी टीम ने मुझे नहीं छोड़ा और सबने बहुत हौसला दिया। मोहसिन खान को दीपावली पर आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपरजायंट्स ने चार करोड़ रुपये में लिया है।

लखनऊ सुपरजायंट्स टीम के शुरुआती सदस्यों में शामिल होने पर मोहसिन की खुशी का ठिकाना नहीं है। इस दिवाली के उत्सव ने उनकी खुशियों को 10 गुना अधिक कर दिया क्योंकि उन्होंने टीम की नई जर्सी मिलने पर कोच व परिजनों के साथ उत्साह के साथ दीपावली मनाई। मोहसिन ने बताया कि वह पिछले चार साल से लखनऊ सुपरजायंट्स टीम से जुड़े हैं। पिछले दो सीजन उनके लिए

बेहतरीन रहे हैं। उन्होंने मैदान में तब चौंकाने वाला प्रदर्शन किया जब उनके पिता आईसीयू में भर्ती रहे। मोहसिन खान ने कहा कि साल 2022 में आईपीएल लखनऊ-मुंबई के बीच हुए मैच में उन्होंने आखिरी ओवर में लखनऊ के खिलाफ 11 रन नहीं बनने दिए थे। वह टीम के लिए शुरुआती विकेट निकालने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे हैं। यही वजह रही कि लखनऊ की टीम ने एक बार फिर उन पर बड़ा दांव लगाया है।

## एसआईएस पिचेस ने आठ नई हाइब्रिड क्रिकेट पिचों का किया निर्माण

एजेंसी

**हमीरपुर।** भारत में उच्च गुणवत्ता वाली क्रिकेट सुविधाओं की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए खेल सतह डिजाइन, निर्माण और स्थापना में वैश्विक अग्रणी कम्पनी एसआईएस पिचेस ने आठ नए हाइब्रिड क्रिकेट पिचों का निर्माण पूरा होने की घोषणा की है।इन आठ पिचों में से चार हमीरपुर के अमतर में अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम और चार अन्य बिलासपुर में लुहनु क्रिकेट स्टेडियम में बनाई गई हैं। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में हाइब्रिड पिचों के सफल निर्माण के बाद ये नई पिचें दोनों स्थानों पर अधिक खेलों की मेजबानी और देश भर में क्रिकेट के बढ़ते उत्साह को पूरा करने की अधिक क्षमता प्रदान करेंगी। अमतर और बिलासपुर में दो-दो पिच मैदान के बीच में बनाई गई हैं जबकि दो-दो अतिरिक्त पिचें समर्पित अभ्यास क्षेत्र में तैयार की गई हैं। नई पिचें बिलासपुर और अमतर दोनों में सभी स्तरों पर क्रिकेटरों के लिए खेल की स्थिति और पेशेवर गुणवत्ता प्रशिक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाएंगी। एसआईएस पिचेस ने अमतर के अभ्यास क्षेत्र में विशेष रूप से डिजाइन किए गए टर्फ का 30 वर्ग मीटर विस्तार भी किया है। यह अतिरिक्त टर्फ यहां की क्रिकेट महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भविष्य की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा। एसआईएस पिचेस के अंतरराष्ट्रीय सेल्स डायरेक्टर पॉल टेलर ने कहा भारत भर में हाइब्रिड पिचों के लिए बढ़ती रुचि को देखना उत्साहजनक है। बिलासपुर और अमतर में टीमों के साथ काम करना एक अच्छा अनुभव रहा है।

# पेरिस मास्टर्स : खिताबी मुकाबले में हम्बर्ट का सामना ज्वेरेव से

एजेंसी

**पेरिस।** फ्रांसीसी स्टार उगो हम्बर्ट ने पेरिस मास्टर्स में घरेलू मैदान पर करेन खाचानोव को 6-7(6), 6-4, 6-3 से हराकर मास्टर्स 1000 स्तर पर अपने पहले फाइनल में प्रवेश किया। अपने सातवें टूर-लेवल खिताब की तलाश में, हम्बर्ट चैंपियनशिप मैच में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से भिड़ेंगे। ज्वेरेव ने छह मास्टर्स 1000 खिताब, दो एटीपी टूर फाइनल और टोक्यो में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता है। इस साल की शुरुआत में, हम्बर्ट ने दुबई और मार्सिले में ट्रॉफी जीती, जबकि ज्वेरेव ने रोम में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में ताज जीता। हम्बर्ट ने खाचानोव के खिलाफ मैच के बाद कहा, पेरिस में अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में ऐसा करना अद्भुत है। यह एक सपना है। पिछले मैचों की तुलना में यह थोड़ा मुश्किल था। मुझे थोड़ा ज़्यादा दबाव महसूस हुआ और पहला सेट हारने के बाद मैंने उस पल

का लुत्फ़ उठाने और दर्शकों के साथ रहने की कोशिश की। मैंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और मुझे इस पर बहुत गर्व है।इस सप्ताह की शुरुआत में हंबर्ट ने कार्लोस अल्काराज को हराया था। खाचानोव के खिलाफ़ 35 विनर्स लगाने वाले फ्रांसीसी खिलाड़ी एटीपी लाइव रैंकिंग में चार पायदान ऊपर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं और अगर वह खिताब जीतते हैं तो सोमवार को अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 11वें स्थान पर पहुंच जाएंगे।

# आईएसएल : अपनी पिछली हार से उबरने के लिए भिड़ेंगे जमशेदपुर और चेन्नइयन

एजेंसी

**जमशेदपुर।** चेन्नइयन एफसी और जमशेदपुर एफसी अपनी पिछली हार से उबरने के लिए आज शाम जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी। जमशेदपुर को अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से 5-0 की करारी हार मिली जबकि चेन्नइयन एफसी को नई दिल्ली में पंजाब एफसी ने 3-2 से हराया। आगामी मैच में, स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल और फारुख चौधरी व डेनियल चीमा चुक्कू पूर्व टीम के खिलाफ अपने पुराने मैदान पर उतरेंगे। कॉयल ने 2021-22 में जमशेदपुर को चैंपियनशिप की सफलता दिलाई थी। जमशेदपुर जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चेन्नइयन के खिलाफ पिछले चार मैचों में अपराजित रहे हैं। इस दौरान

उन्होंने एक मैच जीता है और तीन ड्रा खेले हैं। इस मैदान में चेन्नइयन एफसी (1-0) को एकमात्र जीत लगभग सात साल पहले 28 दिसंबर, 2017 को मिली थी।लगातार तीन घरेलू जीत के साथ जमशेदपुर एफसी इस सीजन में अपने घर में निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने प्रत्येक मैच में कम से कम दो गोल किए हैं। कॉयल ने आईएसएल में अपने पूर्व क्लब जमशेदपुर एफसी का चार बार सामना किया है जिनमें दो जीत और दो ड्रा हैं। कॉयल की टीमों ने जमशेदपुर के खिलाफ 11 गोल किए हैं। चेन्नइयन ने प्रति मैच 26.5 क्रॉस डाले हैं - जो लीग में सबसे ज्यादा है। जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील को लगता है कि उनकी टीम हाईलैंडर्स के हाथों करारी हार को पीछे छोड़कर बेहतर प्रदर्शन करेगी। जमील ने कहा, हमें करारी हार मिली है, इसलिए अब प्रयास करके सुधार करने और बेहतर करने का समय है। हमें अपनी गलतियों पर सोचने और सुधारने के लिए पर्याप्त समय मिला और हम बेहतर करने की कोशिश करेंगे। कॉयल ने मैच से पहले अपने समकक्ष जमील की प्रशंसा की। उन्होंने जोर दिया कि विरोधियों की प्रशंसा का मतलब यह नहीं है वह तीन अंक जीतने के लिए हर संभव प्रयास नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, खालिद एक बेहतरीन कोच हैं। जमशेदपुर एफसी ने उन्हें अवसर दिया है जिसे उन्होंने भुनाया है। लेकिन मैच में हम जीत का हर संभव प्रयास करेंगे। दोनों टीमों ने आईएसएल में 14 मैच खेले हैं। चेन्नइयन एफसी छह बार जीती है, जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन मैच जीते है। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।

## रूस की श्नाइडर ने जीता डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब

**हांगकांग।** डायना श्नाइडर ने ब्रिटिश खिलाड़ी केटी बौल्टर को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब जीत लिया। विश्व में 14वें स्थान पर काबिज शीर्ष वरीयता प्राप्त श्नाइडर ने जर्मनी में बैड होम्बर्ग ओपन, थाईलैंड में हुआ हिन चैंपियनशिप और हंगरी में बुडापेस्ट ग्रैंड प्रिक्स में खिताबी जीत के साथ इस सत्र का अपना चौथा खिताब जीता। खिताबी जीत के बाद 20 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने कहा, मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उच्च स्तर पर थी। निश्चित रूप से,मैं जिस तरह से प्रतिस्पर्धा कर रही हूं, उससे खुश और गौरवान्वित हूं। दूसरी वरीयता प्राप्त और सत्र का अपना तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी बौल्टर ने इस कठिन मैच के बारे में कहा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती थी।

# राइवलरी वीक में पुणेरी पलटन ने यू मुंबा को सात अंक से हराया

एजेंसी

**हैदराबाद।** मौजूदा चैंपियन पुणेरी पलटन ने खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन के 32वें मैच में यू मुंबा को 35-28 से हराकर अंकतालिका में नंबर वन का स्थान हासिल कर लिया। यहां गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन पुणेरी पलटन की छह मैचों में यह चौथी जीत है। टीम के अब 24 अंक हो गए हैं और वो अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गई है। यू मुंबा की पांच मैचों में यह दूसरी हार है। पुणेरी पलटन के लिए कप्तान असलम इनामदार ने सबसे ज्यादा 10 अंक हासिल किए जबकि डिफेंडर गौरव खत्री ने सात और मोहित गोयत ने नौ प्वॉइंट बटोरे। यू मुंबा की ओर से अजित चव्हाण ने सबसे ज्यादा नौ प्वॉइंट अपने नाम किए। उनके अलावा मंजीत ने छह और आमिरमोहम्मद जफरदानिश ने चार अंक लिए। पुणेरी पलटन ने मैच में शानदार आगाज किया और लगातार

तीन अंक ले लिए। सीजन दो की चैंपियन यू मुंबा ने चौथे मिनट में जाकर अपना खाता खोला। मुंबा ने फिर सुपर टैकल करके जल्द ही स्कोर को 5-5 की बराबरी पर ला दिया। मुंबा के लिए फिर अजित चव्हाण ने सुपर रेड लगाकर पहले 10 मिनट के अंदर ही अपनी टीम को लीड में ला दिया। डिफेंडिंग चैंपियन ने फिर सुपर टैकल करके खुद को लीड में ला दिया। कप्तान असलम इनामदार ने फिर लगातार दो सुपर रेड लगाकर पुणेरी को 13-9 से आगे कर दिया। पुणेरी ने अगली ही रेड में यू मुंबा को ऑलआउट करके स्कोर को 17-10 का कर दिया। मुंबा मैच में लगातार पिछड़ती जा रही थी और पुणेरी पलटन 10 प्वॉइंट से आगे हो चुकी थी।लेकिन पहले हाफ से पहले ही मंजीत ने सुपर रेड लगाकर पुणेरी पलटन की लीड को और कम कर दिया। इसके बावजूद पुणेरी पलटन ने पहले 20 मिनट के खेल में खुद को 22-16 से आगे रखा। दूसरे हाफ के शुरू होने के बाद पुणेरी का डिफेंस चल पड़ा। टीम के लिए स्टार डिफेंडर गौरव खत्री ने इस सीजन का अपना तीसरा हाई फाइव पूरा कर लिया। गौरव के बाद असलम ने भी डू ऑर डाई में सुपर रेड करके पुणेरी पलटन को 26-17 से आगे कर दिया। इसी बीच, कप्तान असलम सीजन का अपना पहला सुपर 10 भी पूरा कर लिया। पुणेरी की लीड कम और ज्यादा हो रही थी लेकिन टीम के पास 30वें मिनट तक छह प्वॉइंट की बढ़त बरकरार थी। मुकाबले के अंतिम 10 मिनटों के खेल में यू मुंबा का वापसी का प्रयास जारी था। टीम लगातार डू ऑर डाई पर खेल रही थी।

## हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप का 14वां संस्करण 31 टीमें करेंगी प्रतिस्पर्धा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में सोमवार से शुरू हो रही हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप का 14वें संस्करण कुल 31 टीमें हिस्सा लेंगी।

मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होने वले इस टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली 31 टीमों को आठ पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष टीम 13 नवंबर को क्वार्टर-फाइनल में आगे बढ़ेगी, उसके बाद 15 नवंबर को सेमीफाइनल और 16 नवंबर को फाइनल और तीसरे/चौथे स्थान के लिए प्ले-ऑफ होगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने आगामी टूर्नामेंट को लेकर कहा, हम चेन्नई में 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी करके बहुत खुश हैं, यह एक समृद्ध हॉकी विरासत वाला शहर है। यह चैंपियनशिप देश भर से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है और भारतीय हॉकी के भविष्य के सितारों को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण आयोजन है। मैं सभी टीमों को शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह चैंपियनशिप उच्च गुणवत्ता वाली हॉकी और गहन प्रतिस्पर्धा देने का वादा करती है। हमने भागीदारी में जबरदस्त वृद्धि देखी है, और देश के सभी कोनों से उत्साह देखना उत्साहजनक है। मैं कुछ रोमांचक मैचों की प्रतीक्षा कर रहा हूं क्योंकि टीमें प्रतिष्ठित खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं।

# बंगाल वॉरियर्स ने रोका हरियाणा स्टीलर्स का विजय रथ

एजेंसी

**हैदराबाद।** बंगाल वॉरियर्स ने माइटी मनिंदर और फजल अत्राचली के दम पर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन के 31वें मैच में हरियाणा स्टीलर्स को 40-38 से हरा दिया।गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में आज खेले गए मैच में मिली जीत के बाद बंगाल अब अंकतालिका में चौथे नंबर पर पहुंच गई है। बंगाल की सीजन-8 के बाद से हरियाणा के खिलाफ यह पहली जीत है। बंगाल वॉरियर्स की पांच मैचों में यह दूसरी जीत है और टीम के अब 17 अंक हो गए हैं। वहीं, हरियाणा को लगातार तीन जीत के बाद पहली और इस सीजन की दूसरी हार मिली है। बंगाल के लिए माइटी मनिंदर सिंह ने सुपर 10 लगाते हुए 12 अंक लिए जबकि कप्तान फजल अत्राचली ने चार अंक जुटाए। हरियाणा के लिए विनय ने सुपर 10 लगाया जबकि मोहम्मदरेजा शादलू ने नौ अंक हासिल किए। अपनी लगातार चौथी जीत की तलाश में उतरी हरियाणा स्टीलर्स ने शुरुआती पांच मिनटों के खेल में एक प्वॉइंट से खुद को आगे रखा। इसके कुछ देर बाद ही शिवम पटारे ने सुपर रेड लगाकर स्टीलर्स को 9-3 की लीड दिला दी। हरियाणा ने अपनी बढ़त को बराकरार रखते हुए पहले 10 मिनटों के खेल में पांच प्वॉइंट की लीड ले ली और स्कोर को 12-7 तक पहुंचा दिया। माइटी मनिंदर सिंह अभी मैट पर मौजूद थे और

उन्होंने लगातार अंक लेकर बंगाल वॉरियर्स की वापसी करा दी। इसके बाद 14वें मिनट में जाकर बंगाल ने स्कोर को 13-13 की बराबरी पर ला दिया। वॉरियर्स अब मैच में लीड में आ चुकी थी। अगले ही मिनट में बंगाल ने हरियाणा को ऑलआउट करके स्कोर को 18-15 से अपने पक्ष में कर लिया। लेकिन बंगाल की भी उस समय खत्म हो गई जब हरियाणा ने शिवम पटारे और विनय के लगातार अंक की बदौलत स्कोर को 18-18 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने एक-एक अंक लेकर पहले हाफ की समाप्ति तक स्कोर को 19-19 की बराबरी पर रखा।

हाफ शुरू होते ही बंगाल ने सुपर टैकल से दो अंक और अपने खाते में जोड़ लिए। 25वें मिनट तक बंगाल के पास पांच अंक की बढ़त आ चुकी थी और टीम लय पकड़ चुकी थी। यहां से मनिंदर ने लगातर अंक लेकर इस सीजन का अपना पहला और पीकेएल करियर का अपना 73वां सुपर 10 पूरा कर लिया और स्कोर को 29-23 का कर दिया। मैच के अंतिम 10 मिनटों के खेल में बंगाल और हरियाणा के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। 33वें मिनट में हरियाणा ने सुपर टैकल करके दो अंक दो और ले लिए। इसके बाद मोहम्मदरेजा शादलू ने भी रेडिंग में अंक लेकर हरियाणा को बंगाल के करीब ला दिया। शादलू ने इसके बाद सुपर टैकल करके हरियाणा को गेम में बनाए रखा। हालांकि टीम 37वें मिनट में खुद को ऑलआउट होने से नहीं बचा पाई। बंगाल ने इसके साथ ही पांच प्वॉइंट की लीड कायम कर ली और स्कोर को 38-33 का कर दिया। लेकिन पिक्चर अभी बाकी थी। अंतिम मिनट में विनय ने सुपर रेड लगाकर मैच को रोमांचक बना दिया। लेकिन अगली रेड में विनय टैकल कर लिए गए और बंगाल वॉरियर्स ने 40-38 से मैच को जीत लिया।

## मां सुपरस्टार, पापा फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर...कौन हैं

# राशा थडानी

## जो अजय देवगन के भांजे के साथ करने जा रहीं डेब्यू?

जान्हवी कपूर, अनन्या पांडे, वरुण धवन और आलिया भट्ट जैसे कई स्टार किड्स ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है. अब इन स्टार किड्स की तरह शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने भी अपना फिल्मी सफर शुरू कर दिया है. इन सभी युवाओं में एक और स्टार किड का नाम जुड़ गया है और वो हैं राशा थडानी. हाल ही में बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन और 'भूल भुलैया 3', 'पुष्पा2' जैसी फिल्मों के डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी की बेटी राशा थडानी की फिल्म 'आजाद' का पोस्टर लॉन्च हुआ है. ये पोस्टर अजय देवगन ने लॉन्च किया है. जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में राशा अहम किरदार में नजर आएंगी.राशा सिर्फ 19 साल की हैं. डेब्यू से पहले ही वो लगभग 12 लाख लोगों से इंस्टाग्राम पर जुड़ी हुई हैं. राशा का पूरा नाम राशाविशाखा है. ये रवीना टंडन की पहली बायोलॉजिकल बेटी हैं. राशा की दो बड़ी बहनें भी हैं, जिन्हें रवीना टंडन ने गोद लिया था. जब से होश संभाला है, तब से राशा को एक्ट्रेस ही बनना था. यही वजह है कि स्कूल खत्म होते ही उन्होंने अपने डेब्यू की तैयारी शुरू कर दी. उनकी स्कूलिंग भी स्टार किड्स वाले स्कूल में ही हुई हैं.

**मुंबई के सबसे महंगे स्कूल से की है पढाई**

सुहाना खान, शनाया कपूर और अनन्या पांडे की तरह राशा ने भी अपनी पढाई मुंबई के धीरूभाई अंबानी स्कूल से पूरी की है. साथ ही साल 2021 में उन्होंने आईजीसीएसई यानी इंटरनेशनल जनरल सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन का टेस्ट भी पास कर लिया. एक्टिंग के अलावा फोटोग्राफी को लेकर भी राशा पैशनेट हैं. सुहाना खान से लेकर कई स्टार किड सोशल मीडिया पर उन्हें फॉलो भी करते हैं. वैसे तो राशा को फिल्मों के कई सारे ऑफर्स आए, लेकिन वो एक पीरियड ड्रामा फिल्म के साथ अपना डेब्यू कर रही हैं.

**अभिषेक कपूर की फिल्म से करेंगी डेब्यू**

राशा अजय देवगन के भांजा अमन देवगन के साथ 'आजाद' में स्क्रीन शेयर करेंगी. ये इन दोनों का ये बॉलीवुड डेब्यू होगा. 'केदारनाथ', 'काय पो चे' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले अभिषेक कपूर ने 'आजाद' का निर्देशन किया है.

# शाहरुख खान

## की ग्रैंड बर्थडे पार्टी में 250 लोगों को न्योता, गौरी ने बनाया पूरा प्लान

दो नवंबर का दिन बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के साथ-साथ उनके तमाम फैन्स के लिए भी बेहद खास होता है. इस दिन शाहरुख अपना जन्मदिन अकेले नहीं मनाते, बल्कि दुनियाभर में मौजूद उनके फैन्स उनके बर्थडे को धूम-धाम से सेलिब्रेट करते हैं. इस बार गौरी खान ने पति शाहरुख खान के बर्थडे के लिए खास प्लान तैयार किया है. उन्होंने 250 से ज्यादा मेहमानों की लिस्ट बनाई है और उन्हें किंग खान की बर्थडे पार्टी में इनवाइट किया है.इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि गौरी ने शाहरुख के 59 साल होने का जश्न मनाने के लिए बड़ी तैयारी की है. किंग खान इस बार अपना बर्थडे करीबी दोस्तों, परिवारवालों के अलावा बॉलीवुड के सितारों के साथ भी सेलिब्रेट करेंगे. गौरी ने अपनी टीम के साथ मिलकर 250 से ज्यादा मेहमानों को पार्टी की दावत दी है.

**इन सितारों को भेजा गया न्योता**

शाहरुख खान की ग्रैंड बर्थडे पार्टी के लिए गौरी ने रणवीर सिंह, सैफ अली खान, करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, एटली जोया अख्तर, फराह खान, आलिया भट्ट, शाहीन भट्ट, अनन्या पांडे, करण जौहर, शनाया कपूर, महीप कपूर, शालिनी पस्सी और नीलम कोठारी जैसे सितारों को बुलावा भेजा है. माना जा रहा है कि ये सभी सितारे किंग खान की बर्थडे पार्टी में चार चांद लगाते नजर आएंगे.

**शाहरुख करेंगे फिल्म का ऐलान ?**

रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि शाहरुख खान इस खास मौके पर अपनी अगली फिल्म 'किंग' का ऐलान कर सकते हैं. हालांकि अभी तक इस बारे में कोई कंफर्मेशन नहीं आई है. इस फिल्म से ही सुहाना खान बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं. शाहरुख इसमें डॉन के किरदार में दिख सकते हैं.शाहरुख खान फिलहाल सुहाना और आर्यन के साथ दुबई में हैं. हाल ही में आर्यन खान के ब्रांड डी यावोल के एक इवेंट में शाहरुख खान पहुंचे थे और वहां जमकर डांस भी किया था.

## 'मैं गुम हो गया था...' 90S में शाहरुख-सलमान-आमिर संग तुलना पर क्या बोले चंकी पांडे?

बॉलीवुड इंडस्ट्री में चंकी पांडे एक जाना-माना नाम हैं और अब तो उनकी बेटी अनन्या पांडे भी कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं. एक्टर 4 दशक से फिल्मों में सक्रिय हैं. वे उस दौर में आए जब उन्हें कई सारे एक्टर्स के साथ कॉम्पिटीट करना पड़ा. एक्शन में सनी देओल, अक्षय कुमार और संजय दत्त जैसे स्टार्स थे, रोमांस की कमान शाहरुख खान ने संभाल ली थी और दूसरी तरफ आमिर खान और अजय देवगन ड्रामा फिल्में ला रहे थे. सभी कलाकार किसी ना किसी जॉनर में रम गए थे. ऐसे में 80s-90s में चंकी पांडे को अपने करियर में काफी स्ट्रगल करना पड़ा. अब एक्टर ने इसपर सालों बाद बात की है.

**चंकी पांडे ने स्ट्रगल पर की बातें**

1987 में आग ही आग फिल्म से करियर शुरू करने वाले बॉलीवुड एक्टर चंकी पांडे ने कहा कि उन्हें करियर के दौरान काफी रिजेक्शन्स देखने पड़े. फिल्मों में ही नहीं उन्हें टीवी के लिए भी रिजेक्शन्स झेलने पड़े थे. एक्टर को उनका अटायर देखकर एक बार किसी ने बोल दिया था कि उन्हें टार्जन के रोल के लिए ऑडिशन नहीं चाहिए हीरो के रोल के लिए चाहिए, अपना लक कहीं और ट्राए करें. चंकी ने बताया कि 90ह्य के दौर में लीडिंग एक्टर की कैटेगिरीज डिवाइड हो गई जिसकी वजह से उन्हें लीड रोल पाने के लिए दिक्कत होने लगी.

**तीनों खान के बारे में क्या बोले चंकी पांडे**

खान्स के साथ कॉम्पिटिशन के बारे में बात करते हुए चंकी पांडे ने कहा- मैं कहीं गुम हो गया था. कई सारे लोगों की एंट्री एक साथ हो गई. मैं किसी और को नहीं बल्कि खुद को ही इसका ब्लेम दूंगा. मैं उस समय नया खून था. मैंने तरह तरह के रोल्स करने शरू कर दिए. जो भी रोल्स मुझे मिलता मैं करने लगता, पैसा भी मिलता था. मेरी प्राथमिकताएं बदल गईं और यही वजह है कि मैं उस हिसाब के रोल्स कैप्चर नहीं कर पाया. चंकी पांडे की पिछली फिल्म सरदार थी और अब वे विजय 69 फिल्म का हिस्सा हैं.

## एलिस के सामने आया बॉयफ्रेंड कंवर ढिल्लों का सच, सलमान के खुलासे के बाद फूट-फूटकर रोईं एक्ट्रेस

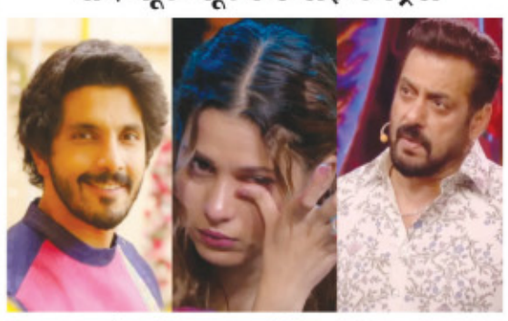

बिग बॉस 18 के घर में सलमान खान ने दिवाली के जश्न की शुरुआत की है. जी हां, हमेशा शनिवार और रविवार को ऑन एयर होने वाला 'वीकेंड का वार' इस हफ्ते शुक्रवार से लेकर रविवार तक लगातार 3 दिन तक चलने वाला है. जाहिर सी बात है कि बिग बॉस के मंच पर सलमान अपने शब्दों के पटाखों के जरिए दर्शकों का खूब मनोरंजन का खूब मनोरंजन का रहे हैं. इस आतिशबाजी के दौरान सलमान ने पहला बम एलिस कौशिक पर फोड़ा. दरअसल बिग बॉस के घर में एलिस ने घरवालों से कहा था कि उनके बॉयफ्रेंड कंवर ढिल्लों ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था. लेकिन सलमान खान ने 'वीकेंड का वार' पर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि एलिस, कंवर ढिल्लों ने इस बात को झुठला दिया है. सलमान के इस खुलासे से एलिस पूरी तरह से टूट गईं.

सलमान बोले,हाल ही में कंवर ढिल्लों ने एक इंटरव्यू में बताया कि मैंने कभी भी एलिस को शादी के लिए प्रपोज नहीं किया था, मैंने उन्हें

कहा था कि मैं एलिस जैसी लड़की से मैं फ्यूचर में शादी करना चाहूंगा. हालांकि न ही मैंने एलिस को शादी के लिए प्रपोज किया और न ही मैं अभी शादी के लिए तैयार हूं और अगले 5 सालों तक मेरा शादी का कोई इरादा नहीं है. जब एलिस ने नेशनल टीवी पर ये बात कह दी तब मेरी मां ने मुझे एक लुक दिया और मैंने उन्हें बताया कि ऐसा कुछ नहीं है.

**फूट-फूटकर रोईं एलिस**

सलमान की बातें सुनकर एलिस को लगा कि वो उनसे मस्ती कर रहे हैं. लेकिन जब उन्हें पता चला कि सलमान सच बोल रहे हैं तब उनके चेहरे से रंग उड़ गए. उन्होंने कहा कि मैं भी शादी अभी नहीं करना चाहती. मैं भी 5 साल तक शादी नहीं करना चाहती. लेकिन अगर उन्होंने मेरे बारे में ऐसे कहा है कि उन्होंने कभी मुझसे शादी की बात नहीं की थी तो वो गलत है. उनके माता-पिता को इस बारे में पता है.

**घरवालों ने दी सलाह**

सलमान के जाने के बाद विवियन डीसेना, ईशा सिंह के साथ एलिस के कई दोस्तों ने उन्हें सलाह दी कि वो अभी इस मामले पर रियेक्ट न करें, क्योंकि कंवर ने ये क्यों बोला इसके पीछे भी कोई वजह होगी. घरवालों ने समझाने के बावजूद इस मुद्दे को लेकर ईशा फिर भी काफी भावुक हो रही थीं.